

186

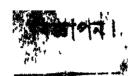
निस्तिमान अधिकाल

ध करिश्या नारितादमाहा कर जीकार केन्द्र एड

Participates of \$2.50

¥

324 min



त्मादिक वाकि प्रशास प्रकारिक अर्थन त्यां विकार विकार

देशक विकि क्षि कार्य के स्वयंत्र क्षाविक वीक दिंग । भा ती राष्ट्र रहे ता अस्ति जामारक वर्ष कार्यम् सक्रमा-व्यक्त महिले अस्ति । गारम अस्ति रहे के स्वयं मा शक्कि वर्ष काश्राक वर्षे महाले इतिकार अस्ति ट्राइकि जिल्हा कि कि वर्ष क्षा कार्य कि विक्या कर होत्र हो हो स्वर्ण मात्र सावाक कि कि वर्ष कार्य कार्य करि

किन कर नकतान नका क्षेत्र कर्मा पर्वक्रिय स्वता नक्ष्यका शाहर सम्बद्धिय स्वता स्वतान क्ष्यक्रिय स्वता क्ष्यक्रिय क्रिक्ट वा श्वता स्वतान क्ष्यक्र क्ष्यक्रिय स्वता क्ष्यक्रिय क्षित्र अक्ष्यक्ष स्वतान क्ष्यक्र क्ष्यक्रिय स्वतान क्ष्यक्रिय स्वतान क्ष्यक्रिय

ভূতিকা**তা** - ূলেল

্বিক্রা ক্রিয়া ক্রিয়া

देश देशके तेन २००० नी व विकास स्वित्व के स्वति व स्वास्त्र करिया दिल्लाम प्रमार १० ज्याचि स्मानित (... की : किस के किस के किस स्ट्रिंग मा अवता स्थारिय Maria in FAM. FIFE ें भी भी 1 6 m 3 m

নাটোলিখিত ব্যক্তিগণ

পুরুষ

ह्यार्थ्य मनदवर्ष वाङा BRI FREEZE TO 1 शुरनार्क मिश्ट् भारतीय नगरित्रेत ता प्रदेशीय प्रशिक्ष निरह (सम्बद्ध संस्थित संविक्षीत JE PER ন্ট্ৰয় নিজ্যুর প্রসংগ্র শ্ৰীয়ান পিৰি अध्यास समाजर पना । 計時 香鄉 ক্ষয়ি হৈছে। 100 75 ব্যাদ व्याचे ८४१ उर्गावर ११ करा । 3.71 मुच, मात्रिः जनसार्भाव, विविधात्रक, वेश्वसा १०५० ।

43.

रेड. उटी गांकाल नगरवत ग्रांक क्यांना । देन्सूपकी हिताकरीर लिए मध्या एक राज्या सनी जनती - प्राप्त क्यांना क्यांना क्यांना क्यांना । प्राप्त क्यांना क्यांचा क्

सभी देशावि :

रेत्रावजी नाहिक।

প্রথম অগ্ন ।

প্রথম গর্ভাঙ্ক।

ावाह्न एम्बन्न वस-व्यक्तिरम्प्यंद अग्र दिवित मनः 📑 र्न

ष्ट्र **अ दू**ढ्ड 💯 🛎

ঠ। আম্কাল

Z.:

्र, र आसि १

।।म्- जूरे ध्य क्लार

্তার কোপ্করিন জ

्रातान किंद्र इंडा

ক তৈম, আন এই এক কোপে কন্ত নক্ষ সন্ধার মদার নাচ্ দেখাতেই।

তোর ছুনি সামার **হতন এক দিনও আনি** ক

मारक करन तिश्री।

পেক্রেন্থ) সে নিন ছিগাব করে দেখেচি থে,
নামি এ বত্রিশবছর বয়সের মধ্যে, সোরুতে মোটাতে
বেশ পাঁচ হাজার সাতটা কেটেচি, তার মধ্যে
বা একটা সরু রাজা বাইশ কেপে কেটেছিলেম,
তি সেটার হঠাৎ গলায় কোপে পড়েছিল বলে
শিগ্রিয় শিগ্রিম মরে গালি, খাঁর আ্মিও তথন
ভেলে মানুষ ছিলেম বড়ু মজা করতে জাল্ডুম না।

ার- তোর ওসই নাকি রামী রাধ। আমরা হড়ে রে আনুবো আরু উনি পুরোর দিন হলে মজা আমরা শালার বেন কেট্র নর, ছাজ ভোরে টিতে দেন শালার ভোরই শেকদিন কিল (স্থানি দেখাইয়া) আন ফোরে মু। আনি ধরিনি কিলে, ভূই ধার্মীলারেইত আনি থিয়ে পড়েচি, তরি পর আনি বরাবর মান্তার ক'রে ভূলে এনেটি: তৌকে আন্ত কথনই পুড়োন কোই বরতে দেব না। আমিই আন্ত্রিকাট্নো। এতে ব বনি ভূই জোর করিন তোতে আমাতে আত বোকা

ক। (ছতু ও বৃহুর প্রতি) তোরা দাদতা কেন ছতে ছতে ।

ক্রজা করে মরিল। চল আমরা প্রতা মিরল ক্রডার
কাছে যাই: সে আজ ্যারে কাট্ডে বলাবে, সেই
আজ কাট্রে।

त्। तम कथा निहित्तको ५ छाई छन्।

ছু। তবে 🚁

对形式图1 金银铜 🗽

দিতীয় গান্তাম '

प्रताब ? कि नर्कनीन (किसा कड़ियाँ) cala करि श्रास्त्र दर्गान कानन मध्या थादन क'रह शाकरान। (নশুহেন্ন দৃষ্টিপাত করিয়া) উঃ—কি ভয়ানক নিবিভ वन। वृष्टिमार्ट्य की बना नहां छेशास्त्र हता वावात শাশান ভূমির নিকটস্থ হ'লে হেমুক্ত মুক্ত লেছে ' তুর্গক ^ক নির্গত হয়, দেই রূ**ণ ছ**র্গদ্ধের আন্তাণও প্রেয় ्रमास्क तम्ब । । (रमन् शक्तम । विश्वाद तिथा। **छै३-- कि शसीत दमर**धन श्रम्बन । कार्यः । छग्नासक विहा हर्डिक एडा काजक र'न (भूनवास किया स्टित्स) बोक क्रमात्री द्याविकाद्वां हर्षा विद्याव शांत्रमान्त्री भ, देश গ্ৰণত থাকিয়াৰ এই ছুৰ্ব্যোগের-সময় এল ভাতুইবৃত্যে গ खन श्रीमा क्या वाधाव कान कर गरे के पूर्ण कर गरे हैं। ेक्टा कि कति:— त्काम् मिर्ड अप अन्या छ राजन् ा अन्त न्त्रमकान शाहे। - किंड्र्डेंड हिंद केता भां के नां भागि भूनताम अब किन्नाहेग हो। भारत्वमः कत्र मा कि १ - कर्डवा अरहे, कांद्रन धुनु ৰাশস।

> मूटह. है।

ত এই রে প্রিয়স্থি আসার নির্মিত এই খালিই অংশক্র কচ্চেন্।

ইন্ধ বাজকুষারি! দেই নিরাশ্রম প্রান্তর মধ্যে ইংগা কিবল দেশে এই সাটকা প্রারম্ভ হটো জিলা ভালান হানা লেগে এই লিকেই অসচালুনের অনুশ্র কিবে, ডাল পর আপনি লোন দিকে সম্বান্তন কর্তিকিক্স

विश्वित देशका स्व मन्त्र करा है है। विश्वित स्व मन्त्र करा है। विश्वित स्व कार्य कर्मार अहन करा है। विश्वित स्व कार्य कार्य करा है। विश्वित स्व कार्य कार्य

ইন্ বাজক্মার। শারণ করন, গ্রাগ্র নিবির হ'তে বহিগগনের সময় আপনাকে ক্লাব্য অনুবার করেই ছিলেম যে, আগাদের সহিত বিশেন লাবির অক্টেই করেই বিশ্বিসামে এই বিশ্বিসামে এই বাজবোলা লাভ ক্টেন কিছে দেখি আগাদি কিছেছেই শুন্লেন না; একন কেন্দ্র নারি বিশ্বিসামে আগাদি কিছেছেই শুন্লেন না; একন কেন্দ্র নারি

ইয়া: প্রিয়স্থি ক্ল গত বিষয়ের প্রশাসনার করার আনি কি ফল ? একণে ঘোটকছয় অত্যন্ত রাস্ত হয়েছে চলুন ইয়ানের বিজ্ঞান জন্য ক হক্ষণল বন্ধন করে আণি । ইন্দু। ই তাই করা যাক, কিন্তু জিকুসালি । এই চ্লোণ শৈলিকে আমাদের অস্থানি তিতে সৈন্ত্রণ নিত্

বিধেদ্ধি। কি করা যার বলুন । দেখুন নাদেশ ভাতগত গলেছেন এবং বারিপূর্ব মেঘ সকলও সংগ্রা রূপে দুরীভূত হয় নাই, এসময়ে পুনরার নেই দুলার নিজ ও স্থান পরস্থা ভাতিকেম করণেও তো দাইকের প্রান্তির করা সক্ষ হয় না। এই খানেই কণেক ভাতিনিত্র করা সক্ষ হয় না। এই খানেই কণ্ডের কণ্ডানিক ভাতিনিত এই নি

हेन्स्। उटर हन्।।

(উত্ত্যে প্রাথান, ও খোটকভার বস্থান করণান্তর পুনঃ কারেল চি

পারদানি হতেন, তা হ'ল কি আমাদের এই নর-পারদানি হতেন, তা হ'ল কি আমাদের এই নর-শোনিত-শিক্ত লয়ানর পার গা উলজ্জিক হ'তে দিবেব-সার হাত । কথনই না । শেশুন রজনী দেবী আগা বিভাগুলিক জিলা বিভাগে শিবিক্তাপ্ত হইটেম ই সতেন বার্থিক শিবাদিক প্রাপ্ত হাইটেম ই সতেন

े ह्या क्ला मत्रम समा हर्दिक क्रिक स्वाहर कराई ারত্ব দর্ভায়ে কুতকাষ্য হলেছেন, আনি ন্মটা লাংখী का**ल जालनांव मान्नाना नि**या **ह**ेरा कि ५७%६ छल्।-ে ব্যেষ্ণে নি**পুণ হ'তে পা**রি ? তেকে আ কিজিত चिरशहे (मञ्च क्रिकेश) शादा ।

আহা : রাজকুমারি : অপ্রিনার যেমন সংগ্রেস্ক न्द्रम्, शक्त **छानिम** एक **उछाँन** मनुष, ई पन **प्रा**र्ह বিশদ কালেও উৎসবের মারি ক্রমত গুরুজির স্থান ্ভটে; পরমেখনেও নিকট একা াইতে প্রার্থনা করি, व्यात्रिति द्यान पृथिवे कविनी होट १० लाका व्यान

्लिशमध्यः ^भगिष्ट्रे **जा**राष्ट्रं **अणि** ालनाव द्वारहत् লাঘিনতা । বাকে, তা ছানে আনা করি ব প্রার জনিবাল পূর্ব হওমের আর কোন এলা থাক্তর কা 🛚 🎤 ा अस्पारि । कारि पान, वादानांत महिन्द्र, दांकार् ब्लोश कति, के नुहें बायक केशात हैं गुर्व रहे । रिक घटनाकरा अपेर वीरामाश्रुष्ट्रहाद र्थातं हिरा शास 🍇 বন্ধন নূৰ্ব তেওঁ ২ ল দেখছি। ামপৰীৰ প্ৰির্কালে सावि अतरवर गराक श्रुटच्चे, वर्षण्डारकाती **क**्रुलाहे-्रिय नेकां व समा इश्राहरू के काठां में के खरन के उस्ते के

अने के किए (केट Charten) को के निवस अवस वाध के अधिक करता नामबर छया निया महिल्ला क्रिक्त,

िवास विकास करिया करिया करिया । अने

ক্ষাৰ বাছিল বিশান হওয়াৰ সম্পূৰ্ণ কৰে সেকা কিছে কাজেইত জিলানে প্ৰকৃতি বক্ষের সাভ্য গ্ৰহণ কল্প হ'বেল কিন্তু প্ৰকাশে সৈই নলা তাকা কল ছালা যদি আক্লান্ত হ'তে হল্প তালো সালি

ক ল শত ভয়ানক সংগ্রামে জয়লা । বারাছেন। সেই বাংকপানী ভীষণ খদি, আমান ও গলাক বালে কি আ, সালের প্রতি পক্ষপাত কর । কপনই না; অব-

ইন্দ। রাজন্মারি! **আ**হাদের প্রতিকৃলে জানি প্রপাত

ইয়া) প্রিয়সগি ! কয়ানিধান ভগবানের কৃপাবলে ভ্রেন্ করি হস্ত দেখাইয়া) এই হস্তে, আস এতপ্লর বাধা যে, আমার ক্সির নিকট ক্ষপরের অসি নিশ্চরই প্রাস্ত্র ইংকে ।

বৈদ্যা বিজেক্মারি। আজ আমি পরস আহলাদিত হচেয়।

জীবনের আশ্রা সহেও এপনি বেরপ আশারীরাই

অকশে কলে।, তাতে আগ্রা অন্তঃকরণে বিত্তন

हैशाना (सामाध्यानि स्थानन कर्त्रणापः आफ्टशाविका क्रेशा) केलियामणि अम्बन्धातन केंग्रेड राष्ट्रन राष्ट्रीय अके तन नाव केलिक कि कि तरुन ग्रहाधारिका का का ক্রিটি তো। বাদ্যবানর প্রকি কর্ণপাত পূর্বক ক্রিটি নিজুকের পথ প্রথিত ভাবে । পাই নাজ-ক্রারি। বোদ করি সাজে কোন হতেও । বেই ক্রিটের নরম্বিনির হতে পভিত হতে থাবালে । ভীবন হতারে নিজিও নিষ্ঠারনাণ এই বিল্লালিক ক্রিটি এই দিকেই আদ্চে। চিন্তা ক্রিটা ক্রিটা

আয়োগের জীপ্রায়ের জন্য কি করাটোচ উপ্র-নিধি । ই বি ইরা প্রিক্তি আমর্থাতে অস্তর্গতে অসক্তিত আদি, উলাপে প্রতিকৃতে অসমন হওয়া, মণ্ড আ দুবন

हैं। विकासि । ज व त्या एकारा विकित्त के स्टिन्टें कोकारात को बंग अक्षा कुक रण बद्दा योजिकीय कहा एक के विकास अस्टिए के जिल्लाके त्या के स्टार बाकारिया के विकास के सहस्त

बादक्याति। एको ज्ञान्यस्य क उपन्यान द्यान गाइ केड्सरे कृत । कार्य अञ्चल निर्देश शृक्ति निर्देश के स्थापन प्रस्के समाव देवरा । एक क्षेत्र विक्ति स्थापन प्रस्के समाव देवरा । व्यक्ति শার আমাদের এখন বিশেষ কোন আশকা থাওুবে

ইল । (চিতা করিয়া) বিশ্বস্থি (শ্রিপাপানার প্রভিপ্রান্তর প্রত্যান কিন্তুতেই বিজ্ঞাধী কহি, কিন্তু

কাশ্র নন্তিত হবে বলৈ কি অপ্নার গলের ভাষ আশার নন্তিত হবে বলৈ কি অপ্নার গলের ভাষ কেলেন কিছেন স্থাপনার অভিনাপ সংখ্যাল প্রকাশ কিজ্ঞ বিভাষকে জাগরিত করা ছার ১

তাবাল কিংকে প্রারশ দেন। তাশ পার আমাদের
প্রবিদ্যা শিকার ফল কিং
প্রবিদ্যা শিকার ফল কিং
প্রবিদ্যা শিকার ফল কিং

বিশ্ব । তাতন্মারি আপনার সদৃশ পরাজন নালপুর-মান প্রেশ্ব করিও পারি আগনার সে প্রবাদ নদীয় সহিত্য দেব তি পারি, এতে ে। আলার বিশ্ব নাল্যো শীম্ম ব্যামেও ঘ্যামান । সভাগ্র হ'ব পারে । ন হাবত সংশ্বহ নাই। তিত এই বাজিকালে হাপনার মূলাবলার হ'তে আমার অভ্যক্তর সুশ্তি বালের কলে না। বিবেচনা করান যদিচ আলনি আমার ফপেল। অসুখাননার উৎপ্রক হতেন ওবাচ আমাদের স্থান ন্দ্রীনা নত্তধারিশীদিশের ভুচ্ছ শক্তে বিনাদেও সম্পা ন্মায় দেখা আনশ্যক, অভ্যাব আপনাকে অন্ত্রালাল র অই লাভিত জনা যদি বিবাদে প্রের্ড লাহন, তা মূলে কলা প্রাতে আপনি যা অভিলাব কল্লেন ভালে ক্যায়ে কোন আপতি থাক্বে না

4,00

ইরা। (নিন্ত করিয়া) বিরম্পথি। সংগ্রাণ করে করেছ ার বে অসুধারিনীদের জ্লক্ষিত ১৯৫ এই নদ মধ্যে আ ক্ষিতি কর্তে হলে, সে কেলে ন প্রার মন্ত্রীপর্ব নাবেলি পক্ষে অস্প্রীয় বলে, ন্তর অস্ত্রপরি াকাল এক্ষে ভাব প্রশ্ব সার ক্ষ্মি মান্ত্রিপি বি

ইন। রাজকুমারি: আপ্নার এত দূর জাসির্চা একাণ দর। কোন মতেই উদিত হয় না, নৈর্বা ঘনলভা, কলন, মানি প্রভাত হলেই ছিল্প কল্ প্রাক্ত কলে।

ইয়া (নিবিং প্রাণ্য হইয়া স্বগত) হার বিষ্টা বক্ত াব নাগাল মৃত্যু – উঃ নবদেহ ধারণ ক'লে সালিব উৎপরের জন্য নজুবোর প্রাণ বধ ব্রব্য – কালাব্যক অনির সাক্ষায় থাককে এও কি ব্যন সহা হয় ঃ (চিন্তা করিছা) কিন্ত কি ক্সি সাক্ষাব্যি কেন্ট্ কা বার্ম্বার ভাষাতে করে চালনায় বাণা বিকেন্ট্

আমি বৈ তর শার মশিকিতা ধর ডা লো গাবিকিত भहि, जतक कांबर्व है वी शक्तिक कांवित वर कार्य বেন উনিই তো শামাকে গণ ভখন বালৈতেন त्य अमित्र अपूर्वारमञ्ज्ञातीमा व नाई ; पाल । हे इंडेर भार वाणिका**र रहेक (ग प्रथम अक्ष होता**नो क'ा, राष्ट्र जात स्वतंत्र कार्यामाध्य क्या है जाति ना । विका कार्यमा / माहा क्षेत्र, प्रत, प्रकृत्त । इका ा क'त्त्र स्टाक प्रशिक कता क्रांबात त्वांन सामहे উচিত হয় না : (পুনরায় নেশাব্য বাদ্য অ^{চিত} শ্বব ক্রিল প্রস্থান্ত , অ্সি নিক্টিত করিয় । ই . लिलाइस्सा क्षा विक्य हेल तर्थी है। শ্রুবস্থিত প্রামান বাই গাণিত প্রা হ্রণট বা লা বার ारास ध्याक क्षेत्रका ध्राक (१, हेइस्ट ाकि १ া কথা, প্ৰসেপ্ত নিহান্ত কেশকর, বোধ হতে। 🖓 🧸 🕏 প্রতি) অসি কান্ত হও, কান্ত হও, আমি বিয় অনুরোগ করেন করতে কখনই পার্ব না पु (यगड) कि विश्वतः वाषक्रांतीतः दर्भागनः

क्या है (य किमी छ र' क जीवत है न रिम हि कि कि क नहीं के योग है कि नमा बरिया, अमन क्या किए एट है बीध न मा किया जीवत । बल नमक हम बीव के अप पार अस्तरि किया । बीक क्या बीव के अविश्व को किया कि किया । बीक क्या बीव के अविश्व को किया के किया । बीक क्या बीव के अविश्व को किया के किया । बीक

का आजान विश्वन राज्या किंग्न के कि अकने रूप

ব'ল প্রতাত হতে, প্রকাশ প্রধান তাতে বালি । উত্তার আগ্রেম থাকা করা যাক্ ভাগে ব'র এলক ব বিশ্বের যুক্তি ক্রা ম'বে।

হুলা: (কিংকি **চিন্তা ক**র্জ ভার্মান্দ্রীত সংগ্র

(फिल्लाम खर्

ভূড়ীয় নাই ক্ল

र्वा करनार प्रकारका अवस्था । विस्तृत्ति । व्यक्ति । स् राज्यकानार प्रकारका अवस्था । विस्तृति क्रिकेट

শেনি হে লাভ নিলেশ প্রকি সাল তার ভোষাৰ সেনি হে লাভ ভ হাতী শতন্ রাজাটাকে এল বে পে কেটে কেন্দ্র ভাতে ইবি কোন দেয়ি হয় না প্

िटलेश विष्ण हें हैं।) कि विक्षेत क्रिक (भागत के टिनेत क्षित्र) कि विक्षेत्र क्षित्र क

भी । कि - इरे भोगांद्र शाम । कि - तद्वार ११० गामाणां कतिला) आहे. एजांद्र वार्टि ३ १० वर्ष

है। (मटकादित सनित दिनाक्ष्म मुक्ति) व्यक्ति । नाथि। - कृष्टे धार्माद्व नाि शितिम - धार्म छ। सामाद देनपादमेन काएए निद्ध गिष्ट - दिन ।

কান। (যানির কেশাক্রণ প্রাক) ভূই কানাতে গাল বি লেশ - তোর প্রকাশ লাভিতে কিছু হয় । তুল মা। শাসাই কোরাবের কাছে ভাগ ভার শোষ বিশেল। ভিত্তে উভাগর কেশাক্ষণ প্রাক্ত এক বিশ্ব বিশ্ব

भागव रि : पित्रो तांकारावीत देशनकीत देशनकीत ।

 े ्यन्दे वो शिक्षेत्रशिक संभाजनात्व और १९८ काम्य প্রদেশ করে, আপনিত দিপা প্রায় হলেন পার ভিত্ শেষিকেও বিপদান্তত কছেম ৷ এ চিন্তা নাম ৷ প্রীপ্র তাঁৰ নিকট প্ৰভাগেষৰ কলে 🐠 💢 🤌 শ্ৰ मामाना निकास करिए । रणाहित्मक अल 👉 ८नाव করি ভাষা ভঙ্গ হরেছের । না ভঙ্গে ন মানে এপাতে या अपरात धियमनी सर्हिल कि कडर किल्लिन स्टार 'धाक्दवन): (मर्शवण्या भगटनः हैनाका हो 🙀 🏄 भारे, (किन्धिक प्रधानम् करेशा किन्सं तृष्टिकारः स्टार्गान् रेंग्। यरकात रमरोरकार्य भूमा पूनः १०६ म स अपोक्ति श्रीक शांकक्ष श्री ताब्धि, व्यक्ति बी र হটি **হও**া**র, গড়**েয়া (প্রণতাতে কিলিও চুরে প্রকাও অভিনিধা দুর্নী পুর্মক সাম্রেটাটিভা প্রয়া) -्र के कि र अ द्वारम राष्ट्राचार राष्ट्रीय मा कि ? एकिओ कारियां मी- शे.संरश दुना दमचगर्कारनम् राष्ट्रीय पर्य कारत करलम। - जो माई एडेक मेहात जिंकाते गमस কারে, ভাই ভয়ানক কাতের বিতেশ কারণ অনুসভান ার হৈ আমার পর্বভারতার কর্তব্য। • (। । नियाधिवृद्ध अभन स्वर्गान्य हैं है एक का पूर्ण भाग পূৰ্বক) এ দে দেখুছি কৈউপ্কোথায় নাই, প্ৰেৰণ ध्यक्ति कर दिनीत गरेश क्षेत्रक कियिनियो क्षेत्रक ने क श्राक,—ध जान्हर्वा वर्गाश्री स्था कि । (१६७) रकार गरह वर्षि आइस्र) यादा । दृष्टि ए र'एक आइस् र त्या के प्रमुख्य । गाई हैश हरे वक जाएन साक्षेत्र

मर्द्ध इष्टित्र भवनात नयाचे करनेका वाच ; किंक रेखाई असूर्यकांस । कारत अलागे कारते योखाः १८व मा १००

। उतार वक्षाय कार्यस्ति।

HE CONTRACTOR OF STATE OF STAT राजस्था ६०८ कि. विहास हा विकास विकास विकास विकास किर्मा ा १९ अस्तिक नांकियर वे **दिवाद क्रेमा भागि निजास** ्र अव व्याप्त र १३ विक ध क्षेकां व वंदर्गार्क केंद्री ह ्छलास्क्रम प्रश्नमूष्ट्र कथन धार्यना कवि नाहै। তেতে সীয় প্রমাণতার আহি অকুমাত, স্তান, সামার ্ৰিরপ্রশৃত্ত জন্মের পাড়কৈ **পাত্রী হ**য়ে বালি ्र का १ कि वर्षे कृति कात व्यक्त अब अब अब्रेड व्याचीत अन्यक्क मारि हिन्दु निष्ठः "**ट्राई मा**न्तेशकी निमान ः अरिक्ट्रास्य एक एक्ट्रास्थ क्षां **लब कविद्रव्यः शिमाव**रमञ्ज **स्टब्स्** িম্ব তা আমালে **যেন সেই মরকৈ** অনিবাসি ন ্ছাতে হয়। এই মাত্র প্রার্কা। জগদিশ্ব। ভাগ খাত্র ेराक दक्रम, खरे । स्वमांत्रं स्वभागंत्रं एनह असम्बद्धे . होशा १ लेखिक छ ८५ विनीम इ. हेक 🕍 🤇 निर्ध । नेश्चाम ाता पूर्वक कन्त्रमा) वेषाकु भागावरि, लिङ् हिन्हीं द ি অংশার অভঃতব্যদ**য় হল্ট, ভাতার উপ**র এই বিবন ুলোশক উপস্থিত বন্ধন যুদ্ধনা আর **আনা**র বহা **হয়**তা ৰ क्षाताम्। भाषाः इत्रहे संस्कद्धाः बागादक अक्रा क्ष मुक्तान रहा । के रुक्ता, प्राप्ति धरेनरकृष्ट वा जुरुछा। ८ केर के विकास विकास एएड इस केरे हैं।

শীর্ষ্ট (মডেশরে গাতোপান প্রিফ : স্নাপতি : সৈন্যদল নহ রাজপথে হুমার্কিত হত, আমান থারো করিবার কার নিলম্ব নাই :

েছ। যে আৰু বহারাজ

29 M (4)

প্রতি মার্ক কিন্তু ক মধ্যার ব হতে এক জন।

কর্মকেনীত প্রতিবল ব

মন্ত্রী। (নেশি দেবাইয়া) মহার্ক তাপেনা সাংস্কান্ নারে এই নি " প্রস্তুত্ত কাপ্রতালা না প্রাণ্যুর করিটে শাস্তা হলৈন। (রাজনি হতে নিশি জারীন ই

লীর্ছ। (নিলি জন্পনিত্র সম্বাক্তি নারিখ নি, এই প্রতিটি শক্তবাত যেন দীয়ে পের্টিছে, বিশাস নি লান (ছুট্ডেন হল্ডে লিপি প্রধান)

ূত্ত । ব লিংপ তাহ্ব করিয়া । নে আজেন বালিখার । ব গ্রেমার

নির্মান প্রতি । সঞ্জান বিভিন্ন আমি । প্রকাশের নির্মিক আমি ।

কেবার আদেশ প্রত্যে গ্রম ক্রেলন, ছুমি এফংগ সভা ।

তথ্য করির গ্রমান করিব প্রামান

यखी। त्य बाळा महाहः व :

् भवश्मात अस्ति। ।

The Course

रिजीव शक्त है :

ं भंकात नगर--राज्यभित्र श्रे भाकान :

्यान प्रयोग वर्ष गर निरम्, क्रम भूग स्टब्स

মতা ৮ (দীর্ঘনিংশার পরিভাগে পরিভাগে পরিভাগে তেওঁ বন্ধ বিদ্যালয় কিন্তুল নাগালনে ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত তেওঁ ক্ষান্ত ক

ি ক্রিট্রা — প্রাঞ্জা

े विकि स्था किए एक्कि जीवा. जन अधिका व्यक्तिको प्राप्त श्रीम

ें दलन १ का कान- कि ।

ভাগ্রার হউক। (যশোবন্ত বিচ্ছের নিকট উপৰেশন ও শুঅল মুক্ত করণে উদ্যত)

इव वृष् ७ कव्रत भूना अत्नम ।

্ছ। (ছত্র প্রতি) দেখ লি কে কাট্বে?

ছ্ছ্ৰ * কাট্ছুট্ট: আনি আবার এবারে ছুটো ভিন্ত কৰ टमरथ त्रांका स'रत बान्हि, जरन निरम्हे काहित्हा, १ हास भागितक **अक्टोंश** काउँ एक स्मर्ता में 1. ई वास्त्रुवार के ইয়াবতীকে শুখাল যুক্ত করিলে নেলিয়া বিছয় ক্রিড च्हांत्र दम्य २ दक अकंग्रे: दमदत मानुस ७११ चा 🗐 🥫 পুজোর শৈকল খুল চে।

কুত্র। **তাইত**া

ছে ৷ ইন্বেনীর প্রতি) ঐ তুই কে 🕫

हेत्रः धाम एडाएनत यम ।

ছতু। কি বলি। (সগর্বের /

ইয়া৷ প্ৰবৃত্ত বৃত্ত বন্ধন , খুল্প না ভালিলে মুক্ত ব कता यहित मा (मश्कि। जीकाई जाई) निकास मिक्तीक े रूब, बाब जाश तमां पाराच मा। - (महक्षांदक्रः औ গড়েবাধান করিয়া বাজকুলার দলোহত চিংচাইর লে 🤟 🦋 পথ । আৰু বিশেষ করা ভাতিত হল 🤭 🗁 ্ পঞ্জ 🦠 के. अष्ट्रिक यान प्रशास्त्री वर्गात तसारका किंद्रिक्तः :

বয়। (ছয় এছ ভিন্ন আনি) পরে ইকে দেকো, সর ক্রি। कार कर्क

अस्टब यकत्व (में हार्युक्त) मा द ए ७ छ उर्हे ।

কর্তা হয় **প্রথে**শ ৷

महा कि शाह है ता ?

क्क्रा (तामकः ति। एक अन्योतः काता नि सम् किए।) ब्रोडी टन्थ नरा

াছ। তেজকুমারীকে দেখিয়া হছন প্রতি চিদ্ধারে আবারত কি তাতেগ ছলে ধনেই শিগুলির শিগ্রার তেজ

্রি (। জন প্রবি) কি কল্পি, পাপানা শিশাচা (অগ্রন হইয়া অসি দেখইয়া) আয়, আমাব এই অসিতে আজ তোদের পিশাচ দেহ হ'তে মূক্ত করি। মন্ত্র (সস্ব্যক্তে) হুছু দেরি কশিসনে, এগো আর সয় না,

> (ছুত্র সাইত রাজকুমারী ই বৈতীর চোলতর মুখ। হুত্র পাতন মৃত্যু ।)

সহ। (জ্ত্র পাতন দেখিয়া বুজুর প্রতি) দাঁড়ায়ে । কারে ে দেখাচিদ্কি: তোরাও এগোঃ।

(বুছ ও কন্ত অগ্রানর হইন সুনলায় ইরাবভীর সহিত মুক্ত ও বুছর শক্ষা ; কছু ও শতুর পালায়ন।)

ইমান (এ গততঃ দৃষ্টিপাক করিয়া করু ও সতুর পশ্চানা নিনী হ হতে উদ্যুত হইরা। সুরাজা চন্দালেরা লোখায় প্রায়ন করাব। অন্দ্র আরে আরু রক্ষা নাই কলে হউক, হলে হউক হেখানে হউক না কেন, যে ছানে পলারন কর্মা। কেই ছাকে গিলে লাদের প্রান্থ কর্ম কর্ম। কেই ছাকে গিলে লাদের করব, এই আমার দৃঢ় প্রতিজ্ঞা। এই কেন্দের পশ্চাকা।মিনী হলেম।

(अरू निक् निया अंडोन

ত তার দিক দিয়া বনপুলোর মালা চত্তে মনি গ কনির পুনঃ প্রাবেশ।

তি। (ভূমে পতিত মৃত কছ্ ও রুদ্র শিকটে বাইনা নতশিরে মৃত দেহৰয়ের প্রতি দৃষ্টিপাত প্রকি ! ৮০৭ দেখ্। দেখ্টি এ যে আমাদের দেখনেকের কে একেশারে পুজো ক'রে ফেলেচে।

মান। (অগ্রসর ইইয়া হুদ্র গাত্র আন্দোলন ও জন্মন । পূর্বকৈ) তাহা। কি জেকে ক'রেই বেলে করেছে, এক কোপেই পূজো করে সেলেনে। (দলম্পাব মুধাবলোকন ও জন্মন।)

চুকুট হীৰ মন্তক ও আলুলায়িত কেশে গ্ৰন্থ দুগালী ইয়াবভীন

াুনঃ প্রবেশ।

কনি। (রাজক্নারীর ভ্যানক দৃশ্য দেখিয়া সনির ভ্যাতি)
ভরে। এ হয় তো শেই অভিণ দেব। এমানে প্রো
অম হরেচে বলে রাগ ক'রে আগুল থেকে বেরিরে
এমেচে, জোয়ানদেব তো গ্রো ক'রে থেরেচে, এসন
আমাদের ৪'ে প্রে। ক'রে থাবে বলে বেড্ডিচ। চল
পালাই।

যনি । ঠিব কথা প্রিচিদ্, খাত্তন রাজ আছাতে পিরে।

रेश्वरही । छर्

कें भेर भिक् निहा "निक अ अभाव निक् निहा रहिया अलाहम)

लनित कंगोकर्षण शूर्तक क्रूबाडी केन्द्र्विशी। लाटवन ।

- ক্ষিণ (ফনির প্রতি) ওরে পাপীয়দি। পিশাচি। ক্রাহত্যক কারিণি। রাশকুমারীকে বয় ক'রে কোনায় লোক কর্বি । এই তোর মুগু চেছদন কল্লেম। । ফনির গলায় অদি প্রহার, ফনির পতন ও মুহা)
 - ইপ। (রাজকুমারীকে দর্শন ব্রিয়া বিদাৎ পুজুর চিত্তে।

 এই যে রাজকুমারী এই শানেই সকলে আছেন। আঃ
 বাঁচলেম—আমার গ্রত দেহে জীলন প্রাপ্ত হলেম।
 (রাজকুমারীর প্রতি) রাজকুমারি। আমার আছার

 সারে কি আপনার এই কাজ ?
 - ইয়া প্রিক্সথি! নিশেক চিতে আনন্দেনি করুন। ছুছে প্রতি গ্রত দেহ দেখাইয়া। আমি এই জুল্লার এবং ক'রে (বশোবস্ত সিংহে। প্রতি অস্তৃতি প্রিশ পূর্বক) এই সুবকেন্ন প্রাণ্ড করেছি।
 - ইন্দু। (আশ্চাগান্বিতা হ'ংগ্ন) উঃ রাজকুমারিং। আপ্টার কি অদ্বিতীয় শিক্রম, নিরাপদে এই সকল বিকটাক। শক্ত বধ ক'লে এই অপ্যায়র প্রাণ রক্ষা ক্রেছেন গ্রনা বনা সাপনার অক্র-ধারণ।
- ইরা। শিশ্সথি। আপনি মৰোম ধ্য বিশ্বাস করেন আমা-নো প্রশাসিত অসির নিবা কথন কোন পশুর্থ ব্যক্তিদের শলি এম লাকে রাফে সমর্থ হবে না। কিন্তু

না কি করি, অত্যন্ত দৃঢ় শৃত্যলে নির্দ্ধনের ত্রন করেছে; দংসা মুক্ত হর্তে পাচিচ না।

- हैंग्र्री। त्रांखक्शाति ! एष्थ्न तक्ष्मी श्रांचार ३८% ए. १९०० रामकात नाहे, अक्षर्ण एक्ष्रान्त अम्बर्गन निर्मित्री ६०० अभारमत मृष्टिर्शाष्ट्रत इत्य याद्या अन्यस्यन च ५० १९०० वर्ग हें हात वक्ष्म मूळ् कर्या शादा ; आस्त्र १८० १८० १८० १८० मात् । (केंच्या यात्रांचार क्षित्र वर्षा मृद्धकार विकास मूळ्कार नाहित्र ।
- ইবা নিশোজ সিংহবে অভেজন দেখিয়া ব্যব্যার) ।
 প্রিয়প্তি । একি । এচি । ইঁশাকে যে মৃতপ্রাণ বাধ্
 হক্তে । তাৰ কি আমাদের অগোচরে যনসমাজ এঁনী ।
 নকট দুল প্রোপ করেছিলেন ? আহা ! আমার ।
 পান্ধুয়ে গৃত এলেত কথনই এ বুলা পুরুষের কীলন এগাল
 হবণ কণ্ডে দিতেম না।
- উদ্ধানি সিংহের শৃথাল মুক্ত করিল। এর বুলারি। কেন অসলল চিতা কর্চেন; এই যে এর নিশাল প্রামা কচেচ, একাণে কণেক ভানা করা হী বাক্ আহন—বোগ করি এই কুলছে রেশ ও ই কুলাহ বিদ্যাল পরীর প্রামানী হওয়াতে প্রিক্তি
- ্তৰো (মৃদ্ধা ভাষে বাদক্ষারাদিগতে দুটে, পরে উল-স্থি বিশ্ব কবিরা দীর্ঘনিংখাদ । বিদ্যাগ প্রক্ত । তীবন-শীবি ৷ এই হতভাগা কাংগর হাবে জীবন লাভ ক' ভিত্তীব্যের নিমিত কৃত জক' পাশে গোলে হ'ল

ইন্দু । মহাশার হাত হতন আইপনার যে কট হচেচ দেখ্তি এক্তে অলপে পরিচয়ের সময় নয়, অত্যে সম্যাধ অভ্যেইটন।

. जान शिक्या श्रीतना ।

দৈনা। (অনতিদুরে রাজকুমারীদিগকে দর্শন করিয়া।
দার্ঘনিংখাদ পরিত্যাগ করত শ্বগতঃ । বাঁচনের পরিত্রা এতক্ষণে ক্ষল হ'ব। । বাংলালালালালি
দিগের নিকটবর্তী হইয়। ক্লেমাড়ে রাজের ক্লিড়েল ক্লা সমস্ত লাগি হ'লে আমাড়ে লেই ক্লাড়েল নাদের অব্যেশে ভ্রণা কর্চি। ক্লেম্ড আমাড়েল ভভাদৃষ্ট বশতঃ জাভিদুরে যে ছা তুলীকে আৰ্ছ দেশে বনের লংখা এবেল ক'রে, আপন্টালের ক্লিড়

ইরা। দেখা একনে তো আমাদের সহিত দাকাও হ'ব।

ভাষার আন চিন্তার প্রয়োজন করে না বন

আনুষ্ক হয়ে, বিজ্ঞান ঘোটকন্বয় আবদ্ধ করে

সেনি স্থানে আমাদের নিমিত্ত ক্ষণেক অলেক। কর

তা একই ইহাল্লা কিলিও প্রস্থ হইলেই আমরা ভাতি
শীল্ল বেনি হ'তে গ্রুম বিরুষ্

সৈনা যে প্রা প্রা প্রিত অগ্রের হইয়া সগত) এই জনাশুল করণা মধ্যে কোথা হ'তে এ বুবা প্রাণ এনে উপস্থিত হলেতেন, হ' বি ছুটা ডিন্টা কলাকার মূত কি দেন্দ পতিত রনেতে দেখ্টি, কেনই বা রাজকুমারীর্ ইন্ড জালা কর্চেন গ (চিত্রা কনিয়া) ধাই হউক এখন ঘাই রাজকুমারী থাছা অমুমতি কলোন তাই করিগেন পরে অবশাই ইহার রভান্ত অবগড় হ'তে • পারব।

ইরা। প্রিয়স্থি। এঁকে শিবিরে দায়ে গিয়ে শুজার। া কল্যে হস্ত হণ্যনর এছানে স্বার কোন উপায় দেখ

ইন্। রাজকুমারী। সেই উক্ত প্রামন্। (গলৈবন্ত সিংহের প্রতি) মহাশ্র। এই জন্য হধ্যে জাপনাকে হস্থ করণের সকল উপকরণের অভাব আরু আপনিক অত্যন্ত রূপ হয়েছেন, বল্তে ভর্বা হয়্যা কিন্তু ত গভিদুরে আলানের শিবির স্থাপিত আলে টুলি ক্ষুক্ত প্রবিক কিঞ্চিৎ ক্ট বীকার ক্রেন্ড। হ্রেল্ল আমরা ক্তার্থ চ্ই।

যালা। (চিন্তা করিয়া) আননারা ও হতজালোর প্রতি যে অলোকিক কুপা বিতরণ করেছেন ভাচে আনি নম্পূর্ণ স্থায় ও সবল হয়েচি, একণে আনার ভালতা জন্ম উত্তলা হবেন না, আর আপনাচেব সম্ভিক্যাহাদে গম্পু নেও আমার কিছুমাত্র কই হবে না।

ইন্দু। তবে গাঁঘোলান করন। । যশো। হাঁ—তবে চলন।

্মকদেৰ প্ৰশ্ব ৷

দিতার এক

প্রথম গভাঙ্গ ।

काटकाकनभार -- त्रांकम हं।

া রাজ, দীর্মকুল ও সন্ত্রী জানীন, গুণ ও প্রভিছালী বঙার্থনি ।
দীল ৷ (বাগান্ধ ছইয়া দূতেই প্রভি) এল বে ভাষার ফাল
কার মধ্যে শিনিও স্থাপন এটা অমিনেরেল প্রস্কার
বিশ্বকালী প্রে ভাষানক মত্যোগার জারন্ত স্কার্মি এই
সংবাদ এটাকণ কি জানা কেন্দ্র হয় নি ভ

শীর্ঘ বানা পুদ্ধকনের নাখ্য কি এক জন ও জীবিত নাই।

পূত মহারাজ পাখাতে যে একে নি নটনার সংবাদ

দিলেকে, নেই প্রীলোক ভিন্ন ১০ কেইই জাবিত

স্থীর্য। ভবে কি অগ্নিদেবের,বৈদি একনে অরক্ষিত ?

ৰুত। মহারাজ। এহ বশ্জঃ 🚤 🤉

দীর্্। শীশ্র োনাপতিকে দংবাদ দাও।

স্ত। • রাজাজা শিরোধার্য।

(et = .)

নীর্ব। (মন্ত্রীর প্রতি) কি! তাদের এত তুর শেলা, তার কি জানে না যে, আমার রাজ্য নমন্ত পুথি নি হমানেশ স্বরূপ। আমার নাম প্রবাশ নিম্নাতা ও তাশিকা হন; তারা কি মনে করেছে ক্রিণর গেলতা নরংগাংকে বধ ক'রে এতদুর ক্রেল্ড নিগতে নে এখন পর্যান্ত পলায়ন না ক'রে, নাহত হ'লে শিনিত স্থাপন করে রয়েছে। প্রমার আর্টেণের প্রাথ হানি কলেছে—এখনি জার বিশেষ শাহিত নিমিত্র-স্থাণ করে।

मृत वह काल किय क्षाराना

পেনা। (নিচাপ্তালি গ্রেটি) বিশোল আনুন্দর্যাণ নামের বাজানব প্রশাস অবগত যে বিশোল অনুনদ্ধাণ নামের লালা কাল নাম এটা, কোবল ছালি জীলোকা অনি আনুন্দাণ শালার নিমিত্ত গালোকালা কালা হলেছিল, কেই হ্যাইল, লাল কাতকভানি সামানা কোনা শিকিরে আছে । কিন্তু উর্বাদ কোর মধ্যে একটি জীলোকের জারাপ ভারানিক বিজ্ঞান কোনোকর পূজার হানিকালে ছালে ভ্রম্বাদন প্রাণ . F. P.

नीचं। उद्य कि अना (नेडे श्रीवन नजन्दरंत बढले कार्य देशके कर एक विलम्भ ६८% र ্যেনা। মহারাজ পাহাদের ইত কর্ণনের দি মিন্ত নৈন্দি शत्न यांग हरेल उपल्याय राप जिल्हा, जेकल কেবল আগনাৰ অনুমতি : প্ৰতীশা কর্তে : होर्च (प्रकृति अपि) मुखी । स्वागितमायुक अपूक्त र राजिया है ् कांद्रक्राम्य वर्ष कांद्रगात झना चारणत हता । अस्य अकार १ ्रिहास खेरहेह ; जारनत तक्क नाय नम् मानी म न वि ्रिक्ट्राडरे ट्यालानल निकान १५८० व के ए मार् অভ্যাত্তৰ ভোষাৰ সহিত স্থিতিত করণা কণিবাদ वात मगर मारे, छेनकिए विस्तान एन एते व कलना चारक भीज वन, निसम र है। মন্ত্রী। মহারাজ। প্রাপ্তানিগাক মুক্ত প্রান্ত নিমিত এক থানি কিশা কেশা কথা কটক, পুৰুষ্ ধূৰ্ত্ততা **প্ৰক**াশ হ'বে शर्व । एर एक स्मान अधियस खर्था । दिन र र ११ गति । (प्राक्तांतीत्र सावित तस्य कृति विद्या पर्या हो ्रात्रा प्रविद्यालय अल्ला अल्लाक, मञ्जू गोर्कः व ा चराम लिल किन्छ। यो कर बन वन, अहे मरण्डे अहे

्र वाक्ष्य कार्यक्र कृत्य ।

(河西河)

লেন। মহারাত। নকরে হারতে। অসি কেথাইনা) আবাহ মান বাকেত লেনে অভিনয় বার হারতে।

াসভ কলা চু মনি ধর করানশাগতি নিন্দর রাজ গলি কাছে করিছে পিতৃন ।
লাইবে মুম্বোক জালি প্রক্রিবারী এই প্রতি,
বলি প্রতি সকলাবী এলি সেধি জন্মতি

नहीं। (त्रज़ीत अकतम्बर्ग) भाषा। कि समूत्र मुक्रीक । आवा क्', किंक्ष्य हार म्म बटने कि कामान व्यक्तिन तम ध्रांतिकालाचे करता ५३ राष्ट्राप्त १,४० विकासार हूं। क्षेष्णभाग केटन हा. परंतु १७ कृति एकि । ज्ञान ए'न मार्य क्यांनी हेन्द्रण अहर एक भट्ट উদ্যাহে কত এত নিবৰ নিহাৰ আৰক্ষি তেওঁৰ **নিৰ্**শ্ ত त्त्री व्योगाद एक भीतः छेमस्ति २०६ ५००६के स भक्ता नखना हा उत्तर वस वाहे। फिला भवित हैं भी। उ: क्यांती रिश्राति । ता क्षा क्षा वनस् वाकान क्षा करें । 。 倒物的 更大性美國 网络人工品 经股份 不明点 शहर यानि करार का राज अल्लाहरू, जो शहरी हिंद्राक्त विकास के एके एता गाँउ अमेर गाँउट समाना कि अकि अ अवि १ % वर्षा कि के कि ब्रह्में व करता है। कि ामान पार्वके एमकिन एमकिन ए एम है। राज्यहे तुर्होत । प्रापृत्तिम अस्त्रातिः शुक्रातः । । १००० । তে, সামতে বিপ্তৰ ভাজন জ্যাত । প্ৰ ेर्विकातीयाः वालिकः 🏙 है।) वर्षि । स्विकारिः े द्वा नवादन पति। कि प्राद्धी जात एर अस् किन् ं है है है इस्तर्ध) त्वांव इति बोक्स अंतिद्वास हमाना

्रमंब भरताम काम एक्ट्रा । ात विश्वित्री लहा निर्मा र्क मर्काः प्रतिव ः विष्टिर्णः एक विश्वितः एकान জিলেন ভাকে প্ৰকাশ আছে প্ৰভাট দেশভিৰুৰে গ্ৰাম ক্ষাব্যা, কিন্তু এই কাশটো প্ৰভাগেমন করা Works THERE I SEE TO

लिक्सरीत बहरण

स्ट्री (अपन्यक्ति । व्यक्ति । व्यक्ति । ्रिक्त मानुदर्भाः, जानमाः निकटे अक् वस अले । अन ्र करताकृत, केला तस १० ४मा १० १५ मा व्यक्ति ें कार्यां में में किस में किस के महीता, हार्ड भारे, नात भारी

新年1、18 X 18 10 人工到底

11. 11 7 35 भर्दे । १ महाकुर गर्ने बीक्स रहे जरहर होत्र । ५ एक १ किए पह ्रिव्यवार्षिक देवान कामग्रीहरू में भारत ने । (किए) ी. रास्ट भारत । विवर्गक्षाहा भारती का विवयन े बोहेना छिलाएक ग्रंब बोहरू १३६ मीर्भ १८१२ में शक्तिलाय ं करती सारिक अस्मिति के सामिति के सामिति।

Dentante अगरकत में के बोर क्षांबर खुक्क और कि की है है। 5.0 (carta 对所之) 所有更相目 (中国研究) (मेल्ला) मेश्रामा स्वामान प्रामित प्रामित स्वामा प्रामित । (\$ 10° 国南美国的C中海内内市等的市场。 ें के अपने के करें। जाति । अपने के प्रतिक भीति । के कि के कि

ক্ৰিবৰ নিমিত আমার এই অসিতে অবিভূত

্ষা। ক তথ সত্ত্ব। জাপনি কৈ সহনা আ । ই প্রি ভা সংগ্রাক হার্নির আপুনি কি প্রকৃত। ইন ্থাবিত। ইরাক না বহালয়, আবি ও ক্রম ব্যামা গোলে। ই প্রে। বিশা । (আন্দর্যা হইয়া) কি ত্রী

ইয়াও মহাশ্রা - আমি ক্লীলোক কা নহাত

The state of the s

ুর্বালো। তেনে। শর্ত শত নিক্রাধনের অসি ০ / ছুলেলুর্বালে। তেনে। শর্ত শত নিক্রাক্রানের অসি ০ / ছুলেলক্রানে। হয়ে কি ইহানের সনির সন্মুখীনা ইলিজ লা
ক্রানে। হয়ে কি ইহানের সনির সন্মুখীনা ইলিজ লা
ক্রানের ক্রানের আগনি এ লাগ বিভিত্ত ব্যক্তির ক্রানের ফলার
ক্রানের ক্রানের আগনি এ লাগ বিভিত্ত ব্যক্তির ক্রানের ফলার
ক্রানের ক্রানের ক্রানের ক্রানের ক্রানের ক্রানের ক্রানের
ক্রানের ক্রানির ক

🎼 🖾 श्रीनामम रहण्ये. बर्गाट, भीच Col (a) श्रीरभव चन 🔭

্রিলা বন্ধ হার নরক কুতে এনম কলি হাতে জালাত জাপনি আমার নিষিত্ত পিশাচ শক্তে বাবন পাতি হাও লকারে আমাকে স্ত্রীষ্ট্যা-পাপের ভাগা কাবেন ন

ইরা (শিগকো) মহাশর প্রাপনার কাবন রকা কিছা আপর জীবন মশিকারী নুখনই এখনি হতে বিমুধ বিশ্বনার জাই আমিদ্ধ দুল প্রতিজ্ঞান ভাই বাপনার প্রথম গড়ে কবি, আমার বিপ্রেলনেক কৈ ধার পাছে নের সংখ্যাস এ দ প্রকরে। বা ভারারা করা বিশস হ'ল মার্কার নালির ভারাহাতে, যে বিশিন্তলমেশ করেন ভিলেন ভাতে প্রকাশ আছে প্রভাতি দেশাভিষ্থার ব্যাহ কিলে কিলে এর মান্তে প্রভাগমন করা

्रा हा विकास के विकास

প্রতি । (এশু ম ্কাক - । ক্রার্ড রেশগড় - গাঁচের া নালা দৌল্বলাং কাপনাং নিকট এক জন সভ প্রতি সংখ্যাত্ন উদাধনের ও জন্ম সংগ্রান্ত নাছে,

मही के जिसे मान भाग करते करते हैं। अपन के प्राचीन मान स्वास करते

图 第 2 1

মই । বিশ্বতা নির্বালা কৌল্ডিল কোন কি কাই কিট সত ক্রেরাশের কোনে কার্যালাকে কি কাই কিলেক কিন্তু ক্রিয়া কিলেক সংখ্যালাক কিছি কিলেক কাই ছালেক ইয়াই বিলোগ নির্বালিক ক্রেকিলাকে ক্রেকিলাক বিশ্বতালাক ক্রেরিটা নির্বালিক ক্রেকিলাকে ক্রেকিলাক

्रामणण (गाउन प्रजार शाकर बोकर बोक्स भीता है। वस । (त्यापा प्रजार) त्यापा क्रमां का कालकार क्रिक्ट व्यापा क्रिक्ट व्यापा कालकार क्रापा कालकार क्रिक्ट व्यापा कालकार क्रापा कालकार क्रिक्ट व्यापा कालकार क्रिक्ट व्यापा क्रिक्ट व्यापा क्रिक क्रिक्ट व्यापा कालकार क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रापा कालकार क्रिक क्रापा क्रिक कविक्रित निविक किमोर्ज और अगिए अविक्रिक

সাধা। কিতিৰ সংগ্ৰা আপিনি কৈ সহসা আ হৈ নিত-তথ্য বাং লাহলিক আপিনি কি প্ৰকৃত ইন ্থাবিত ইয়া দেন না মহাপ্র, জানি এ কটন সাম্পন। প্রালেন্ত থাকে । বিশোলি (আপিট্রা ছইয়া) কি ত্রী

र्शा। मद्राम्य । - अभि जीत्माक के अपन

ाता. के विज्ञधातिनी के शाक

... BYTHEAD

· 5 1

বিশোন ভালে। শতিশিত গীরপুরুষদেব অসি ৫০ জালার ক্রিক অবির নিকট প্রিকিট্র গিলার স্থিতি নিকেছিল, ক্রিকা ক্রিকা গ্রেম কি ইহালের স্থিতি গুলুবালা হাঁলে প্রা ক্রিকা গ্রেম আপুনি ও স্প্রিচিত ব্যক্তির স্থাবন রফার গারভা ছার গাঁয় জীবন নাশ হ লগতে কার্লা হাল্যা ক্রেকো নিকাৰ স্থান ক্রিকা ক্রেকা মালাব মুকা ফাঁলি নিকাৰ জাপুনা ক্রিক ক্রেকা ঘটি, আপুনি প্রিকার ক্রেম নিকার হালা প্রায়ন ক্রেম নচেত ক্রিম ভো জ প্রানের হলা প্রায়ন ক্রেম নচেত ক্রিম ভো জ প্রানের হলা আপুনি আমার নিমিন্ত প্রিকার প্রিকার ক্রিম ক্রিম ন

ইরা (বাগতের) মহাশণ: লাগনার জীবন রকা বিন্ধা আনহ জীবন মাশ ব্যতী নুখনই এখান হতে বিমুধ এব না, এই আমার দু প্রতিজ্ঞান আই লাগনার ামাল ইক কবি, জামার বিপক্ষে-কে কৈ ধারা আছে তি (প্রিলাণত সিংহেরক্টাইনাদ তেপি রম্প্রির দ্রাইর ইংগ প্রালাবর মালোবভাকে পাউড দুইে আনির্বাই ভিত ভাবে) আনাবার কি ভব নীক দুগা। বিশ্বাক ত কিলে ভাবে কি ক্রিলা করিছা এমন রূপ তেল কথন স্থিপালের ক্রিলা নাই; নিঠার আন্তর্ভাই একই ব বারবে? কি স্বস্তি হেকেড বলি।) ভাতক ইনি হলনা ভাবের দ্রিপাণে আল্লা নালন যা লাল নেতাই বন ক্রিলাল আল্লা লাল বিল্লা কিলে জিলা প্রালাক বিলা জিলালিব পেন্তব হল প্রাণাহার জীবন বন্ধা ক্রিলালিব কথাইন পদার্শ কর্ম নাল

শেশ করে শাস্ত কেলিত করিয়া নাজত্মনীর করে করে করিছে নাজত্মনীর করে করিছে করিছে নাজত্মনীর করে করিছে করে করিছে করে করিছে করিছে করে করিছে করে করিছে করে করিছে করে করিছে করেছে কনে

हैंगा। (यहणास्त्र निकास स्थापित खार्च पुन्नक्)? पर्यामस स्थापनादक शूनक्रकीरिंग क्रम्म, त्यांबः द्विकि संबक्तिक्रीर मानुसारक शिलाध्याम श्रीहरू संख्या पूर्व । बाक्यूम त । ब्लंबन कल्पन ह सहाब्राक द्योगर दाव प्यन-গ্ৰ হয়েছেন গে, তাঁর মাজ্যবন্ধায় আপনার পিতা রাখা নেঘরাজ সিংহ ম**হারাজের দেশের রাজা** ভ্রান্থৰ अधिक प्राक्तमन क'त्यं भवरतम निस्म अर्लक ভার পঞ্চমবর্ষীয়া কন্যা তুমারা ইন্দুমতীকে শ্বস্তাজ্যে আল্যন করেছিলেম। ঐ কমারী আপনার পিতার অবর্তমানেও আপনার অধীনে বিরাজিতা; মহারাজ দৌলৎরায় এক্ষণে বয়ঃগ্রাপ্তি সহকারে স্বাধীনত লাভ ফ'রে, দেশগভ নগরের অবিতীয় রাজপদে প্রতিষ্ঠিত গু, হছেন 🔻 কান্দেশের নিয়ম, সে বন্ধর কেন্দ্র বর্ণ-বিকারী না থাকে, তাহা স্বানান রাজার হস্তে রফিত হয়ে পাকে। বুমারী ইন্তুলন্তী দেশগড় নগরে জন্ম-্রতন ক্রেভেন, মহারাজ দৌল্ৎরাধের হস্তেই রক্ষিতা ধ্বন: অতএব কুমারীকে আমার সমস্তিন্যাংগনে শেরণ ক'রে, আপনার রাজ্যের শান্তি রক্ষা করুন ; মতবা ছোরতর সংগ্রাম হওনের সম্ভাবনা।

মটা (প্রতিহারীর প্রতি) প্রতিহারি। শীম গিরে মন্ত্রী
ক্রাশরকে আমার প্রণাম জানাও, আর কণেকের
জন্য খানি তাঁকে এই খানেই আহ্বান কল্যেম বল •
প্রতি। যে আছ্বা।

ি প্রকান।)*

নহা। (দুতের প্রক্তি) শোন দৃত : সংগ্রাম তো রাজ ব শীয়দের স্বভাব-সিদ্ধ কার্যা; এ প্রস্তাবে স্মানি স্থিতি শিল্প দক্ষেব লাভ কলোম, বিশ্ব কুমারী ইন্মতীর প্রায় গোলাং নার্যের লাল্যা করা অত্যন্ত প্রশাপ হারতে ও অনুষ্ঠানটি জাঁর স্বপ্ন ব্যুক্তান্ত বর্ণনার নাল প্রকাশ বা হরেছে, ইন্দিয় হথের আশায়ে উদ্যন্ত নার যে প্রাক্তী বিবেচনা না ক'রে এরপে প্রস্থ করায় তার জিহ্বাকে পঞ্চিত করা হয়েছে।

পুত। রাজকুমার। আপনার বাটীর অন্তর্গত উদ্যানে বতা য়দান হয়ে, যতই কেন ক্ষমতা প্রকাশ করুন না, বত কেদ মহারাজ দৌল্ৎবায়ের প্রতি কুংদা বাক थारानि कराम ना, जारक महाताल क्लीन ब्लास्ट्रव की বের কিছু মাত্র হানি হ'তে পারে না; কিন্তু আগ মার বিশেন প্র**নিধান ক'রে** দেব কর্তব্য ে, কুরারি ইন্ট্রমতীকে এদান পূর্বক সন্ধি স্থাপন হ গ্রাশান্তি ্ ক্ল, নতুৰা মহারাজ দৌলং ক্লায়ের তে নাপ বল বিক্রং ्रं **७ ट्रेनना मध्या ध्यामि विस्मय** शकुमन्ना**रन** ध्रीर অবগত অগতি, সম্মুখ সুদ্ধ কথনই আপনি মহার্ট र्तानकारवय नयञ्चा रटवन मा, यूर्व कावूछ क् ं मार्किर, त्याशनात जाना दिन निम स्टन, कार्याना इक्निश्राम स्था, अधीन हा जीनात कत्त इत ध्वदः अक्त्मध तिनदात घाता क्याती रेक्ट्रम्की ह मर क्षान (मोल श्राहित क्यार) श्रमान श्रक्क मृक्षि अह ক'রে লাখবতা জীরার কর্তে হরে ৷ কৃত পুত মর্ ा प्रतिय शक्षाक छ बाक्षा प्रदेशस्त्रा वृद्धाक दर्भ गश्जारः अन्त, अन्तरम अस्मराध्य सारम स्टा,राक्ता दर

দোর্গত প্রতাপ কি আপনি প্রতিরোধ কর্তে সনর্প कर्णन ?--कथनदि ना । जाककृत्राज्ञा यथेन नहाजाक দে। ত্রহার আপনার সহিত যুদ্ধে প্রস্ত হবেন, গণন ভাপনাকে বন্ধনান্তার জীবন রক্ষার নিমিত্ত কুমারি देन् मछीटक नहां बाज ट्लीन एवा द्वार प्राप्त प्राप्त छे भए छी-কন দিয়ে যৎপরোনান্তি হাস্যাম্পার হ'তে হবে, তথন এই ন'ঘান্য দুতের পরাপর্শ জন্মাহ্য ক'ের সন্ধি প্রস্তাবে অসমত হওয়ার নিমিত্ত শিশেষ শকুতাপ করুতে হবে। বিশেষ**না কক্ষন, আ**পনার রাট্ন্যের প্রতি, কিরা পাপনার স্বাধীনতার প্রতি, হহমেতা দৌলংরাদের किइमाज लका नाहे, जांत्र मामूर्त सका क्यांती हेल-মতীর প্রতি, অতএব যদি আপান নিকাট্ট আছা रगोद्रत न कात निमिष्ठ कूगादीह कांचा शांत्रज्यात ए ক'রে, মহাবাল দৌলংকারের কোলাকল ইন্মানুর্বের 'প্রাবেশ করেন, ভা হ'লে আপনান নিভাও কুন্তি ভি.: আর কিছুই একাশ পাবে না ; এলতা মহারাজ বেহি-नदरात जातमात धिक्रि मन्त्रूर्ग माकिए धाराण करत. শ্লীমাকে প্রেরণ করেছেন; জখনও বলুন কুনারী ইন্দুমতী প্রদানে সমত কি অসমত ? প্রথমও অনুধা-বন কঞ্জন, সপ্তাহ দিংশ কিছা এক পাণ্য পর্যান্ত মনো-নিবেশ ক'রে দেখুন তথাত সন্ধি আহণে কথনই অস-

ু দুত। তোরাদের মহারাজের কি এত দৃল পর্যান্ত বেদিগমা হলেনে, যে শামার রাজের প্রতি, বিশা

্ৰাতি প্ৰকাশ কুরুবেন না।

शोर स्टात अपि बाक्सरन का उत्ता विश्व हरेक बारें हैं कामान की विराज्यती ्यांनी दे समाविक तालें ক্রিরের ন্যায় তার নিকট প্রের ব্রব !— এ তেন্নার মহারাজের অভান্ত ছুর্মাতি ললতে ন্বে। আলুগোরতে ে গৰিবিত হ খ হিভাহিত বিবেচনা শ্ন্য । स्टिस्टिम (एथ्চि। তুমারী ইন্মতীর প্রতি তোমার প্রভুর लका रूप्टानत (राम कार्र्स (टा एम्या मार्क्स ना , यन-র্থব তাঁর জোবান্য উদ্ধাপ্ত হওনের কান্ত্রণ কি গুড়েবে তিনি যে এক অন্ধক বারণ দশটিয়াছেন্ট তা হতে তার অনামানা মূথতা প্রকাশ করু স্মেতে মাত্র; অত গ্রা তুমি কি**ষা তোমা**র মহাব্রেলা, তিলেকের জনাত ि। व क'इड नो, य याचारत शुक्त अनायत क'रत, লালা দৌলংরায় কুনারী ইন্দুমতীর প্রেমের একারি-গণে লাভ ক'রে অন্তঃকরণে শান্তিত্ব অনুভব কর-েন। কি--রাজা দৌলভরায় এতদূব সাহদী হয়ে-ে - ে, ভার যদুজ্ঞামত কার্য্যে কৃতকার্য্য হ'তে পার তেন ং কথন না আমি কুমারীর নিমিত ভুমুল মুঙ্কে সম্মত প্রিতে কথনই সমাত নই; সে গোরবকারীকে ত ত বিশেষ শাভি প্রদানে আমি সমর্থ হ'ব। যাও— গবিলয়ে অবলীলাফ্রমে তৌমার মহারাজকে গিরে मः तोन तोखरण त्य अहे शासका देश निवटम হির বলোম।

रश्रीत टार्ट्स ।

भारत । (मेळीरक लिक्सी अनाम पूर्वक) मासून प्रशास

মন্ত্রী। (দক্ষিণ হস্ত হারা আশী সাংগণুর্থক) জন্ম ।

মুহী। (অঙ্গুলিছারা একটা বৃক্ষ নিদেশ করিয়া) জন্ম ।

মন্ত্রহপূর্বক এই বৃষ্ণগুলেই কণের উন্নত্র

মন্ত্রী। কুমার। আপনিও উপবেশন ক্রকন। (উপ্রেশী। শহী। যে আজ্ঞা। (উপবেশন করিয়া দূতের প্রতি)

দুত। উপ**রেশন কতে ইচ্ছা হয়, উপবেশন কর্মে**ত পার। দুক্ত যে আজা । (উপবেশন।)

- নহা। (মন্ত্রীর প্রতি) মহাশয়। দেশগণ্ নগলের আজা দেশবংরায় (দূতকে দেখাইগ') এই দূতকে জামার নিক্ট প্রেরণ করেচেন)
- ा। कि अस्टिश्य ?
- নহা। মহাশয় ! তাঁহার প্রস্তাব এই, কুনারা ইন্দুনারী নিঃখন হায়, কান্দেশের নিয়মাকুদারে, রাজা দৌলংরাচ্য়র প্রান্থায় কুনারী ইন্দুন্তাকে তাঁর গ্রীপে প্রেরণ ক'রে, আমাকে সন্ধি কর্তে হবে; নচেও সংগ্রাম কর্তে তিনি ও গ্রমর। একাণে যাহা কর্তিত কর্বা জাপতি অন্
- মন্ত্রী। (দূতের প্রতি) দুগরাজ। মহারাত দেনিবার।
 কিল্পন্য লোমান্ত ক্টা দিয়ে এতদুর প্রেরণ করেছেন ।
 নামান্য একটি পাবকন্যাত নিমিত্ত কি আমরা শুংপ্রামে প্রেরত হব । এক্সানি লিপির ভারী কুমারকে এ
 লিপ্রেরণ প্রেরণ করিবা মাণ্ড্রই, কুমারীকে ভার নিক্ট
 প্রেরণ ক্তেন।

া দেরোবে এপ্রীর গেতি) মহাশয় ! আপনি কি ছুতের নানরফ বংকন ? রাজমন্ত্রীর এরপে নিয়ম নয় । আগার নংসার প্রার্থনা যুদ্ধের নিমিত, ভাহাতে আনি কোন রুগেই জীত নই। না হয় আপনার বেশন মন্ত্রণাব প্রতীক্ষা নাই করা হতে, তথাতে আপনার এরপ কাকে কথিই সম্মত হব না

বে চাংকার, এমনি ভর পার কে, বুক গুড় ওড় তাল কেন্
উঠে। ওঁর পিতা এই রূপে যুদ্ধ যুদ্ধ করে প্রাণতা গ্রন্থ করে প্রাণতা গ্রাহ্ম করে প্রাণতা গ্রন্থ করে করে প্রাণতা করে বাংসার প্রতি হ'ল মহারাজ স্বর্গরোহণ করেছেন। গুড় লাম আভাবে আপনারও এতা দিন পর্যন্ত রাজ নিংহামনে উপরেশন করা হয় নাই। বিল প্রসাগণে সভিদিল হই গর উপযুক্ত একটি থাহেকেয়েল পাওলা গিলেচে এবং সেই শুভ ওপের সমুল্য আয়োজন ও কর হয়েচেতিরে এমন সময়ে কেন একটী সামান্য পরকন্যার ক্রিছিত প্রথম বিবাদ বিস্থাদ করে পেই কর্মের ক্রাহ্মিত প্রথম বিবাদ বিস্থাদ করে পেই কর্মের ক্রাহ্মিত প্রথমিক ক্রান্তেন প্র

ি শ্বরণপথনি হের প্রতি। র তকুম'র। মন্ত্রী মহাশার ভো উচিক কথাই বলেচেন, এতে বদি আপনার রাগ্রাহা হয় তো উনি কি তার্কেন চ

भीन वृद्ध**े कर्न कर्न एक एम भामि क्यून, ब**ली

শহাশ্যের কোন আশক। নাই, তাঁর বান বুল নিয়মেন নি কোন মন্ত্রণা থাকে তে। বল্বেন, নতেং তুনি শতাপক্ষীর কাজি, তোমার সন্মুখ্য নাজী মহাশ্যের জালে বাক্সা শ্যোগ করার আন্তেশ নিভাস্ত অগ্যানিত ক্লাল হয়েচে।

পৃত। রাজক্ষার। আপনার বাধা অভিকৃতি হয় তা কা্র্ গারেন, তবে আপান নিশ্চয় জান্বেন মধারাজ্ গারহরাশ **মদৈনা** আপনার বিরুদ্ধে আগত প্রোচ্ ক্লেন্ডে গণ্নি গমন কব্তে পারি গ

ষহী। অনাগ্রন।

দূত। (গাংগ্রেথান প্রবিক) তবে আমি চলেম। (সংঘরী সহিত শ্রেম।

নত্ত : কুমার । ই ত পূর্বের পাপনি বে ক্লারীটি গাকা বিদেশ জমণে সম্মতি প্রদান করেছেন ভাষে ছুজিল নিজ হল নাই। কারণ এই উপহিত বিবাধের সন্য তাঁহাদিগের সম্ভিয়াহারী গোনাগণের অনুধ্

মহা ধহাশয়! তাঁহারা বুদ্ধিমতী ও সহিত্যাণালিনী বিশেষ হত অন্ত্র বিদ্যার সাতিশয় পারদর্শিনী হয়েতেন, এম অবংয়র আমি যদি তাঁদের বিদেশ ভ্রমণে সম্প্রতি প্রতিকার কভেন, তা হ'লে কি তাঁহারা আমার সম্মৃতি প্রতীক্ষার থাক্তেন !

পটো। কুমার! যদি আপনি নারীসভাব-বিরাধ পঞ

প্ৰতি কি কোৰা বাধী তা লাভের তদুৰ ক্ষতা ় হ'ড না

ম টায়ণ ভাগে কি নারীখাভিত পিতার ঔর্দে, ম[া]ার গর্ভে জন্মগ্রহণ : রে মা, ভারা কি মৃত্তিকা ভেল ্ৰ পি উপিত হয় পুৰৱা প্ৰকাশ ভিন্ন আমাদেন শাস্তেই रुष्ठेत, दो धना बोडिनिस्टाई रुष्डेकः क्यन कि कान ুরাবক। সাতে ধাহা দশাইয়া তাদের ইচ্ছানত যে কোন

विमा) ६ (५ फाउ कड़ा (घटन शांदत

৷ কুমার আখার ভূতীয় কলে উপুত্রিত, ভ্রাক্ষণ কুলে क्याधार्य कंदि नामाविक लाहा व्यवस्त करतिह ; আপনাৰ পিতার ভিবাটিও রাজ নিয়বের বাদাতুরার দ্বার। পরামর্শ ক্রিক ক্র'রে সিংহাসনের শান্তি সংস্থাপন লবেছি: কিন্তু নারীকুলে হান্দগ্রহণ ক'রে। কেই কখন ্মত বিশোৰ স্বাধীনতা লাভ করেছে৷ একপ আমার ুঞ্চিতে র বা ভা**তিপথারত হয় নাই।** তুঃখের বিষয় অপিনার যৌতনাৰস্বায় মহারাজ স্বর্গালোহণ করেছেন, ভি'+ বট্টমান থাক**েল** এ**প্রকা**র হওয়া **নিতান্ত অসম্ভব ₹***%/ ₹

भर् नेत्र । सहाता**र जा**त्रानानी सूना देवे रहा कूमर-बीबा ७७ । तमा चिक्तंय व्यवस्थ इन।

ব্যু পুকুষার : কুমারা ইন্দুমতীর প্রতি মহারাজের এব রূপ অণত্যন্তেই সঞ্চর হয়েছিল, নতুবা ें दूरशास्त्री कमारिक जात जानस्य कतितात व कि क्षामा हिन्न, चात्र कि क्यात हैन्स्निक ल्यात

গোপনে অন্ত শিক্ষা ফরিবার ক্ষিত্র ও কেন অনুমতি দিলেন ?

. जक बामि निशि बटेड क्षेडियातीत क्षद्रभा

থাতি কুমার! রাজকুমারীদের নিকট হ'তে এক জন হৈ ।

বংগক এই লিপি খানি লায়ে এনেচে, একৰ করা ।

(লিপি প্রদান।)

শ্ব (লিপি প্রহণাত্র পাঠ ;

প্রিয় ভাতং---

पाछ नश्च निनम बहेल, जोनती नर्यानी महीत छी। बहेर छ श्राह्मन किन्छ। खलती रिनालन मध्या ज्ञित्या रिनाल मिन्छ मिन्छ। खलती रिनालमध्य ज्ञाह्म-फीरत निन्दित काल्म किन्छ छि। खलती रिनालमध्य ज्ञाना छेल वसमध्या छवन किन्छ जिल्ला हिन्दित है। खलती उपन मध्या ज्ञान ज्ञाह किन्छ है से शिष्ट है। किन्छ ज्ञाह के ज्ञाह के

এনীম পত্র। নীমন্ত ইব বন্তী।

मही। (निभि भाष्ट्रास्त गर्ह विक् बन्नो कि निभ भाष्ट्रा) महामग्न। रमधून रमि विमामिका हाजार विशेषक निभि खनानी किसेश विकार एएएड ?

্মন্ত্রী। (লিপি দৃষ্টি ক'রয়া) হ'বিক প্রকার আন্তর গরি-কার বটে।—কুম্বির পশ্রে আহিকের বলৈ অভাত্র তথ্য পাতে শান করা থাক, সময় তবে আর সকল শিক্ষাৰ গ্রামর্শ করা যাবে; কি অনুমতি হয় । মহী। তে আজা সহাশম, তবে আমিও একপে নাম্ব

रिसर्व अस्ति

দিত র ভাঙ্ক।

ত্তীয় গভাৰী। (হয়কীয় – শিবিয়

বিশাবন্ত দিংতের প্রতি বিজক্ষার। প্রশান।
আগ্রহান্ত প্রেরণ ক'রে আন্ত্রানা নাডিশর সভেশে ল'ভ
কলেন, কিন্তু আন্তর্নার সেই আন্ত্রানা পাপ্রিন্সী বিমা
ভার অপ্রত্তির্বন নাল ভিলাগ আর আমরা ভন্তে
ইচ্ছা ববি নাও লথং আপ্রনিও ঐ সকল পাপ দিলাকে
মনোমধ্যে স্থান বিবন নাও অংপনি আম্বেদর ন্সসার

া পারেশি। পূর্ব ়) রাগ কুসার জাপনি সহৎ ব্যক্তি। গোলিও জালনাকে পাণিশত কৰি। (প্রাণিপাত কটিয়া শুরুবার উল্যেশন শিংশা। আপন্তেরও আত্মপার্চয় প্রতি হারে প্রিগ্রুই ইনেজ তে আপনারাও রাজকুলোন্তবা বীর্বনা। কি জনা কে প্রথাধনতৈ অযোগা সমাদ্র ক'রে লস্তিত ক্তেন। ইন্দু। রাজকুমার। হস্তি পক্ষে দিমা হই লও কি শুগালে। নিকট কথন অনাদর্গীয় হয়ে থাকে १

स्ताभाषा तन (**७**बीत ध्वति ।

ं बाक्षकृषाती देवावकी ७ देन्द्रभाष्टी ब्राइक्टीर धानि धान्त । सारक्षद्र मनदारक शांद्रकाणान करिया कार्याद्य ८ व्यान्त्रशास्त्रिको देवेश श्रद्धनात सुधायाद । ८००)

উন্দু । দৈনগেণের প্রতি) দেখা । শাদ্র দিনেরর গতিকে নিয়ে ভেরীর কারণ অনুসন্ধান করে এন ।

रेमकारनः स्य जान्ताः

(মনবালে গৈছাগণার প্রাঞ্জ)

বলো। (সজোর গাডোপান প্রক্র) বাজরুগারি আন নাগের নিকটে থানি এক থানি জন্ত যাত না করি। ইয়া, রাজকুমার। থাপানি প্রিনেশন থার নিশিক্তে বিশ্রাম করুন, আমধা করিনানে ফান শরীরে অন্ত্র পারণ কারে এতদুন কৃত্যী করিবাব প্রাস্থানা কোন প্রস্তানে নাই।

े अनदार अध्यक्ष कर्ने निमिद्धत पूर्व श्रद्धा ।

ইর। সৈন্ত পুরুষকে দেখিয়া) প্রিয়স্থি। এই যে এক জন বিন্য এনেছে। এ সৈনোর প্রতি) সমাগার কি ? বৈদ্যা। বিষয়তেওঁ বিভক্ষামিন সক্ষিণ দিক হতে একটা

কদাকার দৃত রণভৈরীর শাদ্ধ কর্মতে কর তে আমানের িবিরের সম্মুখে এদে, উপস্থিত হয়েছে, অসুগতি হ'লে এগে শীকাৎ করে।

ইর। (সৈন্যের প্রতি) **সান্ধ্র নিয়ে এ**র। বিষয়। যে সাজ্ঞা।

(**अ**भाग ,)

ইরী। (সকলের মুখাবলোকেন পুর্বক আক্চরণিয়ত। গুইনা) দূত আস্চে, এর করিশ কি ?

হশো নাজকুমারি! আমার জীবন রক্ষাব নিমিত যে নরাংসেদের বধ করেছেন, অকুমান করি তাদিও রাজা আমাদের প্রতিকূলে মুদ্ধর জন্য প্রস্তুত হয়ে এ দ্তের ছারা আমাদের ফুদ্ধে প্রস্তুত হওন জন্য সংহাদ প্রেরণ ক'রে পাক্বে আমুম্ভি কর্মন।

বিদ্যা (যশোবন্ত সিংহের প্রতি) রাজজ্মত । বাগনি অপ্রধারী হয়ে র্থা কেশ ক'রে তান আমাদের অপ্যা-ধিনী করেন ? অনুগ্রহ ক'বা আসন গ্রহণ তা ।।

ত্রাবি আন্নার বি আমাবে বাপুর স বিশে চনা করেল যে ডাই আ ধাবণৰ রভে নারমার নিবারণ বিষ্টেম্য সিদ্ধিত স্থিত ব্যাহ্য বার্থী

र! सार अक ' दल दमप्रदिक्ष महलाहि भारताल (सांश्रा**ष्ट्रा**लास) **सन्दर्भाई दश्चन** कर् 化 经过滤差期间

্টির ব্লবাসিকে কুনারী **ইন্দ্রভার প্রতি**) প্রিচুদ্

া ্টাৰে একৰে অভ্যন্ত আছত আছিল বেখন ভূট হা, এ দিগৱীত প্রস্তান্ত্রণা কোন ক্রমেই ইভিন হয় शक्षक्रमात यमि अक शतान्हें सक्र है शहरून. আমাদের বাধা দিলৈ ওঁর কিছ অপুত্র তাত্র

हण्य मञ्जातना ।

 গ্রশোবস্ত নিংহের প্রতি। নহাশয়। সহারাভা দীর্ঘন্ দ্রণ আপনাদের প্রতি এই হাজে লিপি ল্রেয়ণ করেছেন পাট করান। (বলোকন্ত মিংখের হল্ডে লিপি প্রদান) भरमा। । नित्रि धप्टा वितिश्व त्रांबक्षभातीचरात थिए। अव ক্মারি: আমি পাঠ করিতেছি আপুনারা শ্রেণ কর্ন। हिंता। शै-वाशिन शार्ठ कंत्रन। went (fafer attr)

এারের শক্রবর স্নীপেযু-

Cकामता को उदमदनत श्रीकांत स्वीमन होने स्वेशा गटान त्याला। महारा लाउ (जर गारेर त्यान लोग्नेकाण) करेशक मा के र स्थाहि CONTR अपेत देशभारमात रूका भाषेत्र की बांह का दिनिएक अन्यस्थास দীৰ্ভুদোর প্ৰজালত শোগুনৰ জোগানের জঙ নাড়িবার निमिक्त व्यक्तिक १८१३, १०० व्यक्ति १८ ४७ ४७ ।

करिए मध्य मीर्चित्रमा ।

াঠ করিয়া জোধান্বিত ছইয়া দুক্তের ১০। তোমার প্রস্তুকে গিয়ে অনারাদে বল্ভে ব্যে তার আজিলাগা প্রকাশ ক'রে আনাদের অনি নক্ষাকে কে। জনমই শুপো ছাদের শোণিতপান হতে। বিয়ন্ত কর্তে পার্বে না

िष्ड धूर्वक) देश हिंदुन्स १

(-智慧!!)

শতে । রাজকুমারি । উপস্থিত বিশ্ব , নিবিবর ও বধার , নিমিত আমার ঐতি নির্ভব কারে, আমার কলারত । া বাছকে নিফলঙ্ক করুন।

ইন্দ্রা রাজক্যার। আপনার মনোভাব প্রকাশ করাতে
আফার সাতিলয় চুংখিত হলেম। আপনি কি বিশ্বন লেজ যে রাজকুমারী, আপনার প্রাণ রক্ষা করেছেন ব লে আমানের নিকট প্রাণনার গৌবতের কিছুমাতি স্থানিত্বত গুলাজকুনার। বিকেচনা ফ'রে দেখুন, অভাতীয়েরা বিপদের সময় পরস্পার এই রূপই সংগাদ ক'রে থাকে। আপনি আমানের প্রান্থাপনারের জন্য উত্তলা হরেন না, অগ্রে শাপনি সম্মাক স্কৃত্ব হন, প্রভ্রন

বিশো। (নরোনে) কুনারি নিংহ গুরুলই হউক। আর পুর্মনিই ইউক, সাশিন অবস্থা হতী দর্শন কারে কথ-

> (ইক্ট্রের প্রতি) বিষয়ন বিজক্ষারের উদীও ক্টেকেক্ট্রেক্সামানের বেলিনে সহবারী ইয়ে শীন

প্রত কর্তি নির্বাদ ইও নয় তোকোন গ্রহণের। एक क्षाफ मा । एत्व अंत्र में ब्रोवनकी एउटा । अरू । আমাণেছ কৰ্ত্তব্যু, আৰু বানন্ধান ৰাখ্য, দিয়ে ওঁৰ এন্ম প্রভি বুদ্ধি করিবা। আর্বশ্যক করে ল । 🐪

জিপুর সংগ্রুমারি প্রা**জ্জুমা**রের মতের সহিত বধন আগ নার ব্যতিপ্রায় প্রক্য হয়েছে, তিখন আমার অনত 12 9

(सन्: भा हबबांका :)

মদো। (রণবাদ্য ক্রিয়া ইয়াবর্ডার প্রকিট্র ব্যার্থীরিট্র ঐ রণবা**ল্য আ**বণ ক**ল্লন, সুঃ প্রায়েমর** আরে বিনাও সাহি ; বোধ-করি ছুরান্ধানা শিবিরেশ নিকটবর্তী ভারচেন उर्द बार्याक भवभानि जन्ने अन्यान बर्मिङ কৰুন, আর ফিন্যুগণকে যুদ্ধ ক্রিবার মিনিভ আমিল मम्बिन्। करत तमे (कराव कमानत कमा व्याटा करत আপনায় নিশ্চিত হ'য়ে শিবির এখে অবড'ন পুর্বাক 'अम्म पुर कड़का।

उर'। (अक कान रेमरनात श्रीक) सम्य । भी । आक भारि প্রথা বস্ত্র লোমাদের শিনির হ'তে জানিহা লাজুকু भारतत एएउ अमान कत, चार त उक्षांच धर्म इंटिंड তোষাদের প্রতি নধন যে আজা কর্তান তৎক্ষণত তাহা প্রতিপালন সমূবে।

लिलाः द्वा बाला।

देता । १८णावस मिश्ट्ड आहे हिंदाबेक् कि कामतः १४ - भाषा अन्य प्रेक्ट तथि दिल ज्यूक्ट के कार्य आर्था-१४ - १६४ तथि प्रति प्रति ।

ন্ত্ৰা । (ভিন্তা । বিয়া। বাজিক্ষাবিত্ত থান আপনাবা রণ-বৈশ্ব দৰ্শনে অভিনাধিনা হয়ে পাকেন চন্দ্ৰ । প্ৰাৰ্থ । বাধা দেশনের কোন ভাবশাক নাই।

क्षा करेश रिक्टमात्र १ स्ट क्षारिकाः।

देतनाः विश्वकृत्तीतः विश्व अर्थ कन्नाः । यदन्य हाः ८ इड

ইংগা। (অন্ত গ্রহণ করিয়া বৈন্দ্রের পর্টি) নে চে তোলব নির্মানুষ্ট্রা প্রতি হ'ল, পরিষ্ট্র নির্মানুষ্ট্রা প্রতি হ'ল, পরিষ্ট্র নির্মানুষ্ট্রা প্রতি হ'ল, পরিষ্ট্রারে নির্মান্ত বেশীবিদ্ধ হ'ও গোলের নির্মান পরিষ্টারে বুল্লে প্রবৃত্ত না হয়।

लना । बो**बक्मादात** का**फा नि**ं को है।

到家区一

খালা। রাজজুনারি। তবে আপনারা পাগ্য । করে:, আরু

किन्द्र । बाद इमार्ग । जाशृति अधारामी र में

कः। श्रेष्ट्रांन ।

(34, 4414)

তৃতীয় পক।

প্রথম গর্ভাঙ্ক।

इद्ध शृत नगत बाजनाजि - यहागा क छेगत जिर्द्धत व्याजिकि देकेदल्यी यहाम एक शहर

হোমাগ্নি দক্ষুতে মহাবিদ্যার স্তব পাতে নিযুক্ত শালীয়াম গিরি জাদীন।

गानी : (खब शार्घ ।)

अनेपापि सगकातीर एकावर निर्मासनीर अपाक्षण्ये दक्षण्यां क्रिक्षण्यां क्

शंदा डिमन निराहत क्षावन।

লালী। (ন্তব সমাধান্তে স্থানাথাকে প্রাণান করিয়া উল্ফু নিংহৈর প্রতি) মধারাজ। এদিকে আজন ইন্টা গ্রহণ ক্রণ।

উদ। ('দিপ-প্রাংগ ও প্রণা-, করণ, হার কর্ত্যান্ত । শুরু-বের ক্ষারের অংহমণে কও এত স্থানে লো ও প্রেরণী ক্রেছিলান ভাহার সংখ্যা মাই কাণ্ডাঙ্গ বাচনিক उत्त भूनः श्राप्त श्रामात श्रामात रशास में हाई जान गम किहूर वृद्धि शाकि में जात त्यरे पूर्य हिस्सा मा (गर्थ व्यापि व्याप्त की वम शासन कर रह लाजि मा; करूरण्य। (मानीतारमत हत्र शासन मुद्धित) करूरण छेशाम ?

শালী। নরমাথ। ৩ কি। বাজকুরাবের অশুভারন টেন্ডা কচ্চেন কেন ?—এ করেন বি সমহাসভা প্রতি অপ্রলি নির্দেশ পূর্বক স্থাপন র ইটে কেন্ডের অভিনি ককন, মান্তের কপাত কুমার বে তানে লিডে এবছিনি ক্রেচেন লে স্থানে নিশ্চর স্চহলে ও ছেন। আখা

সাধান বাকে তিবন এবনও দেহ মধ্যে আতে, কিন্তু
আরা দাকে না। হাল-বংশ বংশাকর। কোণাই ভূমি
আমার কংশ রকা কর্মে, জনাকে এই শুল বয়নে
প্রতী কলা, তা লা হ'ল তুমি আমাতে পরিত্যাল
ক'লে গিলে ক এই শোচনীয় অবস্থা নিজেশ
কলে তুলি আমার কংশ মধ্যে এক মাত্র সন্তাম
তোমার জন্দানে কি মানি কাবিল থাক্তে পারি হল
হালা হালা আনার পূর্বি শোচনীয় কাম্য ঘটনা কন
হালা হালা আনার প্রতি শোচনীয় কাম্য ঘটনা কন
হালা হালা হালা মানার প্রতি শোচনীয় কাম্য হালা ক্রিয়া হালা বালা ক্রিয়া হালা ক্রিয়া হালা ক্রিয়া ক্রিয়া হালা বালা ক্রিয়া হালা ক্রিয়াল ক্রিয

त्या । पात्रांत समय (य वितीन की, पार्यादक आश्रय) । भन्त्रांल विद्या क कर्ष्यच कुँ विश्वाद का ध्यापि रेकेश्वरीत मन्युद्ध भाषा कि जीवनन प्रत्या ।भन्नि संजन करा अभाव प्रक्रिय कारावर आर्त्राष्ट्रभ महि।

'শালী। (এজার হস নারণ করিয়া) ৮ চি নহারাজ।
উচ্চা গ্রেম না, আন্তি চে প্রহমাগ কাতি করেছি, ব
তাজে আন্তানি কুনারকে অতি শীল্র এ,ও হ্রেম;
কুনাহের জান্ত্রহণ কালে এই ধার্ণের দ্যা প্রাক্ত।
ক্রাহির জান্ত্রহণ কালে এই ধার্ণের দ্যা প্রাক্ত।
ক্রাহির জান্ত্রহণ কালে

ভাল ভারদেব। হানা জনন বিনীণ হয়, আল প্রাবাদ মানে না। কুমারেন্ড ভালানহালেন বিনিত্ত যাল করে কা ভাল পাল কল জনান কলেনিকেন, এলাণ ক্লানিল ভালো কল জনান কাছেলেন, এলাণ ক্লানিল ভালো কল জনান কাছেলেন, এলাণ কিলাল জালেন ? গুলানে। আমি ভো আশিনাল কালো মান কি এই জিলা ! মহামানাল প্রাভি দৃষ্ঠিপাত প্রিলা। ইন্টাদেবি। আমার অন্তানিক কালো এই কর্লেন, আমাকে ক্ল্মার রক্ত এলাকা ক'রে অবলেধে বকিলে কর্লেন ? বংলা। তুমি কি আমাকে ক্লাবিট পরিকাশ কর্লেণ হার। হার।

শালা। সহারাজ এই যাল সম্পানন চরতে কোন উপ কারই আমা কর্ত্ত অসহীন হবে না, তবে ক্রমণঃ ক্রি খোর হয়ে আগ্ত ক্রেম্ম দেবভার আরাধনায় নিপুক হ'লে গলিনাজেন প্রান্ত্রীবে, এ পাস সংগ্রা রেন আরাণাকর প্রতি নিহ্না দৃষ্টি নিসেপ কর্তে দেবতা ইন্তা করেন আ কিন্তু অবক যাত্র নিজা হ'ল করেন আ কিন্তু হ'লি প্রদান নিজা হ'ল আন আমি নিক্তর বল চি লে এই যাব সংখ্যা হ'লামান্যেই কুমার্ক্তি ভাপানি প্রন্থপ্রাপ্ত

া (চিন্তা কর্মান প্রকাশন আমার কিছুই ভাক ।वरगडमा ५,८६६ मा अलम्ब मर्वनाम कांबंक दश मुक ংহার ৷ ক্রি ্ এই জগৎসংস্থার সংরের কিবট কি যা। এতদুর ক্তনীয় **হ**য়েছি, যে জন্মবাধ কেবল ं कि ते वहाँ कर्त कि हैन है। अक्**रा**न है रनश्रेक अध्य এই হ'ব বংশের এবের চর **লোপ হবার** উপক্রা হল্যা সামার অন্তঃকরণ একবারে মার্ম হটছন, তা ८कवल भाषानात कृष्यंदरम स्प्रीमञ्जू स्वता रहता त्राधना ্ৰারে সে আশহা দুরীভূত হরেছিল ়াক্তর একবে णायांत त्य १वस १८७६ ७ क**्ष्यक**ः ः णायात्र **उत्रत**म প্নামের সমান হওয়া ভাগে ছিল। আমি ভো এক । उत्तर करा ७ (अरहीम स्वादन क्षादक म्यावन ৃষ্টি ক েনাই, ভবে জ শংলারে কি এমন ঋরতর े लाग १. ८५ ८५ एवं यात शत गाँह विशासनाइक वृक्तियान ি পিতৃষ্টা ইনিকেনা না করে, সামার প্রাণ বয় া বার্তিকর লেনী। সামি তার অক্সাতবাদ গম-ানর কারণ কিছুই শেষ্ট্রান কর ভে পান্ধিনের ...

শালী থিক বুজি বিশ্বিলি তিক বিশ্বেলন স্বক্ষণ কৰিবলৈ বিশ্বিলন কৰিবলৈ কৰি

ত হকৰে। আমার হনরে দুল প্রতীতি হয়েছে, আমি নাম সংসং দেবা করেপে ভ্রমণ করালে ভাকে আছিলন ক'লে হলে মুশান্তন করতে পাহ ব, কেবল আপুনার শতুনতি প্রতিকা ছিল আপুনি বছর্গানী আমার নানেভাব সাপানার নিকট বাকে না করতে আপুনি আবিবলা আমার সানের প্রপ্রায় প্রকাশ নার্বেন, আর সোলান্তি প্রাদিন বিংক্তে অমনক্টাতির্থে প্রেবিণ ফুলেছি, কেবল তার বাচনিক সংশ্র শুনিবার বি

প্রত । ই প্রদাস করিল গুড়া প্রতিষ্ঠা । বদারাক । বর্মনা প্রতি । ই প্রদাস করিল গুড়া প্রতিষ্ঠা । বদারাক । বর্মনা প্রতিষ্ঠানিন সিংহ রাদধারীক ও ই বক্তে প্রত্যাপক ্ৰাৰ বাস আমি দু বা ক্ৰীয়ে দৃষ্টি কৰে আপনীকৈ তাৰ শাসমনেত তেও দিছে শাসম

জিব। (স্পত্তে গাড়া, থাখু কৰিয়া গুরুদেশের প্রয়ুলি। জিন অফলাত্ত) ধারতের। জালি ব্রালা, করেন যোল। নিজ লেকার শুন্ত স্বালা ধার ।

भानी । (द्वारायान पूर्वतः बरायात्रात शारः ।)

কিন্তু । তিক প্রনিষ্ঠিত পূর্বিক ক্রতে।তে দ্রার্থান ক্রতে।তে দ্রার্থান ক্রতে।তে দ্রার্থান ক্রতে।তে দ্রার্থান ক্রতের ভিন্তু প্রাথান করে করি, নতেও আপনার সেব-ক্রাপ্তান প্রায় আছি কেন্দ্র করি, নতেও আপনার সেব-ক্রাপ্তান প্রায় আছি কেন্দ্র করি। উপায় নাই। কেন্দ্র প্রায় প্রায় আছি ভিন্তু করেন্দ্র করে আমি একান স্থানি বিশ্বিত সাক্ষাৎ জন। বাজা ন্তার বিশ্বাপ্তান করি।

শালি হ' লাগ শীল গমন করণন, জামি এইমাত্র সহাম বাকে ধ্যা জাগে শুভ লক্ষণই দর্শন কর লেম, বাব আমি শীতা হ এখান হতে আমার নি দিউ হানে, কমন কর ব সেনাপতির প্রস্থাৎ সমাচন্ত্র অবগত হ'ভন মাতেই অবিদ্ধেষ জামার নিকটি শীংবাদ প্রেরণ কর বেন।

एम। या आंख्यां शहरताक । १३ हें हैं।

(टांचामा)

ি পাতে। শার-হার হার । এনত নহৎ রাজবংশটা কি একেবারে কাতফো বাবে । (মহানায়াকে আর-লোকন ক্রি), মহামায়ে । স্কলই জেলার ইকা চাল হায় : এ বালফুলের কিছুই তে ভাৰ লক্ষ্ আলি দেং চি না, যে গংনা করি ভাতেই অব্সল धारिवात हिरू (तथ रहे शाहे। कंगा तखनीरङ छिनर्छ-द**हे** क्लिकी दर्श वर्षमान करहते कर्लाकल शन्म हहा ্লন, মহারাজের প্রাণ সংশ্র, আবার কুমারে সম্পুর্ শনির ভোগ। (চিন্তা করিয়া) উল্লেখ্য বিভাগ विनामिनी शोरमा-- व वाति व भारी तका के . । (हरा মায়াকে প্রণিপাত কবিয়া মগ্রস: ইট্যা), এ পাজ वः म ज्ञवनगृष्टे दक्षान निषासन आरश्रत अलाग स्टा थाक्रव, तट्टर असन त्यवस्य शिकांत्र क्लेगनर्काच टाई मचान शेक्षा, अन्ति शुनीम कुरात छात्रे मधीनां में अन ন্তিত কাংগ্ৰেম - মহাপালের কেবল সাহিত্যা গুক ভঞ্জি वरन, आश्व वारका अल्किन निष्ठ धरते छिरमन, কিন্তু স্থান্য লে রাপ ব্যাথিত হয়েছেন দেখলাম ভাতে থে আমার আশ্বাস নাকো জার বৈট্যাবসম্বন করেন এমন

্তা বিবেচনা হয় না। মহা শৃষ্ট ' পান্থত-সেনী'

পতি কি সম্পার দিয়েছেন জাবণ ভ্রাগে।

(अञ्चान ।)

विकोष गर कि

्ष्र-शङ्गश्यात्र क्षांत्र है। . शोखां क्षांत्रकात्र क्षेत्रीस ।

দৌল। (বাত) আন্ত ক্ষাত্ত হ'ল গালা হ'বে খুব প্রেরণ করেটি কিন্ত এখন প্রাক্তি সে তে এ তর্ব গত হ'ল নাও কুমারী ইন্দুমতীৰ জনঃ প্রস্ত করণ বড়ই চফল হয়েচে (চিন্তা করিয়া) এ বম্ব এদি একবার প্রিয় বয়স্য আন্দেন তাহলে এই কাইব কানেক আন্দোদ করে দ্বো সেতো এই ও ই কাই কোন প্রকারে জনামনক হ'তে পারি। এপন এক বিচ্যকতে দেখিয়া জালে একে শ্রুমা দুখুতি হৈ, এম এম; ভাই এম, এ তক্ষণ তোমার বাহন বাহন

^{े दे} विष्टुयदकत शुरुतमाः

বিদু হা—হা— (া – মহারাজ : গামি কি এক নি নেমর তেমন ভোলে, তাই আমার ফামন কর বৈন ন বিজে র প্রতি থির দৃষ্টে দৃষ্টিপাত প্রবি কিছে বিজে প্রকি । হারাজ আপনাকে ব্যাহালিক দেখাই : বলি ব্যাপার থানা কি ? বাহ্যী বৃথি কিছু অভিবিং দ

্রেল। কাস্য আমি তো ভোনার এ স্বাং বাক্যে জাও কিছুই বুঝাতে পায় কোন না বিছ। (উপরে ইন্ত সর্কুনি করিছে করিছে ইপ্রিটে ইপ্রিটের রার্ উনর দর্শাইরা) বাল মহারাজ। এ ফাল্প্য কার্য্য যদি বল্যেন, এই গিয়ে মহারাজ। (হাত্ত রোমা সন্দেশের আকৃতি ও ক্রমণ ক্রা বেধাইরা ওখন এ এমন গোলাকার।

ार्ग । (त्रेषक हामा काँउवा) नेगमः विक्रिय कर्णन्हें यान जूमि दिव करः श्रोक, जार्य दृश्यिक गाकरवट कांडम विक्र

বিছু। মহারাজ। অতিনিক্ত অংহারেই উন্ন । কি হয়; ব যদি আপনার নেই একার বিজ্ঞানী উপস্থিত ২ার থাকে—

দৌল। বয়স্য : জভিরিজ আহোতও । হ ুলিফানে কেহ কথন করে থাকে ?

বিছ্: মহারাজ। দে বোকা হয় গেই আনাৰ লগ করে থাকে, দেখন পামি এক ক্ষম কুনিমান আলোনৰ ছেলৈ, যদি আহারীয় সামগা উল্ল কাল স্মাণে প্রস্তুত দেখতে পাই, তা ইলে নিছে দুর্মিশত করে যতক্ষণ উদরে ধরে, ততকা তো কারে সহিত্য বাক্যালাপ না করে এব মন, এগ চিতে আহারটা করা যাল; ভাঙ পর যথন দেখলোন যে আব উদরে ধরে না, তথন একটী আগদর্য ফিলির ঘাটাই।

দোল। (রীধং ছান্য ব্রিয়া) কি য়ত্ম কিবির্থাটাও ভাই, বল্যা শুনি ?

বিছ : হা-হা-হা-মহানাজ! আপান বড় চালাক

1 45/40

े चात कांगार वे वे तिथ विदेश कारतमें शहे कांच गान के विश्वित निरंध तरहा गरन कारहरू ।

प्रोक्त । चारत छ है द्वि अने धन मन्ड विश्वीन यह । वा

বিছ। (সংগ্ৰত) শ্ৰয়ের পাওয়া গিয়েছে, এই বান কুরান করে মিজে ছবে (প্রস্তানে) ভাল ন গাল দ্বি অপনাতে ফিকিরট বলে দিই লাভা ভানাকে কি দিবেন বলুন দেহি গ

ৈদোল। (ছত্তের অঙ্গুরি দেখাইয়া) দেখ ভাট এই অস গাটি তেখিতে প্রদান কর্ব।

নিছু। (ক্পানে করাখাত প্রকি) হা অনার ক সে কি মহারাজ। আপনার নিকট কি এখন প্রশা

দেন, তাই আগনার হত্তের সত্তের অঙ্গ_{াটি বঁচি বিহে} রসগোল্লা কিনতে দিটেন গ

দোল। ব্যস্য তুমি কি বিবেচনা করেছ যে, আদি তেওঁ নাকে রসগোলা জন্ম করতে অসুবিটি ডিড চাতি । বিত্ত বিদ্যালয় করিয়া) তাবে আহ কি আমান কাথ। নুতের জনা দিনেন শ

দোল। হা-নিবের্থ প্রাক্ষণ। পৃথিবীতে **জন্ম প্রাহণ ।** রে কেবল আহারট ই বুঝি মোকপদ বিবেচনা করেছ। বিছু। হা-হা-হা-মহারাজ। ভিদয়ে হণ্ড হিয়া। নেমা গোলে শলাভাগে হণ্ড। হয়, আমার যদি উদর্ভা विकारम श्रिक्ष विषय, **जारक वा**मि के स्थापक

পোল। ওছে দেখ ভাই একা তোমার দেখি নয়, পাছই বাহ্মণ জাতিদিগকে ভোমার স্যায় আহার বিচ দেশ যায়, একণে বল দেখি অভিরিক্ত অহেণ্ড কলিল। কিকিটো কি ৮

বিছু: মহারাজ ! কি দেবেন তা আগে রল্ন :

- তি । একুট চিত্তে উদরে হস্ত গার্মন্ত্র পরত ।

 হা হা হা আজ প্রভাতে কার মুখ দেখে। প্রতি ইন্তি ইন্তামত মিন্টার ভক্ষণ কর

 যাবে। প্রেকাশে মারাক ভাল বার ক
 দৌল। হাঁবলা
- বিছু। কতিকতি লুচিভিঃ শকু বা নাগিরে,শিঃ গণ্যা গণ্যাশ্চ

 মণা মধুর মনোহন। পাক খালা আর ভিলাপি—

 হল হৈছে স্কুন্ড শাহুতি করে এ সম্বাদ কার্যা সন্তঃ—

 শিস্যাধ বলোন মহারাজ সকা প্রকানে আশানার

 কলানে বনু তলোর একটা ভালা।
- প্রেন্দ (१९४४) তি ভরানক করেই । একের আর্রার করিছে। বয়সোর হৈনে করেছেন। তিং অকটি তলে। মিউল্ল আর্থায় বড় ২০ এটাকো ভা বিং সাভ আটি বাজিং ভিন্ন আহার করেনে পারে না, বোধ করি নামার উদ্ধে বা

स्थाकी है सारक । (अकारन) यहां छाइ पूर्व (नथि ेक्को शाद्धीत स्मादकत्र नारि बा डेएफ शास किस . रत ें दर्शक **छारे, के दर्शन आ**टखर दिगान । १३ छ ्रात्रारकत भाग कि से हैं है है है है है है है है है

বিচু । নহারাজ দিল পানার পাঁঠ ত বিদ্যা, এ কার আপে দ

ন্যায় ও নয়, আৰু স্মৃতি পাছে প নয়। टमंगा **उटर थ कि १** है।

विछ्। भश्तां । अर्थे माम हेमद् द्याग्म च 🕬

रमोल। १ रू'मा कतियो । **देलतामा**नि म'ट व्यन्त । १८ । इ

বিছু। এ শান্ত অভ্যাস অভু ক্রিন গানি। সহা ান।

পেটে বৈকে গড়ে জ্বিধি এই জি মত দি মালিকে হয়। कोटा होते दि अभावितेकोत्रक ११ दिन १४ १ किया के अ

िरकि म नाज जुड़ी वन करता ?

বিস্তু। বিহারেল। এ সাংক্র জানাকর। এবাং । এই। মহাশয়, আর আমি এদবিল তাবে নিকট গ্রাম্ ্করেছিলাম 🖖 🗼 🖖 📜 💢

পৌল। **উ**ঃ তবেত 'নেগচি তেল্লোর দিতা ম**্লা**মের-অম্বিভীয় বুংপত্তি ছিল : 🕷 👚 🔞

विद्या कि ना प्रकार कीत विभावन हती । ता, यान व्यासक কটে আমানে শিক্ষা লি টেলন, এবন কি বিনা । नवलारः किन् एपणः (cer)नः वामारवः निरम् विरय अर्कप्रका निर्माण्यक Cattace । महीश्रीका ক্রনে রতু প্রক্ষাবাছ না, ত্রুটে এই শার রছটি, ्रिका करा गिर्वाहरू, श्लीस्वन 🤻

নি । হা পাই বুঝেটি। কিন্তু ভাই ভোনাৰ শাচালা তাল চোল অধিক ক্ষণ কর লে, এক্ষণে তেমানে একটা ভৌল দেকালই দেওয়া যাবে, ভৌমার কেনি চিন্দি নি

বিদু। মহারাজ। দেখতে চান্না অতা ভান্ত চান্ত পান। অতা লাই ভূমি আমাকে শোনাও ভার পার সেত

্রিন (মন্তক মত করিয়া ভহন্দ করণ দেশ্ট্রা) শহা রাজ এই রকষ ক'রে, যত ক্র শিক্টার মায়প্রী ধর্ল, তত দুত আছির করা গেল, ' উর্কি দৃষ্টিশান্ত করিবলী হল্তের দাবা মুখে খোহারীয়ে দামগ্রী উঠান নেথাইয়া) লার পর মহারাজ এই প্রায়া বরে গতাক্ষণ পরিয়ে মিন্টার সকল গলা হ'তে ইংবা ছাপি হলে দংশ্রে নিকট মা লালে, তেককা গ্রান্ত ক্রমণ্ড (চন্দু হারা ইঞ্জিত করিয়া) চলাচেই চল্চে, বুম্

বদীল। (নেপথে। পদশন শুনির: পশাতে দ্টিপীড় করিয়া দূবে দূককে দেখির:) এই বে দূভ গণ্চে কেটি— বাডে) কিন্তু আমি যা ভাকনা করেছি ভাই যে নেখ্তে, দূভ ভো একাকীই সাম্ভ

विद्। महालाखः । चामाल नित्राहो ।

পোল। (বিরক্ত ভাবে) প্রটু বির্থানের ভাই, যা ভোট। নার নিকট স্বীকৃত হলেছি তা লক্ষন হবে না।

ৰবিৰ 📋 (রাগামিত হইনা স্থাভ) আহা। মেনন লোৱে

নলে রুগী এখন তথন, আর পুরুতির মানের পথ, আনার ভাগো তাই হল দেখিটি, আনাকে লোভ দেখ্যে অমনি সংব্যালয়।

मृत्कत्र द्वादयम्।

ए । गर्हात(जन का रहेक ।ै

ं (मंहि । मुख**ि भरत प्रश्नेत १**

ए**छ । भरोबार्ख्ः भीतीतिरः मन्नज किन्न** १८०८ । १८०३

रलेन। (आन्ध्यांविक श्राम) त्रन !

বুত। মহারাজ ! আনি যে রগ গড়া নির্থা, বাল কৌন ক ক'রে রাজক্মার মহাপথাসংছের নিকট ভজ করে এলেচি তা অন্তর্থামী ভগবানই ভানেন : আন দেই দ্যানিধান জগদীবারের মূপা ব্যক্তীত নাম হকাহ আল কোম উপায় দেখা যাতে মা।

বৌল্লা পূত : তেমির সে কৌশলের - ভোন ফল প্রাপ্ত

দূত। মহারাজ তা আর আপুন র একবে তব করার কোন বিশেষ ফল দেশ্য যাতে না।

লোল। বিষৎ জোধারি হইব। দুক এ জোনার কি প্রকার প্রেত্তার হ'ল। গাজার গরে মহীপাৎনি দে নিকট যে ভোষাকে পজিন প্রাণ্ডর জনা প্রেরণ করেছিলাম নার প্রত্তান্তর জনাবর নিনিত্ত না ছিমি স্থানাকে না শুনাইজে গোলন করে স্থান্তর ভার

क्रमा (भीवदर क्रिका (विश्व

ER TO

বিদু ৷ (সগত) গান্ধার নগরে ২১০ वस्ताक कि क्यारे से लेक्का है। বরিয়া) আরু দদ্ধি কথাটিরট বা অর্থ िछ। कतिक्षे) त्वान भारातीत स्वा २१ . गालान ্ না--ঠিক ব্রৈচে দক্ষি কথাটির অর্থ এক একার इर्रेग । कुल-तेमरशाहा इक्रेक दा मड़ा इपेक । ে।। মহাটে। বাগান্ধ হবেন না রাজকুমার মহীপত দিংহ ক্লীপৰ প্ৰস্তাব প্ৰবংশ হয় কঠিন প্ৰস্তান্তৰ দিৱে-ছেন **জ্যাপনার স্থায়ে আঘাত** কর্তে সেই কার্ত বশতঃ সহসা আমি প্রকাশ করতে ইচ্ছুক হচিনন 🗀 ্দীল : দুওঁ ! গোপন কর লেও তো ঐ্রূপ শেল সম আমং হাপরে আঘাত কর্বে– তোমার প্রকাশ করা কর্ত্তক। 🐣 । उन्। (चग्र) नक्ती श्रीत्जांग स्वात बदशरे मर्शेनाज-दमा **अहे** तकम द्वस्ति **ह**त्र, अवर **घट**त घटत अहे द्वकार मछ विष्ठ्किष्ठि दृद्ध प्रदेखि (विकार) शहातीय : অামি চালাক লোক, দুতের আঙ্গায় মৰ বুক্তে পেরেটি । অকড়া কর্তি কি ্বে? আসার গুণ্ শুকুৰ, এই যে সাজারনগর নাম হংগতে কেন তা জনেন সেধানকার খে!গুঞ্জির বড় স্থান্ধ বলে; আর দৃত ব্রিলান কৰি কিনা, মাণেনি রমুগোলা কিন্তে পাচয়ে ছিল ন উনি রসগোরার বিদলে প্রথম भटनमा किट्य जार्शितम, त्याद दश भटवत मरदा

্সন্তেশের ছাঁটে ১৯৪৮ গিয়ে থাকুলে, ভাই সন্ত্রের

क्तुंत् वानासक द्वाराक्त मा।

তীত তো ঠা লোমার ব্যক্তিই কেমন সন্দেশ का क हत. व विकार के श्रम का मा तम हि, म ग्रे कश् । विकास मामा प्राप्ता किया । काम विकास निवा । १५% वहाँ पान किंद्र स्टार त्यांने ।

জ্ঞানহারতি, ব্রত্তিকে হন্ত শার্তন করিতে বিচে न्तरको , **अन्दक आतः हार्ड**, दे**रम्थार्टन**्रहं गीकु तस ह ८० াক্ষানি হয়েচে, ভার শার্ক কি হবে, চোর 🕶 🦈 পুলি আ**ড়ে। [া] ক্ৰীটেনি ্যতেই 'কেন দুকে**ক 'ইপ্ল' 👉 किल्लाको हिन्दा कथि किंक राज्ये मा स्वरित्रत आर कन्द्र सा व्यक्ति हाला कृष्टि हो

ল। দুৱা আর ওচাঞ্চ গেপন্স ওচিত বেল खकाभ करा।

महात्राखी एक मार्ट है अख्नेशक राज्य ए है। त व्यविश्वास संगद्धे जित्र**का**य **मा करेत्र** ५ कि ज्योग **स्ट**ि িবে। ভবে লগ ওশন স্থানি উত্ত কপন্তার বিক্রম প্রবাশ করে, মই জ্যা দেখিয়ে ই ও আপনার. যাত অংক্ষান প্ৰকাশ হোৱছি, জৈনি সাৰ চতুগুৰ কৰ कोत अकान अत्रुक्त आत्रुखें कंत्र्रेशनः के कि कार्यात्रात्र ঁতাই তে। শুন্তে গল প্ৰতুশ্বে^ত্থসীম সাহসে িপ্রপ্রাকে সংবাদ । লাভ বলেন তে তিন জ্যুল যুক্ত े मेचार्ड, जाशनी क स्मादी विस्म की अमरा करते प्रक्रि अश्ल कथन है मध्य नहेंचेन

(मेन्। (हिसा)

বিশ্ব (সভায়ে স্পক্ত) শ্বা, ্লেশ্ব চিট্টাভিত ভিতর

্ৰত্ৰত নেউটে, কাৰণে মেডিয়ে কাছ নাই বাবা, আৰণ্ড মুড় মুড়জিই হলে কাৰ লোকে আত নাৰ বাক্লে জনক কালা মিলবৈ, দেখা এনাম থেকে পালাই ৰ'বা। (প্ৰায়ান উল্লেড)

পাল। (বিদ্যুক্র আলি) তার (কাথা বার, কেংগা যাত, বদে, বলো, তোমান পনা যাতা আগতের বিজি।

শিক্। মহারাজ। মোও, গাহার করা লানার মাধার থাক, পেটে খেলে গিটো শগতে হলে, তাল আমার বিশেব অবশাক আছে, আলার আসচি। গাইতে ঘাইতে লগত । ও বালা। যুদ্ধ।

्यश्म े

्भोल। (१ स्वर हिंछत)

ন্ত। (রাজান চিতা দেশিনা) খনাকাল বানাদের
নিত্ত প্রত্ত প্রত্ত হবে ন'; গোধ করি সাজারন্ধকরি প্রত্ত করে ক প্রাপনার প্রত্ত করি সা
সালের। স্ত্রাণ স্থান্থ মুদ্রে কোন মার্ডিই কুতকারি
হল্যা যানে না। কিন্তু কিন্তু আমার আহনে বিবাহা হবে
থালে, আমি আসনার স্বনেক নিন্দু বাহ্নীয় নাই
বাতে আসনার মান্ত্র ক্রিলা বাহ্নীয় নাই
বাতে আসনার নিন্দু ক্রিলী হ'তে প্রিলি কিন্তু ক্রিলা
বাতে আসলা নিন্দুই বিনী হ'তে প্রিলি কিন্তু ক্রিলা
হাতে আসলা নিন্দুই বিনী হ'তে প্রিলি কিন্তু ক্রিলা
হাবে কে ক্রেলি গ্রেন্ত হ'তে কিন্তা ক্রিলার নারে.

भशारकोष महासम्हरके जीत्रात है है हिस्स दर्ग अक्राइड मेन नहरू ना ।

র্বাজান (দীর্ল নিংখাস পরিভাগে প্**র্বেক**) সূতা ও সমং ভোষার মনের ভাব প্রকাশ করে। আমার সাহত পায় ্ম কিলাই কৰ্তব্যা

ৰুব। (তিহা কলিব') নহাবাও !ুবলি গামর। ছব ৮০১ मलाष्ट्र भिवम १८६। विष्ण इंकिक्स, इ.स. होलाब के अर्द प्राप्तमान क्रांड भाषि, को श्राक्त अध्यान अध्याप मरमाराष्ट्रा पूर्व क्रिंड भारत, अर. भामवान धर्मे १८ নিংহের দপ্তির্ণ ক'রে কৃতত'র্ণ্য হতে শালি 🔻 🦈 কন্ত এরনতে একটি হাবিধা অবগ্রহার আনে न्माक्षी देल्लाकी ७ जामलामान वदीगा विजय । । यदिवर्धना देवता समितार्शादा दिन उस तथान করেছেন; অভিএব ৫ ই স্যোগ ভিন্ন ক্রকাণ্য হবকে আৰু আৰু দেশৰ উপায় নাই, চিবেচনা কলেন प्तापित्र पिर्दम अञ्च सूरक, बङ्ग स्थापकहे আগি,দের ্যু কপায়ত্ হ'তে হতে, আঁচ এ গিশ্চা टाम्टर (१८४६), लाइन **महीप्र** भिष्ट १३ देख्कान পাবে যে যুদ্ধের দিনজি এ করেছেন, কেত্র ্রারীদের সংবাদ দিয়ে দৈন্য জানায়ে তাঁর দৈনাগান পরিপূর্ণ ক্রিবার জন্য। তা হলেই আন্তাদের স্মৃদ্ অভিলাস विकल इरव

কৌল। (আনন্দিত হটুয়া) দুক। তোসান দি চমৎকার

কিরূপ পুন**র'ক্ষীবিত** করে তুর্নে, **ভাষি** এতামার ত **ত যুক্তিসিদ্ধ প্রাম্পে** নালুনে বলেই লিখনে চন্ত্র **হাস্ত পেলান। দুজ। এ বাংলি উত্তর পরামর্শ** চলচেত্র ভ ৰাগে অবিবাহে ৯তে প্রস্তুত **হও** ৮

। सहायात । केटम क्रान्य ना बाद्या जात्र शृन्दार निराप **हमा** कराब तिक्षतर भीग्रहनत अङ्गत्र शुक्तितील भग कर-লছন ফলা নীতি বিশ্বক আর্যা,কললে সংলোকের রংশ পরিপূর্ণ হলে :

🔧 দৃত। স্বকার্ক। সাগনে আন পশ্চাৎকা হিভাহিত १९८७७ कहाल होता नाम सार्थ हमा। भारेजन তুলি যে প্ৰান্ধ কৰা বালে ভাতে আন্দাৰ্গ আৰু কলা। দুৱ প্রতীক মুল্ল লেন এই ইপায় এলক্ষা ট্রন কারি किश्रा है उस की हैस्प होरक लाफ करो ए इन लाउन लाउन থ'--তুলি ক্ষণেণ পথজাতি বুর ক'তে ভোনার প্রতা-নিত কলের নিখিড আমানেও ভেছ যাওলে জনে। জুন - गृहसुर्गान व

বুত। সভাবত সংক্রে পালে এডিপালন কর কর্তি बाहि हिंख का वि प्रदेशक वारा अक्रमहिंस है লাপ্তায়ের সহিত্য একারার বিভাগ রাগে প্রান্ত্ পালেন হৈছি নাম খেলেমা 🕻 প্ৰয় কৰিছে পনিতে জ্বিল ডালে ক'লে। কলে। কলে নিৰুত দেৰে হঠাৰ ভোনতাটি এছিডি কালোল গাড়ত হালা পরামশ দিয়ে কোনেম কিন্তু মুদ্ধৰ সাঞ্চৰে কি কপেৰ বা অন্যায় খুয়ে গমন কৰব 📍 (চিন্তা

করিয়া) কারি বা দেশি দিন ক্রিপাশনার মন্তক্ত আগত।
আপনিই এখনর ক.জুন (দীর্ঘ নিক্ষাস গাইছ) ।
পুর্বিক) তা শা হুউক প্রেরন তো থাই।

July 257 3 लील । (प्रदर्भ किस्क खुगंड) श्रद्धाः स्था । १८४ र ্ষ্যাক্ত ভয় কৰি সা, তাঁর ইচ্ছায় সুমারীর সমলাভ চণাৰ কি গছল উপায়ই হ'ল, সবিল্যে অভ কল নে স্থাতিল হবে ভার আড়ি কোন সন্দেহই এই ট্রা করিনা) কিন্তু 'প্রয়ব্যসংকে সঙ্গে ক'লে নি এলতে, र्यात । **व्यास्थान धारमान कतिहात राग ।** तकु राक्ष्य । यद । া, থাকাল ভগতে ভগত হয় লাল ডাডেল লা বলা বিলা ও भन्न जन, जट ध्वको द्वार वह ८९६ क - ७। 👉 अल Cजरहर पनावहें थे थेकांद्र — वेख कार पर देंग रे पर फान्टाय पर करते कियाय आहे. सिवि कार्या स्थारे প্রকাশ করেছেন যে গাজারনগ্রের নিনাদ আঁত জগন্ধ ভাই কিছু যেশ্য প্ৰিমাণে লেখি দেখাই যাবে তা হলেই অপনা আপনি ফেড পণ্পবে ন য়াই, এখন মন্ত্রীর **সঙ্গে শু**দ হাত্রার প্রায়ণ काहें भी

[当實河: "

ভূজীয় গৰ্ভাঙ্ক।

लितित-अना पर् यूर्व रंक्स ।

(त्नभट्यः इत्यामः)

स्तरकाक्ष नतरतः रममात्रकाक कितास रममासम्बद्धाना । हेममा । जन्त ! क्रियारक क्षर ।

রণালা দীর্লকুলা ও ক্তিশার হৈল্যার প্রবেশার ও

रेमन्त्र । अप्र : ताला नीर्पक्रमंत्र क्या ।

(रेननागर नेत त्थर्गा प्रकार प्रकार प्रधात । १००३

পান্ধার সগরের ধেনাগ্রেন শান্য করিতে কবিছে প্রান্ধার শিন্য। জান রাজকুনারী ইরাবতীর জয়। (সকলের ত্রিনী) পদ হটারা দ্যোয়খনে।

्राक्षयुम्भाव गरमानश्च विशेषः, ब्राज्यक्ती नेत्रांवकी क्रान्

্ধশো ্ (ই চন্দ্রতঃ দ্রিপুসি ,) বালকুমারী। স্থাপ্নার। নিকিলে আমার পশ্চাতে দওয়েমান হউন । ।

(अ अकुपति, बाजा उर्धकार्यः ।

যশো। (রাজ দিংগুট ও সেনাপতির এতি জৌধামিত হইয়া) কাম নান রাজা দীর্থকশা १। শীর্ষ। (দভের নহিত) আনার নান কবি পুর্বে রাজা

्रीर्घक्षा ।

वटना के अने ताला नीर्रकून । जुने पनि यूटब अनिकार পাক তা হ'লে যুদের নিয়ম কুম কুম বুদ্ধ কর :

ার্ঘ। কিরুপ নিচ্ছ।

্ল'। প্রম্প্র প্র**ক্তিন বিদ্ধার্থ**।

গাঁই। ততি নাই; কিন্তু কিন্তুপ প্রতিজ্ঞাণ

্মিশে! সৈন্য ব্য ীত পর স্পর বৃদ্ধ শ্রন্ধ।

্ৰীৰ্য। (কেশ্যামিত হইয়া) কি । কন্ত লভ দেশ। গ্ৰহায় ্বির পুরুষদের সহিত ক্ষত শত্ ভীমণ্ড এখন

লৈন্য ভিম স্বয়ং কথন স্বৃদ্ধি ধার। কৰি। জল

্রী সামান্য মুদ্ধে করেই আবি ধারণ করে। তার ব এ প্রতিজ্ঞান আমার ইচ্ছা নাই। বি ন্যাই।

है। ऋग्दर ।

াশাণ অধি তাত্তিও সমূত আহি ৷ বিহু ভাল বাং , िमी**ष्विकार्गाना हा कि दू**षि है। पश्चिम । संबर्ध रहार 'यश' व्यद्धातन कात पुत्र कतः' धन्य मि ह्य. ४०१ ८ ি **রাজপণে প্রতিসীত হ**য়ে (ধ্যুক্ত লাগজে কালে, ব কেবল প্রজপান্ত কণ্ডিত করে মাত্র।

ভাগি **অংশ**সংগ্ৰহণ বেলা লেখে জোটে স্থাতি না भिरम काः साकाः ५ शास्त्राम् ५

रभा। याग रेस के भन्म।

ি (দেনুপ্তির প্রতি) নেল প্রি ছুটি নৈ ন গ্রিক্ ধুকে নিরস্ত থাক। ব্রণোধ্যন্ত বিভাগ করি আবি (मश्हिमा) भवाधम । अ । ज्यान ताग्रां के वस् भारम

्रिक्षित्रमान, क्रमणा थाटक निवादेश करे ।

- यरना (अञ्चलक हरेखा जानि स्पर्शतिया) आप व्याज । य षायात रहे पुरे नवरकात भाग ए'। उ लक्ष - नि ভাব কোন দলেহ নেই i
- দীর্ম্ম (অগ্রাপ্র হইয়া) স্কার তেরাকে মন সদনে সংগী दर्शन ।

('উক্তরেশ কোর স্থাপ্র-৮৩' শীর্ষ কুলের সংগ্রা

- মণো। (রাজা নীয় কুলের বল্লোপনি ইপবেশন পুনর হ 🗅 দীর্ঘকুশ। তোর অভীতি দেবলে গাঁল কর। এইবালে 🕡 তোর সমচিত শাজি দিই ! (বান ১০৮ জীবাধারণ ধ্যিণ হতে অদি উত্তাহান)
- हितः (फेटिक्स त) वास्तानाव । अत्र श्रीरा रू करतान न' लागण करहरू मा।
- খদে : (দীর্ঘ কুশাকে পরিত্যাপ পুকাক অনতি দ্রে मक्षायान)
- জেন্ত্র (অহি বৈন্যালয়ে লেজ) দৈনবহার লাবন জীবিত গলাতে নহাল এক ভূমিনে প্ৰিন ন্যাপ্ हेन १ काब ता. साब अवड इप । (अ) त्यानात्ता च्छात्र इहेग।) अस्, काइन्। अ मन्द्रत क्यू ।
 - মশো) (রাজকুদারিরণার জাতি) গালকুদারি [লাপনাদের একণে অমতিদতে স্বাহতি হয় কলা।
 - रेणु। तालक्याती । ता एमात या बद्धान ; अपसारमत जाह করাই কর্ত্তবা i
- িইবা। প্রিয় স্থি তবে চনুন;

ि । अञ्चली बदान आकृति ।

कर्पक विश्वतिक देश ।।त अ

हेमत १६ । (शाकाबनगद्धक क्रमनात्रम व्यवस्था स्ट्रिता । सर

श्विता व्यक्त द्वेत ज्या।

(উड्ड टेनटनझ विभूत्रज्ञास्त्र मुक्त काविष्ठ छ १०००

स्मार्थिक किल्ला देवराच प्रकार के क रिमहमात्र भागमान कार्य भागमान गणात्र कविकः,

देमना साद्यात भागात नामहोर सामझान है

দীঘা (সজোৱে গাজোগান কৰিত চেকা নিয

व्यक्तिरमय !

य ना । (शाक्षात्रमशद्यत्र देशमध्यत्र श्रीष्ट । तम् अश्रीष्ट । श्वा व्यक्त वन एकाम करका हिलाक पूर्व वक्ष कार्य गिरिटत व्यान्यन १६, का व व व व व हार्य हिल्ला ।

देशना । स्य व्यास्त्रान

! FLINTER PRECED LITER !

(रेग्ना बरहुव नेर्ड कुण दक वक्का की प्रा महिला नक्षात्रव श्रीकृष्य 🖖

চতুৰ গ্ৰন্থ

্ৰেথম গ্ৰাক্ত

'खान्द्रत महाबाही' दूस करू

় স্বালকুলার বাশোবাস্থ সিংক্রাজকুলারী ইংবিটা ও রচটো। ইন্দ্রগতী অংশীল।

ষ্টো। (ইরাবতীর এতি) বাজক্ষ। । বিশ্বর গোটা সংক্ষার মধ্যবর্তী হ'লে, ক্ষিক্তুলিকের নাল্ল ক্ষেত্তির বিজ্ঞান কর্চেন; অমন সময়ে শিল্প প্রিভালি প্রা বিজ্ঞানের যুক্তি বিধ্ হ্যেচে গ

ইক । রাজস্কার । অকারের সামার অন্তংহর । গোলার জালালাকে বারায়, কমনী । স্থার অবস্থা কর সাক-ার বালে আশারক এই কাইদায়ক স্থানে নান্ধর বার্থ স্থানি স্পারাধিনী হ্রেলি জালাকে জন্মকর্তান ।

যশে। বিশেকুম,রি। ত্রাকানেদের -হিচ রুজে পরিষ্ঠিত করাজে জামিই দাজিলাঃ র'ও লাচে চার্ডি আপেনার। জীলোক আমিলে জানেক ্রডো গুলে এটাও হ্রোচেন আপেনাত্রর ভো অধিক কট হলারইনিস্তান লোল করি বি ভানিমিন্টই অপেনার চিত্ত চাঞ্জা হলে পাক্রে।

कक् अन टेल्ट्स्स लार्डन

দৈন। রাজকুমারের আত্ রাজকুমীর বেল্পার। বিভাগ প্রদূর উপতিত বার্কুন দেরতে বলনাবস্থা, করা যাতে १ পরিগ পাসার ব বা জনা কেন এ নার করা যাতে १ পরিগ পাসার ও পাহারা দিরে কাল অ তীত হচে একলৈ লকল প্রহর রা পাহারা দিলে পাছে না, পরপ্রের প্রহরীর বর্দল । তর্ম তো আলাকে আহা দি ভার কোন উপায় বেখা যালে না, ব এব আপন দের সা অভিতার হয় আছে। কালন ।

ইন্ (গ্রাজকুলা এর প্রতি গ্রাফকুমার নেই পাপামার জীনে বিহা করা দা বলা একাণে া নাও পর নির্ভিত্ত করে, তবে কেন্দ্র গ্রাজাকৈ নির্ভিত্ত করে, তবে কেন্দ্র গ্রাজাকৈ নির্ভিত করে হ বিলম্ব ক'রে এ প্রকার কঠি সহা কর্তেন । স্থা প্রকটা বিচারে অনুস্থিতি কল্পন্

য়ালো। কুমারি যদি লাজকুমারি, দেউ চুক্তি ক প্রান্ত বিপ্রবিশীকর তে আফাল বারা না দিছেন, ক লাল ভাল প্রতিবে কণ্ডবিধান কর কর্তিন, তা ১ ৩৩ চনন সংগ্রন্ত বিশেষা কর্তেই নাল (সৈম্মান প্রতি নাল দর । কুশ্বে সেই ভারত্বায় এই খানেই আনম্যা কর

শ্বেম। 'থে অভা রাজকুমার।

4, 1,

ক্ষা বিশ্ব ক্ষার। সেই নৃশংকের অভিনতা দুল্রেই এ ত ই হউক অথবা নিয়কোন ক রণ বলত ই তিক ত ই হউক অথবা নিয়কোন ক রণ বলত ই তিক ত হতে নব্যতালাকে প্রত হল নাব'লে প্রাণ দণ্ড তার শক্ষেত্র কুতি বিবেচনান, ছাব ছীবন ব লা কর্মান আশনাে শুসুরোধ কােছিলান বিশেশ। রাজকুমারী। ঈশানের শাসুগ্রহ বাতীত সেই পার্যক্ত কথনই রাজপদ প্রাপ্ত হব নাই, কিন্তু তার পাত্যম সহচর সকলকে নিষ্ঠু রাচরণ শিক্ষা দিয়ে ইশারের আলা কিন্তু কার্যা প্রস্তুত হলনের নিনিত্ত পাঁশও নক্তিনা ভাগে, প্রাণদক্তে দল্লনীয় হয়েছে। গতান্ত দেই ক্সভা পশুসম নরহত্যাকারী সহচরদের নাযুদ্ধ দিয়ে হীর্থা-ভূশের প্রাণদক্ত করা উচিত ছিল, কিন্তু সে বাহ্য হত্যি বিশ্বর কার্যের মুখান্দোকনেও পাপ জালে, সার্হী

প্রকণে কি করা কর্ত্তব্য অনুমতি কর্তন :

সুই জন নৈন্য সহ প্রকার ক্রান্তি :

রাজা নীমন্দের প্রাবশ

- ইর্। দ্বীগ্রুশকে প্রেইরা) রাজন্ত্রার ্ এই নিস্তুর্ যখন আপনার প্রথমিত জোনানল হ'ডে পরিভ্রাণ। পেয়েচে, তখন নিব্যাণ জোনে কি আন প্রেই হ'ডেব ন বা হয় একটা দও বিধান করুন।
- দীর্ঘ। (আক্ষালন পুক্তক ইর বতীর প্রতি) ক্রেগ্রানন্ত্র
- যশো। রিগালিত হইয়া দীর্ঘকুশের এতি। বি । নানি ।
 শাচ স্থাধীনতা অভাবেও তল্ডন গ্রুম স্টে তে তেনি
- দীর্ম। (মন্দোরন্ত সিংলা, প্রতি) আন্দার প্রায়্থীন দেছ্ট প্রাধীন হয়েছে, জনার আখীন অন্তঃকরণ কারও

空雪區!

্ ইন। শোন, দহিক্শ। তোমার এ অবস্থায় শুগা এর नगुद्र भवत्व क्रिय ट्यान क्रितं छात् सी यमि ट्यामक्र ्र , की गढन व का लागाना थांटक, तांकक्षांत यटना तन पंतर एवं अंदोनंड नीकांत्र कर्द्ध (खांगांत्र आधि शृक्षांत नरह छ। आप द्वार का छ द्वा

भिद्धे। (शुन्हास देवानजीव खुड़ि) ति स्थीन । राष्ट्रीय अतील ? क (क १

· कें। इन्कक्षांत्र गर्भावस्कृतिः रहतः व्यक्ताः निध्याक कर्याल शहा दिल्ला करण १ १ १ १ १ १

, बीर्ट । , मक्तक विन्द्राविश्वा विश्व है र द्विश । वार्ट শ্রি মল্ হয় না ! পুনরার ই প্রতীয় ইপ্র । বং ्रे १६ (१८) मुखबीभर, साइश्व (१६ ५८) ५% ० বংশী হয় তথাচ খোনার অক্স রণ্ডে ত্রাও ভা কীয়ে,র न्तारंड (कर्टे कथा १७४१) राज गाउँ। गाँ। ্ৰক্ষাৎ ধনপুৰ্বাক ভাষ্ণপাতিয়া উপবেশন ুৰ্বাক . यदमानस मिल्टक्स (क्रिका) आस जोकान मूख्याञ्चलस्

कत्र यात्रि यात्रीम बाह्यःकवर्ष कीवः शतिलारिः,

মশেন (ত জারে গাল্ডোপান পূর্বক দীর্য কুশের গুতি).. ্ৰাশ্যা আখাল নৰ্ব পিও জোৱানল এছনিত না ाः इर्ड्, एच । ए वाड क्यांतीत बास्त्र अहितानन के निर्देश देश परि स्का गाँ

िष्यु के कि विश्व ध्वाष्ट्रात : भागक । बाह्य विशेष बीटारी एक माला शक्ति। त्राम्य मार्गार्थ । हे । जित्ते वृष्टिशास

[उम, गर्डाक्र ।] देशांवडी नांचेका

বশো। কি ছুর্ভ নবপিচাশ। যে প্রজীর ফল্য, দ্রে দ্রু তল্পন প্রস্থান্ত প্রেমের দীল বপন হয়নি, সেই জীন কুৎসা। (সজোরে দীর্ঘকুশের শ্লীণালেশে হার প্রহার) যাও এখন নবক কুণ্ডে দিয়ে তেন ফল ভোট কর।

The state of the s

(四年四月) 四樓田 (廣)

ষিতীয় গ্ৰহাই।

সমূত্র তীয় --- - ব্যাণিত শিবির।

রাজকুমার সন্দোশেন্ত শিংহ , রাজকুমার স্থানিত শিংহ ।

শুকুমারী শুকুমার্তীর প্রবেশ।

ইন্য (বংশাবন্ধ নি ছ'ছ ইরাবলীর প্রতি) আসনারা এক্ষণে অস্থানিদান করে খণোড় বিভান করেন

ইরা। প্রিম্পনার উচ্চ এখন । জানুকর। জারণ্কং

हैन्स्। ताकद्भाति। शालानाता अद्यो शर्याणस्य भाव हेश्हर्-रूपं क्रूम, आधि क्ष्रू पालेनाइनत लग्नाम शामिनी कृष्टि!

্ট্রা গ্রাককুমার। তবে অন্ত পরিত্যাগ ক'রে উপাট্র কর্ম কুমুন।

বংগা হ। শব্ধ পরিত্যান করা একটো করিয়। । প্রব

পরিত্যাগ করিয়া) রাজ্যুনারি । অপেনারা কে আমা অপেন্ড। নাতিশার রাত হয়েছেন জাল । । । সন্দের নাই, অতএর আপিনার। নিরুদেরে বিশ্রাম করুন। চিন্ডা করিয়া) সেই রক্ষের বলাল আনার অত্যন্ত ভত্তাপ অনুভব হংয়াতে । তি হ হ,জ আরম্ভ হয়েচে, কিন্তু পুনরাণ শিবির মধ্যে ৩০ জ ক'লে আবার দ্বিপ্তন সন্তাপ বোল হজে। এফণে এ বলন্ত মাতুর সন্ধান স্মীরণ সেবন কণ্ডে পানার নির্লালা আউশার আজলায় কর্তে, আলালা লমু এই শরে অল্পম্যার জন্য নিক্টিস্থ বিশ্ব তারে জন

- মশো। রাজকুমারি! আপনি আমার বিশ্রামের ক্রিষ্ট হৈ রপ আনেশ কর লেন তা আমার পক্ষে শ্রেয়কর বটে, কিন্তু আমি বিবেচনা করি, যদি ক্ষণেক বারি কিল্ বিহিটিত বারু দেবন কর্তে পারি, তা হলে আমার চিত্র প্রকৃত্রি হবার বিশেষ সম্ভাবনা, অত্রব আপনার অমতের অতি অল্ল সময়ের জ্নী আমার চিত্ত শিবির পরিত্রাপ কর্তে ইচ্ছুক হচো, অক্রোধ করি আমার গমনে বাধা না দিয়ে স্মতি প্রদান করকন।
- ইরা। রাজকুলার ! যদি আপনার নিতান্ত একাকী ভ্রমণের ই অভিলায হয়ে থাকে, আমি আপনাকে বাধা দিছে, অভিলায করি না, কিন্ত সাবধান রাত্রিকাল উপস্থিত, এবং অতি নিকটেই খরণা,আপনি অতি শীভি শিবিরে, প্রত্যাগমন কর্বেন, বিল্ব কর্বেন না।
- বশো। রাজকুমারি। এই শশানসদৃশ লানে আসনার । আজয় ভিন, অন্য আজয় নাই বে আপনার নাকিন্য, । শিক্ত হ'লে কথায় অবস্থিতি বর্ব। আপনি নিশ্চিত্ত গাকুন, অতি শীত্রই আনি প্রত্যাগ্যন কর্ব।

(প্রায়ান।)

ইরা। (ইন্দুমতীর প্রক্তি) প্রিরস্থি। রাজকুমারের অভিপ্রায় কি কিছু ব্রু তে পার লেন? আমার তো বড় ভালে। বিবেচনা হচ্চে না। আমি জ্রীলোক লজ্জাক্রমে বার্র- বার বারা বির্বাধী দিতেও পার লেম না। কিন্তু আমার শরীর অভ্যন্ত অভ্যন্ত বিধে হচ্চে, আমি ক্ষণেক বিপ্রাম কর তে ইচ্ছা করি, হার আপনার ইচ্ছা হয়, এবং কোন

কট না হয়, অনুগ্রহ পুক্ত রাজকুমারের পশ্চার্থানি নিনী,হলে বড় ভাল হয়

রাজকুমারি! আমার শরীরে কিছুমাত্র রেশ নাই, আপনি বিশ্রাম করুন, আনি রাজকুমারের পশ্চাদগা-মিনী হলেম।

(প্রস্থান।)

े ইরা। (ই তন্ততঃ দৃষ্টিপাত পূর্বক স্বগ ছ) আমাদের তো আর এক্ষণে কিছুরই আশক্ষ নাই, তবে কি কারণে খাসার এত অক্তথ বোধ হচে ? ভাল—আমার অন্তঃ-করণ ক্রমণ চঞ্চল ভাব অবলম্বন কর্চ কেন ? ত্রিভু-ধনের সকল দ্রবাই আমার তিক্ত অনুভব হচেচ যে ' (চিঙা কি.মা) যে রাজকুমারের সহিত পূর্ণে অশে-ুদ্ধচিতচিত্তে আলাপ করিচি একণে তাঁর সহিত কংগ পর্কথনেও লজ্জা বোধ হচ্ছিল এর কারণ কি ? েয়ে ছুরাল্লা মদন আমার হৃদয় মন্দিরে প্রেশ ক্'লো তা অনুগামিনী হতে বারমার আমাকে তাড়ন কর্চে; এই অরণ্য মধ্যেই বা ছুরাত্মা কি প্রকারে জামার হতু ্ সন্ধান কর্লে গ আমার তো রাজকুণারের অনুগামিনী 😯 হওয়া উচিত নয়, একাণে কি করি, কোথ। যাই, কার শরণাপম হই, কার দায়াই বা প্রান্নাকে হৃদয় হতে 'বহিক,ত'করি ? 'দেখি দেখি একটু শুলা করে দেখি, যদি মিডাদেবীর আরাধনা কর্লে নিষ্ঠুরের তাছনা হতে পরিত্রাণ পাই। পর্নকোপরি শয়ন ও চ্ছু মুদ্রিত করিয়া পাখ পরিব^{ত্ন} পূর্বেক) উঃ একি হ'ল

b 3

নিজা যে কিছুতেই হয় না, চকু যুক্তিত কর্নীই বৈ
চক্ষের পীড়া উপস্থিত হয় গ এত দিশে শত্রে আশক্ষা
সংহার হলওে শয়ন করেতি, তাতেত নিজাতে
হলেতি; ছরালা মদনের কি এত দূর এতা বিজাতি
দেবী তার ভয়ে আমার প্রকুর নয়নে অভিনয় হ'তের
আশক্ষা কর লেন গ উচ-লাবার সালিশ্য লিখেনা
পাল্যে, একটু জল খাই। (গাজোখান গুর্লক) আমার
শালাকত স উপস্থিত হ'ল যে ? (দূরে গমনান্তর জল-পান পূর্ণকি প্রায় শয়ন) এ নার নিলা আশ্বেই
আশিবে। (চালু ম্দ্রিত।)

অদক্ষিত ভাবে কুমানী ইন্দ্রাতীব প্রবিশ।

ইন্দু। (চিন্তা করিতে করিতে স্বগত আত যে রাজকুমারী অনারাদে আমাকে রাজকুমারের সহিত সমুদ্রতীরে বিবাহের অনুমতি দিলেন! বলেন আমার শরীয় অল্লন্থ হুরেছে, আমি একটু বিল্লাম করি, কিন্তু শরীর অল্লন্থ হলে আমি নিকটে থাকলেই ত গুরুহবার সন্তাননা; এর কারণ কি ? আমি তো কিছুই বুনতে পার্চিনা। (চিন্দা করিয়া) গোপনে গোপনে এক বার দেখি রাজকুমারী নিজিত কি না? (যাইতে অগ্রনর ইরা রাজকুমারীর স্বর আগণে গোপন ভাবে এক পার্শে দণ্ডার্গান।)

ইরা। (স্বথাবেশে নিদ্রা ভঙ্গে) স্বপ্ন! তুনি কি এই বন বানিনীর হানয়ে অত্রাগের পথ দর্শক হয়ে কৃতকার্যি হলে! কি দৈব ছ্রিপাক! আমি \তা জ্ঞানক্ষ

H, 441

কখনট ইত্রির ইখাতুভব করি নাই, পিতৃকুলের কলক প্রভাশা করি নাই, তবে আমার বিদ্যা শিক্ষায় अशिनटा नाएडत कि अहें यन मनितः हा पृष् প্রতিভ তুমি এখন কোথায় : তুরাঞ্জা অনঙ্গের ভালে অন্তর হ'তে কি অন্তরিত হলে ? জ্বাসনে তেগমা বাদীত ভার শাসন হতে পরিত্রাণের ছার কোন ^{হিপাল}েদ্যুচি না, শীল পূর্বিমত হৃণয়কে চূচ্তৰ কর; বার্ড । ছবাতারের শাদনের নিমিত অদি ধারন কর; নটের কুলম্ব্রাদা রক্ষার আর কোন উপায় নাই। অন্স েব ! অনুবাগের সময়াসময় বিবেচনা কর্লে না; পাত্রাপাত্র বিবেচনা কর্লে না; সেই জিতে-জিলা লাজকুমারের স্থায়ের সমিহিত হ'তে ভূমি সাহদী भारता, आमि अं'रनार आमारकरे करें मिल. ত্র ৭ সোমাদের সকলেরই কি এই অভিপ্রায় হ'ল গু (টেটে দুটিপাত করিয়া) ওঁই রাজি তো অধিক. হানতে, কই রাজকুমার তো এখনও এলেন না, তবে কি অ: নি চতুন্দিক অন্তেষণ ক'রে তাঁর দ**র্শন লাভে** নানর আবেগ নিবারণ কর্ব ? না-তা হ'লে িল গৰির মনে খুন্য ভাব হবার সুভাবনা, তাঁর নিকট্ এই মাত্র অহুস্তা প্রকাশ করেছি, আবার অল্প নয নের মধ্যে হ্রস্থ লাভ করেছি কি রূপে ব্যক্ত কর্ব ? উৎ এখন যে রাজকুমারের অদর্শন তাণ আমার হারয় विगीर्व कत्रुटि ।

ি ইন্দু। (সংগত) রাজকুমারীর অস্ত্র হওনের অর্থ তে। নিজেই

त, मर्जाक विश्वासकी मर्गिक।

বাস্ত কৰ্মে (ভিন্তা কৰিয়া) আৰু কট পেনা

যাল ক্ৰিন্তা প্ৰান্ত প্ৰদান কৰিয়ে (বাজ্যুলীলীর

াবেশন পূন্দক প্ৰকাশে) বাজ্তুল

া বিদি ক্লিক্তি ভাবে, এখন এখানে

া এন, ভা হাল ভো আপনার মন্দ্র সাতনা

া বিদ্যাল পার্ডেম না, আপনার ক্রিমান

া এই তো উপযুক্ত উম্পের জানেলা কি আলা

া এই শিছা হয়েছে? আনি বালীত আপনাল

ভাব প্রকাশের উপযুক্ত পাঠেও লো আবংত হ মা

ছোল যানালিব পুত্তক পাঠেও লো আবংত হ মা

ছেন যে মনোছাৰ প্রিয়ুপানীর নিন্দ্র লালান প্রাথাকে

ভাবের অনেক উপাম হয় গু তবে কি আলান প্রাথাকে

প্রেয়াল গাঁবিবেচনা করেন না প্র

শ্রের করের সাহার চিত্ত নহার আ চলা হও লামার চিত্ত নহার আ চলা হও লামার চিত্ত নহার আ চলা হও লামার বিক্র জানার মানাভাব বাল করের সহস্য করি নাই। (ইন্মানার হত্ত ধারণ পূর্বার করে লামার প্রির জালা না হিল্মানার হত্ত ধারণ পূর্বার করে লামার ক্লিক ভাগে ন হার্বার করে লামার ব্যার ব্যার করে লামার করে করে আনার করি করে আনার কর

देशवधी माठक

...

বাঁরে তাঁৰ অধীন হয়ে পড়েচে, অধিকস্ত তাঁৰ আদৰ্শনে আমান আন্ত ভ্ৰেম হচ্যে :

্বির্ভিত্নতি চক্রোদয়ে যেমন জলনিধি প্রকৃত্ন र्य, भाज योशनोत मान गमाज विकक्ष अधिका ভাষের ভাষ উল্লাদেথে আমার মন মেই রূপ অংহলা-দিও হ'ল কিন্তু আপুনি যেরূপ অনুভগু হয়েছেন দেশতি, সুরাপ তের হওয়া উচিত হয় না। রাজকুমার লে, আলাপুদর নিকটেই উপস্থিত আছিন, বিশেষতঃ আগেনি জার আনে রক্ষা আরছেন, যদি ঠার নিকট व्यापार महत्तार व मचक वाक कता गांग हो हरन তিনি ব্যানই নিএছ কর্তে পার্বেন না। সার একণে রাজকুষার সমুদ্রতীরে জ্ঞমণ কর চেন, আমি তাঁর অনু-শ্ৰম করাইশাহর্কি না ভা তিনি অনুভব কর তে পার-লেন না ভার ভার ভক্ষি দেখে বোধ হ'ল বেন কোন ভাগারি তার হার চিত্তকেত্র অধিকার করেছে, বোঁধ হয় লাপারি নায় তাঁর ও অন্তঃকরণে অনুরাগ অল্প-রিভানায় ধাব্রে; বৈর্থা হন, অত্রে বাক্য কেশিলে ভীর মনোভার অবগত হই, তার পর আপনার মনে -ভিলান খাতে পূর্ণ হয় নে জন্য ভাঁকে বিশেষ অভুরোধ : কর্ব।

ইরা। প্রিয়নখি! সহসা আশার মনোভার তাঁর নিকট বাক্ত গরতে লক্ষা বোধ হচে, কারণ ভিনি আমা-ের শান্তিকই আমানের আহা পরিচয় প্রেছেন, তাতে মনি তাঁর প্রভায় নাঁহরে থাকে। আমার এই গহিতি প্রতাবে যদি ইতর কন্যা বিবেচনা করে ছুগা কাল্যাক্ত তা হলে কি হুলে।

। ইক রাজকুন,রি। যথন লহা সকল, বোন একটা রুফ বেইটন করাত ধান্মান হয়, তথন দিনকরের তিরণ হ'তে স্থীতল হলার জনা রুফ সকল ও লতা স্থিত হ'তে সভিলালা ভিন্ন কথন সনিছে। প্রজাশ করে না। সেই রাপ লোগ করি তিনিও স্থাপনা, মত সভ্তের হয়ে ঘুক্ন ন সভাবৰ স্থানার এল্ডাই হ'তে মৃক্ত কর্তে িনি স্থাই আন্নিক্ সভ্তালয়ে

ইর'। প্রিয়স্থি। তবে রাজকুমার এখন কোথার আন্তন ?
আমার মনে দে নান। অমসল চিতা উপস্তিত ২০চা,
আমার দক্ষিণ চকু স্পাদ হ'তে আরম্ভ হ'ল কেন ?

ইন্দু রাজকুমারি! আপনি একটু অংশকণ করুন, জামি বিশ্ব অবিলয়েই এখানে আনান কর্তি পার্থকের বিশ্বস্থানে বিশ্বস্থান

ইরা। প্রিগাখা: ভবে আনি প্ররায় শায়ন কর লেন। (শান।)

ইন্দু। গোডোথ ন পূর্বিক গমনে উনাত হইসা অগত)
শোবন কাল অতি বিষম কাল, এ কানে ১কলেরই
অন্তঃকরণ কারে জলতরংক্ষর ন্যাল বলন যে দিকে
ইচ্ছা ধালমান হয়। স্বাং ভগলান তার গতি রোধ
কর্তে কাল্য হন নাই ব্যাহ্মাণী যে জনক বেদনাম কাতর হায়চেন, এতে এন কিছু মান্ত অপরাধ

নাই, একে তে। উপায়ক পাত্রেরই অনুগামিন) হ র- বুঁ

চেন, যাবার প্রেম অনুসারে ঈথরের নিয়ম কথনই

শুজন হয় লা — আলার ও অভাকরণ সদাসকলা রাজ্জনার মানি হানিং হের জনা দয় হচ্যে—তা কি কবি।

(রাজকা নিকে লক্ষ্য করিয়া) এর প্রতিজ্ঞা হেডু

কেবল নিও দিন আনার যন্ত্রণানল প্রতেও গোপে
উদিও হ'তে পারেনি। একাণে লামার ও রাজকুমারার নাম হগরে নিপান্ত মন্তালনা, কারণ সংস্
পার দুলিও সকল ঋপুরই প্রবল গতি হলে থাকে।
এখন নিই। রুজিকুমারীকে তো অপ্রেম নাম নাম কি

বার তেন্টা করি ভার পর আখার অনুভার কোরায়

কাহ হবে। দেখিগে রাজকুমার কি অবভার কোরায়
আহেন।

র এক দিক দিয়া প্রস্থান।) আন্তার দিক দিয়া যশোবস্ত নিগ্রের পুনঃ প্রানেশ।

যশো। (সংগত) কি আশ্চর্যা। অল্লকালের মধ্যেই যে আমার মন বিপরীত ভাব অবলম্বন ক'রে পরের অধীন হয়ে পড়ল সম্দ্র তীরটা এই সময় অতি মনোহর এই বিবেচনা ক'রে রাজকুমানীর অদর্শনে মনের চাঞ্লা নিবারণ করিবার আশায় অমনার্থ গমন কর্লেম, কিন্তু সেখানে এরপ ঘটনা সকল উপ'ল্লক হ'তে আরম্ভ হ'ল, যে আমি নিজিত কি জাগারত একাকা কি কুমারা সম্ভিব্যাহারে এ সকলের কিছুই বির চিত্তে অমুধার্থন কর্তে পাছ্যিলাম না; যে বিকে

দৃষ্টি গাত করি কট গেনেই ব্রাজকুমারীর রূপ সাংগ্রেছ প্ৰথৱিম গ্ৰাং প্ৰোক্তন ক্**রি**টা যে দিকে মীরী বেশ কলে তেওঁ চিত্ৰ কৰে বিশুদ্ধ সভাবে ব চিত্ৰ ি ে অপরিচিত ক্তি ÷ শুরু ভানতি বিভট আলার মনোভাব स र १ के जिल्लाहरू विश्व किला **व्या**ख অভান্ত লক্ষিত হ'লে ২০০ 💡 🤇 দী**র্ঘনিঃখা**স ं क्रिया) शतरमचत 😘 🖘 पूर्व क्रियेंक्ट भेत श्रीदास चार्या के वार्तिता ০০ ১ করে এই রূপ সন্তাপিত ক বলত না ক্রেল ागापं ভাগে है करे जाय घटेंग ? महति लेका वह মতিমা ৷ (রাজকুমারীর প্রতি দৃষ্টিপাত করিয়া চালের প্রতিবিদ্ধ রভে চুমারীর গাতে পতি ত দেখিলাকা শহর্মা चित्र हरेता। ७कि । स्वयः इन्त्रस्तत ६ कि साम्बर्गणः • বীর প্রতি অসেক্ত হয়ে, আমার প্রতিদক্ষী হলেন। ্তৰজ্ব লাখি করিয়া) র জেক্ম রা দে এবা নিত ্লচ্চেন্ পুৰুষ্কী কোথায় গেলেন্ গুডাইটো উচ্চাটে य निक्रवर्की :क. न्यान (एश्टल शाजि ना - अन কারণ কি ১ (ভি ডা করিয়া) বোধ করি বিশেষ প্রয়ো-জন বশতং নির্জন ভারেই গমন করে পাকরেন এথনি প্রত্যাগ্যনের সন্তান। (রাজকুমারীর দিকে অগ্রসর হইয়া) রাজকুমারীর অদর্শনে অভ্যন্ত গাভনা হওয়ায় ममनाएउ द अकूमातीएक पर्यन कत्र अलाम, जा आँक য়তবার নিরীকণ কবি ভতই মনোমধ্যে এক অনির্বা

চনীয় ভাগেদর হয়ে কটের হুদি ব্যতীত তো হ্রান 🕝 ঁহালে মান বাবে বৈচা আর এঁএ নিকট সব্ভিত্তি কবুলোঁ। আ মংগ্ৰা মহিল শালনায় নগতিৰ হ'তে হবে, কারণ এ শিশুরা কা মিনীর উপয়ুক্ত পাত্রে আনি কোন ক্রমেষ্ট गहे, वत औरलाक हता खामात अने तका कहात. অংগাকে কুরুবাধম অ্লুঞ্ন করেছেন, তবে আমার একণে বাছকুমারীর সূমভ খেমলাভের শাশা পরি-ভ্যাগ ক'রে এখান হ'তে গোপনে গোপনে প্রাটান कताहे (अतः) । (जनाव) श्रम भक्त अनिता न स्मित्त मृथिया 🛎 कतिया) 🖫 🌓 🍎 १ (१ ५ क.) . राया छ, व्यक्तां अपूर्वत मात्रि मात्रि मात्रे कही हर गर्दा है। एक प्राप्त স্পর্শের আশা করা হয়েছে-রাছকুমারী এলাকিনী নিদ্রা যাজেন আর এত দীর্ঘকাল শিবির মুগ্রে প্রব-কিভি কর্চিঃ এই বুৰাকুমারী আদেশেন 🔈 এখনি ভ অত ভ মূর্বলা প্রকাশ হবে; (সমগতে মাই ত আগ্র-मह रहेशा) এই প্রস্থানেই একেং,রে জ্যান হ'তে প্রেম্বান করা উচিত। হা ভগবান : সেই শিশাটা রিমা-তার জন্য আরও কত ক্ট সহ্য কর্তে হবে।

(智賀14 1)

ইরা। (পুনরায় রাজকুমার যশোবন্ত সিংহ ক নিজাবস্থায় স্বপ্নে দেখিয়া চকিত ভাবে গাভোখনে পূৰ্বক উট্নিডঃ-স্বরে) রাভকুমার! র;জকুমার! এ ছু, সহ যন্ত্রণায় নিমগ্র ক'রে পলায়ন কর্বেনুনা কর্ বেন না (পুনরায় শয়ন।)

(१४, मेंबीच ।) विश्वविक मेरिक।

अभवारण कृषाति हेण्डु व्हें इ औरवर्ण ।

ইন্দু। । পর্যাহ্বাপরি উপরেশন ও রাজকুমারীর গাংত হস্ত মার্ক্ষন করিতে করিছে। তাঁক। একি। কি সর্কনাণ। রাজকুমারী কাজন গ জলগাং এরপ হওনের কারণ, কি!

ध्यक्षत रेमर्नात शहरू

্ইরা। বুনারীর গ্রীবাদেষ ধারণ করিয়া বক্ষাস্থাত মন্তক অধিয়া লক্ষা ও ভয়ের সহিত্য হা বিশাস্থি। স্থা---

ইন্। (গৈনের প্রতি) দৈন্য, ব্যক্তন লইল শাছ বাতাস আরম্ভ কর।

দৈনা (যে আজা । (বাজনগ্ৰহণ করিয়া বাতাশ আৰম্ভ ।)
ইন্মী। (ইরাবতীর প্রতি) ছি । ছি । একি রাজকুমারী স্বপ্রও
াকি কথন নতা হয় । তা হ'লে মনুব্যের অদৃট জানবার
আর ভানেশ থা চতনা, এই গে আম প্রায় প্রত্যহই
ভোমার ভ্রাতা রাজকুমার মহাপ্রশিংহকে স্বপ্নে দেখি,
ভাকি সভা হয় ।

ইরা। প্রিরস্থি : সে অথ আবার মনে হ'লে। অফোর হারর বিদার্শ হয় ! (শিহ্রিয়া উঠিছা রোদন

ইন্ রাজক্মার । সাগনি এ চনুর বিবেচনাশ্ন হলে, এই কঠি হ'তে কথনই শান্তি লাভ কর্তে পার্বেন না। এমন কি ভয়ানক স্বপ্ন দেখেছেন যে সাপনার এরূপ সংসই কঠা হচেচ ! ইরা। প্রিশস্থি। আফার নিকট হ'তে আপনার গমনের প্রশ্নিজার আবিভবি হ'ল—নিজাবস্থায় স্বপ্ন দর্শন কবলেন বেল রাজকুথার আমার নাম পীড়ার বালিজ হয়ে, আনার নিকট আগমন করেবিলেন।——

ইন্দু। ইয়া –ভার পর কি হ'ল ।

ইরা। খিলনপি। ভার পন ভিনি যেন কাফার তেজনাত ভার প্রেক **ভূগাশা মনে যনে ছি**র কবলাল । রেন্দ্র

ইনু। রক্ষারি। কেন এত অধৈতি হতে । কু টাই কি ধলুন। এখনি তার প্রতিক্রের তেতা করচি।

ইরা। প্রিয়স্থি তেরি পর বাসকুমার সামার মনে । একবারে নিরাশ হয়ে, থার আমাকে পুনরাধ কনি কান্দ্রন না এই রূপ প্রতিজ্ঞা কর্লেন, জার জননি আনি নিরাবিশায় রাজকুমারের গমনে বাধা দিলার জন্য ওরূপ চীলকার করে উঠলেম। (সরোদনে) অল্পান যে ভানক আনমন কয়তে গিয়েছিলেন, তিনি কি
এনেতেন ং

ইন্। (বৈনেরে এতি। দৈনা। তুমি বাভাস দেওনে নিরস্ত হয়ে; অনিয়াম শিনিরের পশ্চিমাংশে রাজকুমার্ডেশ অমের্থা করে এদ।

দৈন্য। যে অংজে ক্মারি ! (বাজন রাখিয়া যাহিতে যাইতে অংডে) কি বিশদ—প্রায় মাসাবধি দিয়াবাতের মধ্যে তো, পর আংকায় একদণ্ডের নিমিতে ও বিশ্রাম করি নাই, এখন কোথায় সে সকল আংশহা হ'তে

উত্তায় হওলা নিয়েটে, সময় সময় এক পাৰ প বিজ্ঞান ্ জালে, ডালাছয়ে প্রেবর চেরেও 🥍 😥 জেপটি: ভাষ যদি ভোষার প্রতিজ্ঞা রক্ষা নাই করে । পাণ ব ভবে কি জনো এরপ প্রতিজ্ঞা করেছিলে ? ৮২ টো অভিজ্ঞান কৰা প্ৰকাশ হ'ল --এই ভ্ৰানিক কৰাই এক क्रम ्क थाकात एक,--िहाँ है जरतम अभि एक प्रमुख পরক্ষেত্র জানেন—ভার উপ: 🕒 গতুরতে হার এজপ কট পাওৱা কেন 🛉 আর ভাষা 📑 টা মাট ভেত্রা Can ! व.त (सर्भात (न्युकत के अ के श क्षाराकाय মূলত একন 🝷 এখন যেৱাপ কেলচ বলি গোট ব্যাল্ড- াক না পাওয়া যায়- ১। হলে আৰকুঃ বাব জালান "মেদহ। আমহা পরালীন, এই চ্চিত্রি ক বে উই मर् कर एक इतन, याहे- अन्त अत्मा न्तन वान ख्यन क्रिज्ञा।

(eretri !)

ইনা (কাবে সরে) গ্রিমাধী। সাপনি বাসকুমারকে · অমেরে নিকট আগমনের নিনিক্রাত্রের করতে গমন করলেন ভার পর আপনি একাকিনী প্রসান গমন করলেন যে ! রাজ কুমার এলেন না ! িনি কি वत्लाम १

ইন্দু। রাজকুমারি! সমূদ্রতীরে ইবস্ততঃ অভ্যেন্পর পর, জঁর দর্শন না পাওয়াতে বিদ্যেচন। কর্তাম যে बाकद्रमाक भिविद्यंत পশ্চিমा भवती जामित्र . बम्गीमकाथमुक दगहै च्यानहे जन्म कर्राटन তক্ষনা আছি বেখন শিনির সরিষ্টিত স্থান দিখে দেই দিকেই গদন বা ্ক ছিলেন আর অদনি আপনার টীংলার দেনি প্রায়ে করে আর গদান সমর্থনা হয়ে নির্নির মধ্যে এনে আপনার এই অবস্থা অবলোকন কর্মেন। আপনি কিছুমাত্র ভিত্তিত হবেন না, সৈন্দ্রক শ্নরায় প্রেরণ করেছি, অতি শীত্র তাঁর ব্বাব প্রাপ্ত হওয়া যাবে।

(रेमदनाह भूनः श्रायम ।)

- গৈনা। রাজকুনারি : আমি তে ইত্রত রাজকুন,র ক আলেষণ করলেম, কিন্তু কোন ভানে ই কার জন্ম দেন কর্তে পার্লেম না, অবশেষে রাজকুমার, পাকুনার, বলে অতি উল্ভেখনে চীৎকার কর্লেম ভখান ব কোন প্রত্তের প্রাপ্ত হলেম না
- ইয়া। (বলপূর্বক গাজোখান কবিতে উলাত ইয়া প্রিয়-দ্বি; আমার অনুষ্ঠে কি অম্লক স্বপ্ত সভা হ'ল আমার কি দক্ষিণ চন্দু স্পান্দ হওয়ার এই জাবন নাশক কল প্রাপ্ত হলেম ? আপনি আমাকে ছেড়ে দিন, জাফিশ স্বাং একবার তাঁকে অন্তেমণ করে আদি,নচেৎ আমার প্রাণরকা হওয়া নিতান্ত অসম্ভব। (ইন্দুমতার জে.জে শহন ও রোদন।)
- ইন্ । রাজক্মারি । আপনার এরপ বস্তুণা, আর আমি দেখতে পারি না, আপনি নিতান্ত লযুতা প্রকাশ করে আমাকে ভ্রথিত বরবেন না। এক্ষণে আপনি একটু কান্ত হউন আপনায় এ ক্লেশ নিবারণ পক্ষে আমার

কোন জাট কাৰে না। (স্বগত) এখন এ শিষ্যে কি कता अर्कत् । ताकक्षात्राती (य श्रकात व्यशेता श्राहरूम, 🏄 💎 🖖 😕 পর্যন্ত কিছুভেই তোরাজকুমারের অন্তে-ত গ'তে এঁকে নিরস্ত রাখা হাবে না, আমাকেও পরি-ফালে কালে উরু প্রশাস জ্যালনে উদ্যোগিনা চেখারি। এণিকে 🤋 ৪ ৬ ৮ র ফাকুমারের খাছেদণ করতে রাত্রি প্রভাত ত্যান্ত অপেকা করাও বিদেশ নয়। (প্রকাশের) ষ্টেকুমারি। রাজকুমারের নিকট-ভী কোন ভানে অব্বিতি করিবার নিতাক সহবেনা আর সলি আপ মরে স্বপ্ন বুভাত স্বাহ্যেই থালে, ভাহাল তিনি करमहे शुमताग्र व्यवना भारता धारतम तत्र रहम मा अवर विभिन्न स्वयः वाक करहारुम (ग जात नहे नाशीसमी িমানার মন্দ অভিসন্ধির কারনেই তিনি গৃহ পরিতাণ ক্ষে মজাভ বাদে এ সমেন, এতে যে ডিনি গুছে আৰু এম করটোন ভাওে ভো বেধি হয় নাং নিণ্ড-एड्रेड्रिय नहम १८४१ विश्वाप १**मन ५ त८**५म । **क**ल-এটা এ দেশ হ'লে প্রিল্ড ক্রার নিমিত গাল্লার **দেলের** প্রতি হাল বান উপায় নাই— চলুন এম গে আমা-(मद (मन्द्री 50.4 को किस्टाइंड व्यक्तिश खमन कि ! তাঁর দশন লগ্ড জ সম্পূর্ণ বস্তানন, নতুবা সাটী পৌঁছিয়া আপনাৰ জাৰ কৰিছা সেই রাজকুমার বলে। ক্ষা সংক্রেক বাতে পুন প্রাপ্ত इर्ड कालनात्र महनादय महन् रहे, खिंबरब्र माधामछ क्रकी करत, धरे भागात थाल्का। (वाकक्राजीतक

নির্ব দেখিয়া) এই উপায় বাতীত একদে আর কোন উপায় হ'তে পারে ন৷ কি বলেন ?

ইরা। প্রিয়দখি। আপনার যা কর্ত্তর হয় শীজ কর্তন, এক্ষণে আমার আর হিশাহিত বিবেচনা করি শর ক্ষমতঃ শাই।

ইন্দুঃ ং গৈনোর প্রতি) দেখা তোমাদের দৈনগধ্য ক্ষতে শীল ভেকে সাম ।

रिमनः। ए। या छ कुमाति।

(e = (a)

ইন্দ্য রাজকুমারি। গ ব্রোখনে কর্জন আগনরে এ তাপিত
শবির আনগর করি লগে কাল্যন ঘটিলারেরেলের প্রথন
বল্লীত একলে জন উপায় দেখাই না কিন্তু কি নেরি
এক ছিল। ১৯৫নে নে আর কোন উপায় নাই (বাজ
ভালায় ন বল দেখিয়া আশালাবিলা ছইলা)
১০ এল কুলারী যে এক রূপ পাণ্লিনী ছলেন ও
েলেন ও এবিক বিশ্ব ছুওনের স্ক্রাবনা।

े माधारंभर श्रायम् । 🔻

ইপু কান েনগবলে ! তোগরা কল্য প্রভাত হ'তে এই

হানে সার ও তিন দিবস আ পক্ষা করে চতুদ্দিকে রাজ
কুমার নশোবন্ত সি হের আল্পোণ করো, জঁ,র দর্শন পাও

শিক্ষান নতেই দিনির ভঙ্গ করেরা স্থানীতে প্রভাগেমন ক্
রুবে। আমরা এই দুও ইরাজধানীতে প্রভাগেমন বগুর,
অবিক্তম্বাটক প্রেতের অনুমতি কর ধের। ও

দৈন_াধাক ৷ তে লাজে কুম্পি ৷

(প্রস্থান)

हेन्द्रः (त.कक्षांडीक ६७ (१० पूर्वकः) । ताक्षक्या व 🖰 ला . भ . सन्।

ইন্তু ভাল প্ৰতি ১৮৫০ প্ৰতিধ্যালয় বালধ্যাতে অকশাৰ ্ প্রেল্ড্র

1 May 37 St. 19 1

পাঠাই আই ,

खाश्य १७,४%

- 2: 3/ --

ें श हारमध्य स्वकृत मित्र समञ्जूषात्— हतीन्त्र १८० कर १७७०कः। 生活: 明人

किंच्या एक देन प्रश्री १ या ।

- ১ম প্রের বিভাগ সংবিদ্যাপদ শ্রুত জাত সরিলে জ্যালচ-য়াৰিত হইল কলাল লংগল প্ৰাক্ত সাধান লক্ষ্য (च. फ्रांत श्राप्त न के । लामा मा ले के
- ২য় প্রা । ই ভাইত : , প্রাটে ।ই প্রা টুক্র সূক্র ब्राङकुमात्री देवावका अ कुमारी १५% व्यक्ति आसिएड क्षांच्या । जे एवं इति दो नाक व्या**मात्र प्रदर्भ** को पिटकरे आग्रहाः

১ম এ। বিপক্ষ নাকি ।

ষ গ্রান্ত দেরক্ষ তো বিবেচনা হয়না—অভিশয় ছ:বিভ प्रशिक्त ।

ं इ.अ.इ.माजी हे पंतरी ७ कुमा**री रेम्द्रग**े त एवं देकादाव"न अस्त्रम १ े । রি প্রিবর্তাকে বাটিব ভিতর প্রবেশ করিছে উল্ভে হেপিরে ९४ ७ २४ शब्दोव डेड्रहरू मामुह हच्छा महन ।)

১ম প্র 🕝 বাজকুনারী দর প্রতি) তোমরা জ্রালোক দেখ্রি, হঠাৰ জন্মানোহাৰ কেথা হ'তে এখানে এনে উপাধ্য হলে । আর কিজনাই লা জামাদের বিনা সম্মতিতে नाजीर महत्रा श्राम कर एक छेमाल इएक। 🕈

देन्द्र । ८७ क्या वास ८क १

支援 は 一切探測 可沒有物布。

े केन्द्र १ एट.व ८०१भवा कि मृत्य दक्क सिद्दुल करवह. ्स আমানের চিত্তে পান্ড না।

বয় প্রাণ কেন ? আনি এই কার্যা প্রায় বার বংসর নিযুক্ত জ্যাতি।

১ম প্রা: আমারও প্রায় দশ বংসর অীত হয়।

ইরা। (জন;িয়কে ইন্মনীর প্রতি কাতর স্বরে) িয়-স্থি! আম দের অপেন বাটীতে আমর। প্রেশ বর্গ তাতে কিছনা এরা বাধা দিচ্চে ?

ধুইক্দু। (কিকিৎ চিন্তা কবিয়া) রাজকুমারি। এ প্রহ্রীদের व्यकात व्यक्ति । शतिहरून (मार्थ (मार्थ इत्हा क्रता (ननीय প্রহরী নয়। (প্রহরীরটের প্রতি : প্রহরি! ভোষরা ্কার দারা এ বাটার দার গ্রহক কার্য্যে নিযুক্ত হয়েছ >

२म था। अपन प्रकार कार्या प्राप्त कार्या नियक प्रकार

वेश (कः

১ম প্রা তামার নিকট শোন। তিনি কান্দেশের অন্ত গতি দেশগড় নগরের অবিতীয় মহারাজ, অন্য পঞ পিবস গত হ'ল, রাজকুমার মহাপত সিংহের এই বালী ও সমূলয় রাজ্য প্রভৃতি অধিকার ক'রে। জ্লগতাকার লিকে অঙ্গুলি নির্দেশ করিয়া) এই জয় পতাকা প্রতি-ভিত করেচেন।

ইন্ (চকিত ভাবে) কি । রাজক্যার মহীপং সিংহ তবে কোথায় ও (ইরাবতীর প্রতি দৃষ্টি পুনরিক তাঁহার উর্জ্ব নাল দেখিয়া সদানতে স্থান হটাত কাজন কাখা বিভিন্ন ক্রি তাজক্যান গোল কাল কালন কোল উর্জ্বন দেশ্রিক প্রতি ক্রিয়া পুরি লক্ষণ হ'ল। (ব্যক্তনিটে বল বি ব্রিয়া ঘোটক হইতে নাম্টিয়ে নাম্টিয়ে বিজ্ঞান

হিনা। (অবশ অংক কুমরী ইন্দেটীর স্থান্ধ ভর কিয়া অব-ভরণ করিতে করিতে অন্পত্ত প্রাটিটা হা পরিম্পানি। সময় মন্দ হলে কি এন্দ্র পর্যাটিটার। হা পর মধর। আপনি কি আমাদের প্রতি এত্যুক বিষয়। (কুমারীর, গাঙাযো ভূমে শয়ন, ও মুক্তা।

बिन्दः काज्य यदत्र टाइतोबद्यत् या वि । व व पूर्वे दर्जामता

্ষোটক ছটাকে দূরে কোন স্থানে বন্ধন ক'রে, শাস্ত্র अकट्टे जल जात अक शांनि शांशा यिन नां छ। इतन হ: ইপক্ত হই!

হয় প্র। ভবে অগ্রে আপনাদের অস্ত্র পরিত্যাগ করুন। ইন্দু। (ইরাবতীর ও নিজের অন্ত্র প্রহরীর হত্তে প্রদান পূৰ্বক স্থগত) হা ! কি কঠিন হৃদয় ! (প্ৰকাশে ব বাপু! সত্যে শীন্ত একটুক জল ঝান, স্ত্রী হত্যা হয় !

(काष्ठेक लहेशा शब्दीष(इत श्रामा ।)

ইন্দু। (রাজকুমারীর গাত্তে ৰস্তের দারা বাতাগ করিতে করিতে) রাজকুমারি : বাজকুমারি ! এ কি হ'ল রাজকুমারী যে একবারে অজ্ঞান হয়েছেন। সেরো-দনে । কি হবে । রাজকুমারি । রাজকুমাবি ।

বোটক রাখিল জল ও পাখা লইনা প্রহ্বীদ্বরের পুনঃ প্রবেশ। >म था। । जल ७ शाथा कुमातीरक श्रामन श्रामिक । छप ি নাই মূচছা হয়েচে, একটু জল মূখে দিন, বাৰ্ণন दक्ष।

ইম্মু । (ব্যক্তন ও মুখে জল প্রদান করিতে করিতে)রাজ-कुमाति ! शांककुमाति !

ইরা। (চেত্রনলাভ করিয়া) হাবিধাতঃ। এককালে কি আমাদের প্রতি দকল বাদ দাবিলে ?

रिन्सू। याः वांध्रतम, आमात्र (पर् कोतम करनाः त्राक्रकुमाति। একণে আপনি একটু নীরব খ্টন, আপনার অত্যন্ত ক্রেশ হতে হে। (প্রহরীর প্রতি) প্রহরি। তোমানের जक्रा मानम्बिः

্রিয়া। (কুমার্কি ও প্রাক্ত করিক বাদ্যার করত। বিশ্বস্থান করত।

প্রতিষ্ঠিত কর্মারী
কর্মারী
কর্মারী প্রতিষ্ঠিত কর্মারী
কর্মার প্রতিষ্ঠিত কর্মার মহানিকট হ'তে, অল্ল গ্রহণ কর্তে
কর্মার মহানিকট হ'তে, অল্ল গ্রহণ কর্তে
কর্মার মহানিকটকর ক্লিশাপন হ'তে হ'ত হ
ক্লিকট ক্লিকট হ'ত হ ভগবন্। স্কলিই
ক্লিকট ক্লিকট হ'ত হ হা ভগবন্। স্কলিই
ক্লিকট তোমার ইচছা।

ে এক দিক্দিনা নাক্ত্যারী ইয়াবতী, কুমানী ইন্দ্রনতি, ও ছিতীব অধ্যার, ও অংশর দিক্দিয়া প্রথম প্রাহরীর প্রাস্থান)

প্ৰক্ৰম অক্ট

দিতীয় শর্ভাক।

बन्दी का कात प्रहें व दिन है पर के प्रश्नी का नीत्।

জ্ঞী। কুমার। তথন গণি প্রাথম প্রাথশি প্রায়া কর তেন ভাছলেকি এক শিপরের নেয়ের জন্য আমাদের এতদুর ্রাম শাতাত হাজে ও গাঁও এখনও বলি আপনি সন্ধি শ্রাম করুন, ইন্মতীর খাশা প্রিত্যাপ করুন। র প্র। রাজকুমার মহীপিৎ দিংহ মন্ত্রা দহ কারাগারে বন্দী
আছেন, আপনারা দেখচি তাঁর কোন পুরস্ত্রী হবেন।
আপনাদের ও কারাগারে গিয়ে বন্দী হ'তে হবে।
১ম্প্র। (স্বগত ইন, মহারাজ দৌলগ্রায়ের এরপ অমু-

মতি আছে বটে।

ইন্ হা পরমেশর ! কুমার মহীপংসিংহ কারাগারে বলী একথাও ভানতে হ'ল ! (চিন্তা করিয়া রাজকু-মারীর প্রতি । রাজকুমারি ! প্রহ্রিরা যা বল্যে তাতে একান মনিচছা প্রকাশ কর্লে আর কোন উপায় দেখ্টি না, কি বলেন গ

ইরা। প্রিয়স্থি: আমাদের একনে সম্পূর্ণ গ্রহটেবগুণ্য, অগত্যা কি করা———

ইন্দু। (দির্ঘনিংশ্বাস পশ্তাগি পূর্বক প্রহরীরয়ের প্রতি) প্রহরি। আমরা একনে কাজে কাজেই তোমাদের মতাবলমী হলেম, চল।

২য় প্রা লেশ চলুন। (অপর প্রহরীরপ্রতি) আমি ঐদেশ সম্ভিন্যাহারে কারাগারে চলোম, তুমি এই দমুদ্র রুত্তান্ত মহারাজের নিকট সংবাদ করগে।

अब्धा (वना

২য় প্র। (রাজকুমারীদিগের প্রক্রি) তবে আপনারা পাত্রোখান করুন,--চলুন !

रेन्द्र। (बाक्क्यादीत इन्ह धार्यन प्रविद) बाजक्याति।

মহী। মাংশয়। পুনগর আপনি দেইবপ এন্তাৰ ৰচ্চেন গ এ আংশ ন গাছিল্য ভ্ৰম্ দেখ্চি আপনি निक्तर लोग विसंसदे भेजे संबद्ध अस्तृह्य नांगु सूत देश শক্ত হয়েতে বলে আপ্রান্ত ঐক্তপ প্রামর্ভে স্থান क्ट्रेट : व्यक्ति व्यवस्थात एक्ष्य विको**टफ** अंदर्श कति आहे প্রধন কুমরার জন্যে এ জে প্রামার সামতে কন্ট, যদি অন্যার অর্দ্ধ স্থান্ত কেং ' ও লৈবে মিন্ন করে। *শাৰ্ণ এপ**হস বুণ্চি**ক ৰাজ্য সংস্থ শ্ৰাৱে লংশনক द्वाप्त, मधाक्ति मगग्न निवक्त देव नि अन यक्त कृषि महस्र हि ত্তপ্ত বালুকার উপর হস্ত পণ বস্ধন করে পতিত করে রাখে, ইনুম নীর আশাং তাওসহা কৰতে পারি তথাত তার খোলালাল। হদয় হতে বলিছাত করে শর্পেটেডা र्षं अर्थो ३ ८ हे हेम्हा दिखा ना '

্রাক্ত্রাচের হস্ত ধরিশ শুবিক) ক্মার / অপেনি রাগ্রাছে ৮ ৮ বন মা, প্রাথার করান্ত করী ক**তে দেই** क्षामा (१९४४) १६ (का १५३% है। है से में हैं। धारा धारा में 本(14) ** (14 भूम मान कृतिका अपन मार्थ अ

चिनीय श्रवती महभावापुरा कि उन्हें के अब े केन्द्र के सादना धु ् चर्चे <u>अर्थाः १० वः १००१</u> व्यक्तः । स्थान्तः । स्थान्त्रः । स्थान्त्रः । हैना । मात! अ शुरू व्यक्तिकार्य अस्ति । कि अस्तिमारक अरेजियाँक कृतिकाश्व (मार्थ न १११० वर्ष के अहे वर्ष हा আর আমার সহলে সালা কিছে পৃষ্টিশাত করিয়াঞ श्वा विशालः । अवस्थाः अवस्थाः अवस्थाः कथाः वि अदेषितः ।

इन्य विनी रंख! नयन मृष्टिम्ना इतः পृथिवी বিলা হও! রাজকুমারের এ কাট আর ভারি দৃষ্ঠিগোলে কর্তে পারি না, হায় ! হায় 'কেন আফি দেই অগ্নিহোতৃদের বন হ'তে বৈচে এলেম, আর এদেই বা কেমন করে অন্যামে অংশনার ভূরবস্থা দর্শন কফ সহ্য কলেমে ৷ রাভকু-় **ষার** ! **অংপনি স্বাধীনতা হারি**য়েকেন দি হাসন পরিপ্রেট হয়েচেন, আমার দেহে জাবন থাক্তে এ সকল আমাকেও শুনে সহ্যকরতে হ'ছ ? হ! দ্ৰ্যাপ্তভাত। প্রমেশ্বর। অমেরা কি আপ্নার নিকঃ अरुम्ह मर्खाई श्राकि, त्य बायार्येत लाक मकलरे অমঙ্গল ঘটনা উপস্থিত হচোর বেলিভুমানের मुक्षातालाकन श्रास्क) एष ! शीव ! तामक्यात নে নিঠুর কেঃ আর কি নিমিডই ব; কবঁল , हारा २-६४, व्याशमादक दन्ती कत । न ?

গহাঁ। জুখিত ভাবে) কুমারি! একটি জীনত্তর প্রতি জুটা ব্যক্তির লক্ষ্য হলেই তো একব্যক্তির পক্ষে প্রায এইরূপ ঘটনাই হয়ে থাকে।

ইরা। চক্ষু মৃছিতে মৃছিতেকাতরস্বে ভ্রাত্র আমবা অনুপ্রিত ছিলাম, অতএব নবিলেল আমুপ্রিক নাবল্যে ও রূপ প্রত্যুত্তরে আমরা তো কিছুই ব্রুতে পাল্যেম না; যদি আপনার কন্ট না হয় তা হলে সকল ব্রুতান্ত আমু-প্রিক আমাদিগকে জাত করে সন্দহ ভন্নন করন।

- ही। जीं। बारूमणस्य विज्ञान तमामत बाह्म निरम भारत कूतांदीत प्राथमा । अपमा । अ युक्तादान अकतान श्रीमर्ख-हरीय क १९५ करेरी अलगात, अक निवम निवादकारन भिक्ति । अवस्थित व्यवस्थान । अस्ति । ज्यान व्यवस्थानम् । ा 💌 🖰 २०११ (१०१६) १ (देल दूर्वील दूर्वाशिक्स अके जन पूर्व জঙ্মাৎ উপস্থিত 🕬 🕾 🤊 সাল, কুমারী ইন্মজী কাতলাছিড়া অভএব কাৰ্কেল্লের ভালমানুলরে ভাঁচক দৌলংরায়কে প্রদান করে ুর্লহ্ সাপন করুন, নচেৎ द्रमोत्तरकाष्ट्र भरेगाचा युद्धार्थ जानक थाए । मृत्य শ্যাতিক এই খ্ৰান্তাৰ জবৰ মাজেই সামাৰ চেচাবেৰৰ প্रकालिक श्रां केठेल, कर करे मू करे निव अरक्षाति ह करत (सह म्रहर बाझ अङ्ग्डित राधार अनुस्याम, কিন্তু হুন্ট পৌৰ্যান্ত্ৰ পৰি সল্পিতভাগে এটিটা ালেল্য না কর্ত ভাত্তে আন্তেক একণ ভূদশা এন্ত কারে ধুমারীর জাশা কাঁছে নির্ণি কাঁতে নারাধ্য স্থায় প কর্তে ক্রমই ক্রকায়, হ'তে

्रहेंच्यू। (१९४०) । १००० । ५०% ४७०, ५०%।क्रांत ष्ट्रपाना रक्तक 🔻 🦠 धारतक कलक्रिके कत्रवन मी। कि--अल्हा १ का ६ द्या अवस्था नामांब হ্বনয় ক্ষেত্রে অভান লা সম্ভানিত ২০০চে, সেই श्रीष्ठ **आगात** व्यान दाक्षेत्र ग्रामस इंग्लेस्स् ग्रांशि সিংহের পাদপদে সম্পূর্ণ ধ্রেছি, ক্উ 🎏 এখন আ मार्व क्रम्भी रमहे सञ्जाध सक्छम कः शास्त्रक र'रठ

উৎপাটিত কারে আয়াকে নারীকুলের কলকিনী অবং ই সনিলাস করেছে? কি! এদেহে ভীবন পাক ত মূল্বম, বাছকুমার মহীপংসিংহকে বন্দী কলেছে : ভেৰ্চ্চে দৃষ্টিপাত পুৰ্বাক) হে স্বাদেষ! হে ঈশ্ব: থামি তোমাদিগকে দাফী করে বল্চি যুগন আমার দোহ শোনিত বাহিত্ত হচে, হস্ত পদ সঞ্চান কর্তে সক্ষা হচ্চি, স্ত্রী হয়ে অস্ত্র ধারণ করে ভীষণ শক্র হস্ত হ'তে আগস্তুক বাক্তির প্রাণ রক্ষা হাবো ক্ষতিয় কুমারীর পরিচয় দিয়ে এদেচি। তখন, (হ্ । দেখা ইয়া) अहे इस छ्ताद्या प्लीमध्तास्यत खीवन मध्यास्य कियो কবতে কগনই ক্ষাত্র হবে না। রাজকুমাব। এ অিনীর আশা হ'তে কোন জমেই আপনি প্রতিনিয়ত হ আপনি নিশ্চয় জানবেন যদতে আপনাং ্রেম্কাজ্যা হ'তে আমায় নিরাধাস হ'তে হবে ত-দাধ এ পাপ জাবন বথায় তথাৰ আপনাৰ প্রীচরণ উদ্দেশে উৎদর্গ কর্ব এই সামার হির প্রতিজ্ঞা। वककार इंटिंड श्रीविम ।

দৃত। (ইনাবতী ও ইন্দুমতীর প্রতি) কার নাম কুষারী।

ইন্দুমতী ?

ইন্দু। (দূতের প্রতি আমার নাম শুনুমতী। তৈমার , ভিজাম। করিবার সভিপ্রায় কি †

দুত। মহারাজ দৌলংগায়ের অনুস্তি; আপুনি তার স্বলে শীয় প্রচণ্ড প্রতাপশালী মহারাজ টোম্ফরায়ের ছ হতা আপুনি কারায়ত্ব হয়ে বন্দী দিপের সহিত কারাগারে ে তার কার্যার করে কার্যার করে মহারাজ লে তার কার্যার করে কার্যার চিত্রার ভারতিক প্রেরার লে তার করি করে হারার নিবিত আমাতে প্রেরা

া সভপূৰ্বাৰ সরোদনে) শোন দুত! ভোষাৰ শহা র'জ আমার নিকট হতই কেন চাতৃত্তী ওয়া যা প্রারশী লয়ন না, এবং যতই কেন বল-বিক্রম প্রকাশ ্লন ন , কথনই রাজ কুমার মহীপৎসিংহের প্রেমার ক্রেক্ট হ'তে আহার নির্ত্ত করেতে সক্ষম হবেন না (মহাপ্ৰদিং হাকে দেখাইয়া) এই বাজতুমার আমার জাবন ধারণের এক ম.অ সাধন। ইনি ব্যতীত পৃথিবী মধ্যে এ যাত্রার আমার দেহে জীবন থাক্বার অন্যউগার ত্ত্বহিত। তার দেখা (এ**জকুষরিটির** বৈ<mark>তীকে কেখাই</mark>র) এই রাজকুমার্ব সহি মানসিক পীড়ার সাক্রান্ত সা দাক তেৰ তা হলেও এতকণ গান্ধার হ'তে দেশগড় অব্ধি বিস্তৃত প্রবেশে তোমাদিগের ন্যায়ত্ত অভিসন্ধি হাষ্পার খ্যক্তিদের শোণিত প্রবাহে প্লবিত হ'ত। ্রতুন কুমানি! এ সকল আমার অনধিকার চর্চ্চা, এ भवन वाट्यत । श्रास्त पिटल आणि भक्तम नंहि, किंख भरात्राक लोग वतारात अधि ध श्रम राम किनि वर শাই প্রভাবের প্রদানে সক্ষম হতেন, তার কোন সন্দেহ

(রাজকুমার ও বাছকুমারীর প্রাক্তি) আমি আছ

নাই : এক্ষৰে মতাগাড়ের আজ্ঞা প্রতিপাসন

विलम्ब इट्छ

জিটিক তাপনালের **ভূরবন্ধা কেখতে পারিনে। পর**ন্দেশ হ া নালা মিকট আর্থনা কক্ষণ যেন স্বাস্থার মনোবাঞ্চা পুণ্ 📧 : 🐪 👉 া(, দুচভর গুরিচ) দুভন ভবে চল । । . पू छ । आञ्च, अश्वागिनी र्छेन ।

🕝 : া 🛪 দৃত সহ কুমারী ইন্দুনতীর প্রছান 🗀

(747 25 T

.

ভটীয় গভাঙ্ক।

竹藻语 网络一种对价

महर्स हिंद्र त्राचा भीलद्रशास्त्र देख्छाडः छान्।

িলৌলা। বিগতে) আনক ক্লেশের পর আলা নিবিটাই মনের ্সাশা পুৰ্ব হ'বে , আজ ইন্মুমতী দৰ্শন ক'রে মংল তৃপ্ত 😅 हैं एपि अबर भमें अखिष माल कब्द ; किख राहा ্দৰ্শন না কথাতেই আমান সন ডার প্রতি ফেরপ অনুনত 🌯 🕆 ইয়েছে: একৰে এখানৈ উপস্থিত মাতেই আমার সহিৎ ্রেমালপ হতে বিলম্ব হলে তো **আমা**র স্থিতিশয় ক্ষ_{িল} भेर्ट्रेंच : ('विश्व' क्रिया) (क्रम वा छ। श्रीख मार्ट्ड इरव ?

একণে ভো আমার অধীন হরেছেন। এখন একেই
বুক্তে পারি। (পুনরায় চিন্তা করিয়া) করেছেন করেছেন
ভো তাঁকে আন্তে দূতকে প্রেরণ করেছিন করেছিন করানও
আস্চেন না কেন? আমি একট অরগামী হরে
দেখি। (গমনে উদ্যুত হইয়া দূত সহ কুমারী ইন্দুন্
তীকে দুরে আসিতে দেখিয়া) না এই যে কুমারী দূত সমভিবদ্যাহারে আস্চেন (নাজ্যাদে) আহা
কুমারীয় কি অলে কিক রগেমার্থা। — প্রিয়বয়স্তকে
প্রেন ভাকান হলে না, ওঁর কিরপে মনোভাব অব্যোদ

দ্ভনৰ কুলারী ইশ্যতীর প্রবেশ।

লোল। (সমন্তমে ক্মার্নার প্রতি) আন্তন । আস্তে আরো হক্ ! অপেনাকে দশন ক'রে আলি সাতিশর প্রতি লাভ কর্লেম। সহসা বল্তে লাহন হর না, যদি এই পর্যাক্ষেত্র এক পার্থে উপবেশন কর্তে ইচ্ছা করেন, তা হলে আমি ন। হয় এই খানেই দণ্ডায়মান থাকি।

ইন্দু। মহারাজ আপনি সামার জন্মভূমির রাজা, আমার
পক্ষে আপনি দেব তুল্য অতএব আমাকে স্পর্শ ক রুলে
আপনার দেহ অপবিত্র হলার সম্ভাবনা; অন্য আমার
নিতাম্ভ সোভাগ্য ও প্রধালাত বলতে হরে, ফেহেড্
আপনি আমাকে এইরপ সম্মান ও স্মানর কর্লেন্।
সাপনি উপবেশন করুন, ভাতে কিছু মাত্র কৃতি
নাই।

দৌল। (দুয়ের ছারা জিছা দংশন করিয়া) কুমানি!

আপনি কি আমাকে নিএহ কর্চেন ? নচেই এই প
বালবার কোন কারণ নাই, আপনি অন্যানে ইতবেশন কর্তে পারেন। বরং আমি আপনার অভিত একত্রে উপবেশনে সাহসীক না হয়ে তাত ক

ইক্। মহারাজ। আপনি অংগ উপবেশন লানে লা।
আবাকে যেখালে আপনি অন্তহে লারে ক্রেন্ট শহিত উপবেশন কর্তে আদেশ কর্তন পশ্চৰ উপবেশন কর্ব।

ি **দৌল** । (দুকের প্রতি নুষ্ঠি করিয়া) দুক্ত । ্রি**পুত** । নিহারাজ ।

শৌল। একণে তোনাৰ ধীয় কাৰ্যো বেতে পাৰ। স্বতা যে আজা মহারাজ।

(দুজের প্রস্থান ;

দৌল। (ইন্দুমতীর প্রতি) কুমারি! আপনার আদেশকুসারে আমি অতে উপবেশন কর্তে বাধ্য হলেন,
অপরাধ গ্রহণ কর্বেন না। (প্রয়স্কোপরি উপবেশন
করিয়া) ওক্ষণে আপনি উপবিষ্ট হউন।

ইন্দু। (বিরক্তভাবে) মহারাজ! কেন আর আমাকে নিগ্রহ করেন? (পৌলতরারের নিকটে উপবেশন) পৌল। কুমারি! আপনার নাম শ্রেণ মাত্রেই তেঃ আমার অন্তঃক্রণআপনার প্রতি আগক্ত হয়েছিল,আবার আপ-

নার অপরূপ রূপলাবণ্য দর্শন করে ও মধুদ্ধ আলাগ

ভাবতে আমার মন্তঃকরণ স্বাপনার প্রতি স্মার ও অপুরক্ত হ'ল। একণে দকলই আপনার অমুগ্রহ নাতেক।

ইন্দু, মহামাজ। আমারও আন্ডরিক আশা গভারিনে পূর্ণ হ'ল; আমিত এ রাজ সংসারে এক প্রার বলী মাজি বলোই হল, বারিট ইছোমত আহলে বিহার কংতে কোন ব্যানাই, তথাত আমায় লক্ষ্য ক'রে যথন লোকে প্রস্পার কানাকানি করে যে এই খ্রালোকটাকে মন্রাজ মেগরাজিদিংহ কান্দেশ জয় कार्य क्षेत्र कारत काराह्न, ज्यान वामि मान गान চিন্ত। কৰি যে আমার জন্মভূমিশে কি একজন্ত এমন স্বাধান রাজ। জন্মগ্রহণ করেন নি যে আ-भारक छरे वाया ग्रहण गर्छ छेत्रांत करतन १- मरा-इर्राड़ । (सर्वे अर्डीनें) कल १५ हित्स छ। **७ स्तम।**

্টোল। বত দেশগড় নগলের মূত নহারাজ ল্যেক রায় ! ক্মারি: অপেনি দেই নহৎবংশোছনা, এরূপ না হাবন কেন্ত্ৰ অধি কখন বাবের দ্বারা আকৃত থাকেনা। (কিঞ্ছিং চিন্তা করিয়া) কুমারি! একণে আপ-নার নানত প্রেমালাপ করতে আয়ার অভঃকর্ম गालिएत वा १ १८१८६, यनि वालनात कान না থাকে, ৬, হলে ও স্থীনকে কুপা বিতরণ ক'রে চির্বাধিত কর্মন 1

ইন্দু। মহারাজ! তাবিত চাতকিনী কথন বারিবরিবণে **प्रामिक्टा श्रकान करत मा, उरद प्रामि जीत्नाक, प्रामा**-रमंत्र इमि झन्द्र विमीर्ग एइ, उधारिंग गरनद आर्विश প্রকাশ করতে লক্ষা এমে প্রতিবাদী হয়। তারাবেও পর্য দৌভাগা—মেম্বের প্রার্থনা করিতে করিলে একেবারে বারি বর্ষণ হতে আরম্ভ হল। তা 👵 রাজ! আপনাকে অধিব আর কি বল্বে, তাং মহ:করণত আপনার এতি---

োল । ত্ৰু মুক্তিত করিয়া। প্রেয়দি। আজ হাতে কান ্লানার ভিলেষ **হলেম। আয়ার সহ**ার ঐকরি क्षेत्रन कि कीदन वर्षास्त्र आवनात कीहत । रहाई। कवृहारण, बाह्न ७ व्यक्तीरमह टाव्हि एथम हर १ मार्च का है रहा छ।व किछ्बर मगुरा ६८४ । ।

্ট্ৰু। সহাৰ্থক ! আপনি আমার ক্লন্তের আপনৈ রাজ হলেন: আন্তর বৌষন, মুন সভ্ত আপ্রাক্তে म्माली क्रन्ट्यम ।

ক্ষেত্র সাপনার মেহত মহৎ অভ্যত্ত্ব, তেমনি সহ-ধাতেই অপিত হল, – এেহানি: আপনাৰ অধিক দল হতে আমা হয়েছে, এ নগরে পৌছনা অবনি তে বিত্ব আদাবীয় সামগ্রী গ্রহণ করা হা নাই অভুমতি र्ग (छ। किंडू ऐशारमग्र नाम्धी **यान**वः दर्बा**रे** ।

क्नम्। महाद्वाद्यत्या अध्किष्ठि । দোল ওরে! এখানে কে আছিল রে? (একজন পরিচারকের প্রবেশ !)

भिक्ति । (कर ट्याट्स्) ह्यांद्री । দৌল। (পরিচারকের প্রতি) শোন শীত্র কিছু নিইছার সামগ্রী 🏥 🎮 আনিয়ন করে, এইখানেই লয়ে এম, দিনন্ত না হয়।

ि (अ) गर्डाक ।] कि रतावडी माहेक ।

পৰি। দে অজ্ঞা। 🦒

(পরিচারকের প্রস্থান।)

ইন্দু। (পর্যান্ধের এক পার্ষে এক থানি কুদ্র অন্ত্র দর্শন) ক্রিয়া **ছোরা খানি হল্তে লইয়।**) মহারাজ! এ-श्रीमि कि?

নৌল। ও খানি এক খানি ফল ুমন্ত্র।

देन् । भराताक । अथानि जाभनात नेत्नाभिति थाक्याति ष्यं कि १

দৌল। প্রেয়দি। রাজাদের নিয়ন শ্রন্থন্যাসও মন্ত্র-शैन शको वित्रम नग

কিলার, জল ও পান হতে পরিচারকের পুন্দ প্রাণেশ প রাজার হুলে এদান পূর্মক প্রদা।

উন্ত্রের, দেখাইজা, সহতেজা। এগ ১০ ০জা দিন্ ्ष्ट्रह (धारा नन १

দৌল : হা হা দে। (হাজে করিন। ব্যাস্থান স্থানি দেখ্ত প্রকৃত কিন্তা, ১ বনা, এপ্রমালাপে পরন সাহার্ত্তিক 罗尔人 《开门环中》 化三氢 有自己的时间时 《梅花》 िह्दानितील भागभी अद्भाषतम् । 🕠

इन्ह्री (त्राकार्थाक क्षेत्रद क्रारिया) भवत्राय ! प्राप्त লারিমাণে গ্রুণ কর্ত্তম । একটা সংক্রণ গ্রুমার্থ ভক্ন ও জন্ম পান!)

দেল। (দক্ষেণের পাত্র ভূমিকে রাখিণা ত। ছুল লইরা) लाषून अर्व क्रान्। (जापून क्षता।) त्थापि। ন্থন ভাষি অপিনাকে আছঃক্রন্তের সহিত্ত ভাল াদলেম।

্ ইন্দ্: (তাৰুল আহণ ও চক্ৰণান্তর), মহারাজ। ভাল বৃথি ভাল বটে, শেষে যদি বাদে, তেখন। নৌল। প্রেটনি 'বোধ করি আপনার স্থীত শাস্ত্র ও বংলান

इन्द्रा भहात है। उड़ छड़म नशा

\$

্টিনীন। প্রেটি। ভা**ল মন্দ বিচার** করিবার ছেই এনাকে কেহুট্ উপ্**ছিত নাই, ভবে,আনি** আগনার ওব হ ায়ে অজ্ঞা, **অনুগ্রহ করে একটা** গ্রহ চর্ল

ইন্য়। মহারাজ। তবে ব্যঙ্গ কর্তেন না। বিভিন্ন-প্রোক্ত।

> ভাগ ভাল বাসার আশা করি রগায় : অকপট ভাল লাস বাবা বেবিং । উল্লাসী বিলাগী, ২০বে ভাল ব্যালিং প্রেম ভাজনাবী বানি নির্বামি ইংলিঃ

हि कि अरमात आयोह यन जुनिक रुवाहा है

দোল। প্রাণ । এক মত্ত স্থীত, আর একটা।
ইন্দু নহারাজ প্রেনালাপের সময় গান ভালন কিছু
সরস হওয়। আবশ্যা করে, কিন্তু জামার অভ্যন্ত লজ্জা
বোণ হচ্চে পাছে লাপনাত দহদরগণের মাধ্য কেহ
অলাক্ষত ভাগে নকটে থারি দা আমাদের রক্ষ ভঙ্গ
দেল। জাবার উক্ত এই প্রের নিম্ন ভারগই বাটীর
সালে ভার প্রেরীরা পাহারার নিযুক্ত স্থাছে, তিলংস্বরে
স্মীত কর্লে আবার তারাত শ্রবণ কর্বে।

দেল। প্রেয়নি আপনি কিছু মাত্র সন্দেহ কর্বেন না क्रिके अञ्चलक मार्की करते मां. **ध**दः महत्त्रजन দকলেই বাটীর খালার ভালো লৈছে: খাবে আপনার: দলেহ তপ্তন জন্ম, আমি সকলকে ভাল ক'বে নিবারণ ক'রে দিয়ে আস্টি যে, কেহু যেন এটেকে না আসে, পার গ্রহরীদের প্রতি ও অনুমতি করে আসচি যে ভাৱা একণে পাহার। না দিয়ে হার হ'ত অধিক দুরে গিয়ে কিঞ্চিৎকাল অব্যিতি করে। আপনি একট অপেকা ককন।

(四本本1)

रेन्द्र। (गराडीपान शुनीक ह्यांनाशानि सहसा হইতে বাহির করিয়া গাপু খানি পুণবিবং যথা ভানে রাখিয়া ঝগত) বা হটক একথানি অস ভো लाख इत्नम्। अर्हर कि इसेपिक प्रमान्त्रभावीत সতীত্র অথহরণ কবতে সক্ষম হতে ? আমি কি গা**রবি**-नामिनी दर रामनामदक्त मामी ६२ । (शक्क तत्था देशा) এই অসু কি সেই দুরাচারের শোণিত পালে পিপাদা শ্ভিকর্তে মা ্ পৃথিবীতে জন্ম গ্রহণ করে। এতদুর, 🖟 গাঁহত কাথোঁ এবৃত সমে কি এর আখাতেও জীবিত ু थारुरव १ मन : -(म खग्र हिन्हां कविन ना. ऐनामणी/ह বোধ হয় হীন বীর্যো জন্ম এছণ করে নাই ণ কিন্তু কপটা-চরণ ক'রে আমাকে । বিপদ থেকে উদ্ধার হ'তে হবে। (চিন্তা করিয়া) তা কি করি ? একে একণে बिः महोत । ভাতে আবার জীলোক, ভাতে আবার

সকলেরই ছারীনতা অগহরণ করেছে, এতে ও কি
ভরপ পথ অন্ধলন্ধন কর্জে কোন অন্যার কার্যা করে।

ছবে ? না এতে লোকতা ধর তা কিছুই বিরুদ্ধ হলে না।

য়্থন নার্যা সর্বাধ ধন পরিত্র নিরীত্ব ছবল বলা ইক
করতে আশা করেতে তথা ও লোক জাতার

এই রূপ শাতী বিধানই এর উপাত্ত দল, এইত
মাত্র পাপ নাই। (ছোরা খানি দুরে কে বের্যা
ইন্দুমতারী প্রেমদাগরে হারু পুরু খাবেন বিবা
উদ্দেশ্য করা থাক্যা, এবং ইন্দুম্নার করা থাক্য বিধানী

য়াধন হবে তারও এই বড়বন্ত্র করা থাক্য বিধানী

স্কায়িত করিয়া পুনরার উপবেশন।

स्मेनदश्दत्रत भूमः खेरवन ।

• দৈনিলা। প্রেয়নি। বিশেষ রূপে সকলকে নিবারণ ক'ে।
দিরে এলেন কৈহ এদিকে আদাবে না, আপনি নিসে।
ক্রেমে আদার সহিত আমোদ অহেলাদ করুন।

हेन्। त्य चाळा नेहात्राज ।

लील। है। उत्त बाह्म धकी भान करान।

इन्हें। आश्रान छेशासमा केंक्स।

ीं भीगव प्राराह भूनवाह में भरियान छ नेमूमकाब भूनहाहा आता ।) ।

श्री श्री श्री के किया ।

ं के किया, यम दर्श बन, वन, अब स्कामाहिए

्रध्यामात्रहें। शुनि हर इंदेल ज्यामाति ॥ 🛬 🔑

्मकास वन श्रुप्तत्र (भेशकन) मुलाइक कक्पक व्य (मार्कन

ध शक्तिहास क्य कांची समर्गन (हा

প্রীতির কুম্বের পুরুষ্কীরে পুঞ্জির মুস্পার জন্দ 🖂

দৌল। আহা। প্রেয়সি। কড় সভোষ করলোন (কে। ক্রী ছী

ইপু: নহারাজ । আপনকার অত্তাহে আবার - শনিবী নৃত্য করতে পারদর্শিনী।

নো । (আশ্চন্যান্থিত হইনা) বটে ?—বলতে এজন ।
হয় ন অনুগ্ৰহ পূৰ্বক যদি বায়েক নৃত্যী ও দেখাৰ ।
ভাত্যৰ—

ইন্দু: (গাত্রাথান পূর্বক) মহারাজ। আপ্রার সজা । বাণি ঘটে, দেপুখেন বেন আমার একুস ওক্স অক্সাত না যায়।

প্ৰান । প্ৰয়দি : সে অধিনাও দ্ৰেণী হলে আপনি নিশ্চিক।
পাকন ।

শৈশু। দেশের জন্ম কুলে গমন করিয়া) ও সংবিদ্ধ।
তবে আপনি না পকলকে নিবারণ করে দিয়ে একেছেন।—আর কেহই জনিকে আসমে নাণ পশ্চাতে
দৃষ্টিপতি কাম দেখন দেশি।

দৌল। পেশ্চাতে দৃষ্টিপাত বাংয়া) কৈ কেহই তে না। ইন্দু। মহারাজ। জনেক স্থিত চুক্তি নিরীক্ষণ করুন্ কেটি

এখনি দেখতে পাবেন এখন।

দৌলা। (পশ্চাতে ছাড় ফিরাইরা ছিরদুফৌ দৃষ্টিপাত)

ইন্দু। (সেন্টান্তে ছোর। ধানি শইয়া সন্তোরে দোলৎরায়ের প্রাবাদেশে আঘাত করিয়া) ভূটমতি। ভাল কুন্দে ৰৌল। (প্ৰয়েজাপৰি প্ৰিয় ছইনা') কৃত্ত—হি—নি। শ্ৰা—মা—বি—নি। যাশ্ভি—চা—বি—ি

ৰিবা। আদি কুহা-চৰীত নতি, মালাবিনীত নতি, বালিগাবিনিত নতি, আমি নারীকুলের পতীংবাপেশ। নিলেপ সভীত কুলে করতে বৈ আশা ক্যুর ভালে নিটা ক্যুল্ট কুলা করিনা।

1 2 2 1 1

निस्वटकत आद्यान् ।

বিদ্। 'দৃহ হইতে দৌর্হরায়কে অলক্ষিত ও বে দৃতি কবিতে বারিতে স্থাত) একি ! সেই কেন্তে থাকুলটো এই মান্ত কথা কজিল, আবার এর মাণ্ড বিদ্যালয় কথা কজিল, আবার এর মাণ্ড বিদ্যালয় বিদ্যালয় বিদ্যালয় কৰা করে জ্বালিক আস্তে কাল্ড কনে বিদ্যালয় কিন্তু তা লিখাকা যায় যে একথাল মোড কাল্ড এমানে এমেতে শ্রেম্ব

दर्माल । (कीन आह्रः,) क ल न्या न्या ।

বিধু। (দৌলং রামের নিকটে বাইয়া সন্দেশ পতিত দোশ্যা
সগত) এইত মোণ্ডাপ্তলি দকলেই এখানে পড়ে
রয়েচেন দেখতি, তবে আরু মহারাজ ভজন করুচন
কি যে এর মধ্যে জল খেতে চাচ্যেন। একি! মহারাজ
যে জার কিছুকথা বাজা কচ্যেন না । (পর্যাজাপরি
পতিত দোলংরায়বে নিরীক্ষণ করিয়া) একি মহান
রাজের কক্ত প্রটার ব্যারাম হ্যেতে মেশ্ছি হো। বোং
করি উনি আর একল খাবেন না, জামি প্রথম নিয়ে

तिशरको तर्न रक्षतीत अस कतन **शृक्षक रेगना**कार**क**त ≪र र≪ः

দৈলা। (প্রণাম্ পূর্লক) রাজকুমারি। নির্কিটে সেনাত সমহ রাজধানীতে একে পঁইছিল।

ইন্দ্র । (বাতা চিত্রে সৈভাগ্রেকর প্রতি) রাজ্ব 🚉 বন্ত বিংহের কোন শুভ সমাচার জাছে?

বৈভাগ কুনারি। **আপনাদে**র অজ্ঞানুসারে সারি ^{কিত্ত}স পশ্ৰিত সেই খাইে শিবিৱ রাখিয়া, তার কে শ্ৰ আহ স্টালন জোন অবলি উল্ল অন্তেম্ন কলেন্ট্র কিন্তু তার ততুসন্ধানে কিছু দল দর্শে নাই।

ইর:। (বীষ নিঃহাস পবিতাপে প্রকলে ভত্তবর পিলেজা-ধ্যক : ভোষ্টের একলের শ্রীরিক মন্ত্রী

দৈছা। আন্তেই সাধলা নকলেই লশ্যা আছি। তেওঁ भाग संस्थात ।

ইন্ট্রী আজবুদার। ১৫৮।র প্রাকটো অপান স্নার্থ তাকীৰ কাৰ্যছাৰ ১ বাৰেছাৰ আক্ষাণের নিনিভ আপি÷ী নার ব্যান কার প্রার হৈ যে প্রায়োজন করে। কা । ভরদী ী ব্রি অমি বেলিকা গ্রম কলেটে ক্রক্ষ্যে হতে : পার্যে ।

ইতা। প্রিয়ম্থি। 💛 বি সমূত্রে শাচা, শিশিরে কি কর্ত্ত वलून : आशाह प्राप्ति के गर्मा छवा वहारत असन कर्ती (अधिक)

🎮 ! 🗸 ডিজা ক্রিয়া) রাজকুমারি। তবে আরি ্ যে কলনা কলে ৮ এইত খুল্টিষিক ?' না—আপনার শার কোন পরামর্শ আছে?

ইরা প্রিয়দ্ধি ! আপনার কলনার আ<mark>মার</mark> সম্পূর্ণ ম**্**. ও ফারে **ভা**তার মতের প্রতি[†]কা।

ই ু। ্মহাঁপৎ সিংহকে আসিতে দেখিয়া 🔌 🍻 🗷 🐑 क्याह अहे पिटक है जारमहत्त्व।

ाक क्यात मही १९ मिश्ह के टा (४म ।

বার্ত্তবুলার ! ছতাপুর নগরের বে রাজ্জুমার ম্রান্ত্ সিংহের রতান্ত, সামাদের দেশ প্রটম স্থানে भाषनात्क नत्निष्ट्वामं, अकटन दमहे लार-हमाइनः धगुगस्रात्मव छेशांश कि ?

িনং।। বুলারি! পামি বিশেষ অবগত হয়েটি সে, নকসভ নগর বাজধানতে দেই নিত্র কেনেছবা র বাজা-প্রদারে ভিন্ন দেশীয় কোন ব্যক্তি ভারেশ করণ নাগতেই এটন পরিলাখের **সহিত ভাতে**ক কারাগালে লন্দী আরি ০০ কে **ঃ 'মত এব সেই** কুরুরাজের অনুসঞ্জানে স্বর্ণ**্রি**ই भन्दर्ग केष्कुक । (५वर ५६)का ८ मेन विकास विकास ্রতি আমাদের লাকুমণ কর, অতি কত্ত 🕒 ১ রুম ে শ শুভ নগরে গমন কল্যেই বোধ করি কেই বুবরা এড়ও मसान शाख्य यादा ५ इस्टे क्ली वाध्यवः वाध्यवः উপর আমরা জয়পতাকা স্থাপন করতে নক্ষম ব্যঃ রাজকুমার! এ অতি সংযুদ্ধি (রাজকু<mark>মারীর</mark> এতিং

> রাজকুমারি! তাপনি কি বলেন। (সোৎস্থকে) যুক্তিসিদ ১৫%।

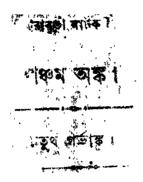
রাজকুমার! আমাদেও বাতী করণের নির্মিত দৈয়ে-(मत्र शिक या अल्डा का का रव कराने।

যাই, বিবে ক্রিন্ত সক্তর্ভাবের এঁর ব্যারামের স্বর্ত্ত শিই। (মুটি একটি সম্ভেশ ভক্ষণ, বক্তী ,কাঁচার বাবিরা প্রসাম)

कर्राहरू क्रिकेट ब्रह्मका है। तमा ।

- ১৯ আ। তেনিবংরাটোর কিন্দালে কত কেৰিয়া তোকন করিতে করিতে) জবিং। বার্শ্বনাশ কলালে নহনি বাজ । একি । জবিং । আমাদের নার্থনাশ উপস্থিতি হয়েছে যে। .
- ২য় আ ৷ (জন্দন) আমরা এখন কার শরণাপছ হ'ব 🖣

 তালালে : : : ভ অবশেয়ে এই ঘটনা লিশানিক হ'ল :
- প্র প্র (দৌলংরায়ের উর্দ্ধ দৃষ্টি দর্শন করিয়া) মহাপ্র বাজ ও আর বাঁচবে না দেখচি: (অক্তান্ত পর্যক্রের প্রতি) প্রংগ তোমরা এখন কারা কাটনা করে। নার্ নংগারিবের আকাল লগে। করে, বর বর, অন্ত্যেক্তি ক্রিয়ার, অন্তে নিয়ে চল, মহারাজের চরম কাল উপ্রি ক্রিয়ার বিয়োলইয়া প্রস্থান।)



गांकां नगान श्रीभंदिन।

वासः ११वै देशंबदी ७ क्यांत्री देलुमको वासीन।

ইন্দু। (ইরাণ তীর প্রতি) রাজকুমারি। একাণে তো একাণে শত্রুহত হতে উদ্ধার হওয়ানিগেলু। কি । স্থাপন ব তাসহ কটি নিবারণ কর্তে না পাছেন তো ক্রিনের পাতি লাভের কোন উপাস বেশ্চিনা।

দ্রা: (কাত্রবারে) প্রিয়দিন। আন্তর বর্তী কর্তী করি। বিজ্ঞান হত্তী করি। বিজ্ঞান বিজ্ঞান করি। করি কর্তিন বিশ্বন আগান করি কর্তিন বিশ্বন করা আগানিকর অ্লাধ্যান বিজ্ঞান বিশ্বন করা আগানিকর অ্লাধ্যান

ইন্দু। রাজকুমারি। আপান নে পর্যান্ত সেই বুবরাজের সামালন অথে রুখা না হবেন তত্তিবল আনর। স্বর্গ ভোগেও ছথা হব না। ই তেই প্রতিজ্ঞা কলোম যোখানে সেই করেজ বলোবভানিংহ আছেন, এই মৃহুতেই সেই স্থান নামেবের গমন কুরুব। চেন্টার অসাধ্য কিছুইন, গোগনি হতাশ্বান হবেন না

3.8

रेमनः कुश्रहः 🔆 🖫

গ্রান্থ দেশগড় নগরের দৈল্পপুণ্কে করিগারে কনী কর গে মার অধিকাংশ দৈল দেশগড় নগত আর্ক্তমণ করিনার জন্ম প্রস্তুত ইওগে, আমরা অভি নীয় যাত্রা, করবো!

THE IN THE PARTY

(四事性)

ইন্দু। াহীপ্রদিংই ও ইরাবতীর প্রতি। আর ালস তর উচিত নয় **লাপনারা ত**বে চন্দ্র। ব্রিটার ফালোজন করা লাগগে।

ार्ने , ७ हेत्री। शाल्य हत्त्र्म् ।

সকলের প্রকাশ।

तेत्र देखी माहक ह

বপ্ত ভাক।

लका गंजीक।

ত্রগুর নগর রাজ্যানির জাদারের শ্রন কক। শৃহিনী চন্দ্রেশা শ্রীদা।

াকজন দ্সিছু প্রেশা।

ারী। মহিসাং মহারাজ, রাজকুনীবৈর একে এ নি লাভা করিলেন, আপনার মহে কেল গালে ১ জন ভাষ জাগনাকে খবর দিতে একেন

ত জ । মান : মধারাজ কি এনই ধা হা কল্ডের । তেওঁ লক্ষান ত ভামি এতক্ষণ গাইনি।

প্রা । রাজন্মহিষি । আন্দির জো এতাগ্র জানতের । আনাকে জাকিয়ে আপানাকে থবর নিতে বল্যে । (প্রসংয

হৃহিধী। (তিতা করিয়া দীর্ঘ নিঃশ্বাস গতিতা ও গুরুক গগত) এত আনার ভাল বিবেচনা হটে না । আনার ভাগে কি শিব গড়তে বানর হলো নাবি । থেলাম না, ছুলাম বা মাজে । কে কলফেব ভাগিনা হলেম। সকল লোফেই তে কুথার যশোবত সিংহ ভারি বিদ্যাবান্ বৃদ্ধিমান হল্মদেন । ছাই—ধে নব্যু, নিলে প্রেম বোঝে না, তার বিদ্যাও র্থা, ভার রপ্ত

इथा। दूरे वाश्र दशल मार्चेकी मन, विद्धा करनी এতদিন ছেলে ছাড়ো, ও যা তার এমন নৃদ্ধি কেনী (भा ? नद मा कि मा ? वहाँको नाए इ लिए कि বিচাৰ তাই ভুই এত বাচ বিচাৰ কলি । বি **াল্বো** দে তেশর **সচ্ছে দেখা হলো না,** যা হলে বিলক্ষণ করে গুনিরে দিছের। মাধ্যেত হাতে প্রাংশ ও 🚧 গ্ৰেশত ছজনেব বেমন নহা হয়েষ ডেমনি চে ८क छन्छ, आधारमत मन्त्रोद**, अ**ति (कार द**न्हेक** िष्य मा, कुरे यांश् विद्या कर्नुतिम नहमिष्टिन द्यमि প্ৰিয়া হয়তা ¹ বাহাৰ তিন ফাল নিয়াচে, এক কাল ট লাভে ওলে আবার ভয় কি ৭ তিন দিন ধনে বানিয়েন্ট ধানিকে পত্ৰথাৰ লিখলাম তাৰ না হয় জাঘাৰই দে 🕫 '9 मा का मा दर 'महादि है, मा **शंदश** के ती. वह বেণীক্ষা দান্ত ক্ষেত্ৰত পুলি লৈখে আদিদ তেল দেখাও হারে, কেলে। ১৯ কর পান্তে পারিম। করিয়া) কিন একা হয় ভাচা আহেদণ কত্ত্যে যাতে कराजन, शाखीत ५ थ मिरास इटा, नाखा यानि वासी मा भारतम का हरना आभि छेन्त भारत सरत रकेरन পড়বো যে অন্মাকে দলে করে নিয়ে গেতেই হবে নাচৎ এলপুড়টি ড একটি বলৈৰ পুত্ৰ, যদি চিটির কথা বংলই ডেকো, তা হলে তো আনার **এক** ওকুল দকুল মাতে: আমায় অকুল প্রাথার লাস্ত্র হবে, যদি আমি রাজার দক্ষে থাকি, আর জাজা দৈখা পায় আমাৰে নেপ্ৰে চকুণ্ৰায় কৰ্মই

ক্ষী একাশ গুড়তে পার্জে বা 🏲 (বেশাগ্রু পদ শব্দ ं जिल्ला है जो दे दोवा दोका जान्यका है ेमक नारत, क्षम किया के बाबा के बार निरुद्ध व दारवन । गर्रिं। , शिक्रो क पृष्टि कविशे) ए कि ब ्राज्य र १ . अ এ**পাশক পারক্তর যে ? কোন** মুদ্ধুন্দ গালাজন আলি ্রিকায়। িকাতের স্বায়ে) শহিষি। সময় বিশেষে (ড)নার এই প্র **ব'কাগুলি অয়ুভ** বোচ হয়, কিন্তু-**এখন** ভেট- ও ভত্ত ৰাফ্য কৌশল আমার বিষ্যাপকাও কঠিব কার হ 🗧 लेक : **प्रीवर्गक ताबंदक लात्को**ः मा त्य कुमारक । १९५५ ं । प्र**भाराव निक्षा तरिष्ठ रू** ५ कि कर्क शास्त्रि । उपरार्थ ते । খাহাকার কল্ডে, কুমারের দর্শন নাই কাল্ডি কাল্ডি ্**জার কোন উপায় নাই।** তেখোল কি পুত্রের 🤫 ा रक्षान करें है ऐंकर मी, ए एक भारताओं शबार ममक्राओरेक अध्यान व्याचार प्रतिक करना १ जोशी-তি । বিভ **হট**লা মান্তি এখন চলেন ভোষার বাতে ্ আমেশ প্রায় হয় তাই কর। (গ্রম করিতে অগ্রসর) भिरियो। (१११) भारमान जास्नारम ट्वां कियान चारव ना দেখ্চি, একব দ্ব কালা কটুনা করে দেখি । (অপ্রসর ি ৺ হইষা রাজীর হস্ত ধরিয়া প্রাকাশে 🗅 মহারাজ 🗧 তাই **ি আন্তাকে পূলে থেলে কলুন, পা** হ স্থী**ন্তো**ক পূ**লে** ' दशरम बा नरमा कि वृक्ष्रक भाति ? अथन भेंदा तरमान े **मर द्वार भा**रशाम ।—- छटा कि आभार्याम् यदन वदन

अवस्थित्या जिलाम १५ शांबात अमे महामा कतिया काना-

টোর সহিক। বহুরোজ । ে। বার প্রাণ্ থাকুতে জাপনাকে

ध्वेत द्वा तिर्छ भार्य मा, बांगानि नहें जात समिति। दिन दिन दिन अपनादिक स्था जीनूदक द्वारा दिन दिन का निष्ट के निष्ट के

িনত। (মাছধীর ইক্ষারণ পুনাত সাজ্য। বাকে।) সাইনি । এ কাত হও, সভায় অনুরোগ আর আমান জীগনারী নাশের চেন্টা করে। না, ছাগার গ্রামর সকলই প্রস্তুত্ত আমার বিধায় হচে।।

নাহ্নী। সহালের তিবেরিনি অপনার সদে বাব ।

উদা। সাহ্নি, সেটি কি গ্রামণ যোগ্য করা প্রতি একটি
বিপ্রপ্রের হলে হাঁলে রকার নিমিত গ্রম আলা
ভাও গাবন রক্ষা হল কি নিগ্রেম, সাবার । সম্পর্ক স্পতির হলে বিপ্রমান কি নিগ্রেম, সাবার । সম্পর্ক স্পতির হলে বিপ্রমান কি নিগ্রেম, উপর আলার বিপ্রমান গ্রম হব । পরে নারী বিবজিল্ভা, এও ভো গ্রেম্ছ।

ক্ষা একখানি গ্রম হলে দানীর পুনঃ প্রবেশ।

দাসী। মছারাজ। সজকুমারের বিদ্যামন্দিরের রক্ষক এই পর গানি ক্মানের শতাক নিচে লুকান ছিল বলু আপনারে দিবার সভা আমার দারা পাঠায়ে দিবা । বিদ্যামার হার পাঠায়ে দিবা ।

উদয়। (সত্ত প্রান্ত প্রের) প্রতি দৃষ্টিপাত করিয়া। (প্রতি প্রতি দৃষ্টিপাত করিয়া। (প্রতি করিয়া ক্রিনি) বিভিন্ন করিয়া কিপি, (সহিন্নীর ক্রিনির ক্রিন

্ম বিশী। । সভয়ে) বাহমা আদি বৈদ ওঁচক্ত । গৈৰিবে: প্ প্ৰাক্ত কৰিল। কৰেনাৰ দৰ্মা । (গৈৰ সিয়া পত্ৰ পাঠ)।

'প্রেরবের ---

মাছি। চিরদিনই কি বিদানা দলে বাদি বরবে এক দিবলের ভালেও কি বাটের ভাতার বাদি বরবে এক দিবলের ভালেও কি বাটের ভাতার বাদের বাদের বরবে এক দিবলের ভালেও কি বাটের ভাতার বাদের বাদের বাদের কি বাটের ভাতার বাদের বাদের কি বাটের ভাতার বিলা বাদের বাদের মান ও নাম বাদের প্রতি এক বাদের বা

ত্রীমর্ভ: চক্রবেখা দেবী—

য়। (পত্র পাঠান্তর বাহ্য জান শৃত্য হইয়া) প্রমেখন।
কি অচিন্তনীয় ঘটনা ? (জান প্রাপ্ত ইয়া আমিশ্ছুপিজের কায় দাসীর তি) দাসি! শীত্র জনহই
দুসকে এই খানেই ডোল মান।

উন্থ। (সহিধীর প্রতি) কি প পাপীয়দি। কলফিনি।

ে তোর এই নিদারুণ কুহক পত্রের দারাই

মর্মি পুরু হার্য়েছি । গছীর ভাবে চিন্তা করিয়া

তোর এপাপের প্রায়শ্চিত বাদায় হঙ্গে হওয়

উচিত নয় কোত্য়ালের হস্তে হওয় চিচিত

(इरे का मुख्य श्राम !)

জিন্ম : (দৃত্বয়ের প্রতি) দৃত ! আই বার্পার নিকে প্রিক্তার করে।
কোথায়ালখানায় লয়ে চা কোতোয়ালকে পান কর্।
দৃত্বা। (অপ্রনর হইয়া মহিনীর প্রতি) রাজমহিবী মহানিজের আজা প্রতিপালন কলা

১৪: । (জন্দন করিতে করিতে রাজায় পদবালনা উদ্যত হৃইয়) মহারাজ। ও জাল পাতা, ও পাতা আমি ক্ষানই বিশি নাই—মাব বদিও স্থাপানীর বিশাস।
হয়ে শকে, আপানী শ্বহরে আমাকে শ্রান কন।

উগত। (মহিনীর প্রাত্) মার্যাবিনি! তার প্রানাকে স্পৃত্তি করিবানে, দূতেরা ছোর অল বপর্ণ না কত্যে কত্যে ইল্লাক পাপের প্রায়শ্চিত্ত জন্য কোত্যালখানার গ্রমন কর্। (দতর্বরের প্রতি) দুত। শীল্ল করে প্রদা, লার বিজ্ঞান। হয়, এটি বালীয়দীর ভারে বহনে। গ্রিণী কলিপনা হাছেন।

CHEST !

দুত্তর। (মহিরীর প্রতি মহিরি[!] আর বিশ্ব কর্বেন্

মহিখা (কল্পিড সংলবতো ক্র'ড করিতে করিতে) ছ

(神)(神) 图(())

र्शिक ।

ক্ষিণ্ডাত গ্ৰহাৰ চ

河村引西 斯河一 南山南南江

আন্ত্রিক্তির মানোক্ত সিংস্ক আসীন, এবই ক্রতিপ্র বর্ণী প্র জ । । । ।

সমন সালে আনালে ক্রতি হার মানাল

্মে প্রহ। (ঘংশাহন্ত নিংৱের গুলি (বিক্ত নারে) কেন ু তুমি বিলম করে অস্থান সকলের স্মার্থ্যকার্তি ক্রঃ শীস্ত্র শীস্ত্র এস মা।

যাশা। (কাতরপরে) দেখ প্রহরী। অদ্য আনার শরীত অত্যন্ত অভ্যন্ত বেশ্ব হচ্যে, যদি দ্বং এ, কাশ ক'রে অদ্যকার দিন্টী আলোক রেহাই দা

নৈ প্রহ। ক্ষাপর তোমাকে প্রত্যাপথা ক্ষত্যি পাবি না। তোমার কি রোজ গড়বর হলতে ত্রিকার্ড বলী

- , নিগতে দেখাইয়া) এই তে। এরা এক নিনের ক্র
 - ে বেল গণ্ড **এই** সাক্ষ্ স্কাৰণাম্য ক্ষেত্ৰ গাঁৱ কৰেও নাট্য কাৰ্য্যে নিযুক্ত জাকেন, নাট্যা এল এক্যুড় অভ্যান **হয়ে গিয়েচে**, ফামান্ত ফালো গান্ধ জালোক ভাৰেপার আরু এক দিন্ধ অভ্যান্ত ন
- সন প্রাণ তেওঁ, যার কেন্ট রোজ নিষ্ঠী কথা কর্ম । ১৯৯৯ । রোজনালন্ত কিন্তেশ্ব হস্ত ধরিয় ১৬খন কর্ম কর্ম ্ সজোরে অবৈর্থিন পূর্ববিক্) এনেন্ন নজ্ব । ক্রিক স্বিক্ পারেন্
 - ১৪০শত বেশ্যেরীর শব্দ আবং পুরুষ প্রার্থীগোর, কাস্কৃত ব হস্তারিভাগে করিয়া আক্ষণা বিভভাবে অনিবিজ্ঞান এলশগত নগরের একটান মূল্যের সন্ধিত ভাজকুষার ২০০ জ নিংশ, গাজকুষানী ইনাবতী, তুনালি সন্মুবজী ও জাপা তাকা হতে গাজার নগরের কভিপ্য সৈন্দ্রের প্রাণে

নূম: এ**ই আঘাদে** দেশের কাব গার

न्त्रास्था । अव श्रीक्राहरू प्रसास

- ইন্। (অকন্ত রাজক্নার বলোবন্দ দিংকেব হত ধরিয়া উল্লেখনের) রাজক্নারি: জাঁলিড হোন, এই আপ-নার, জীবিতেশ্য রাজক্মার সংশাবন্ধ দিংকক প্রাপ্ত মার্মিয়
- মহা। কুমান : আনাদের তো প্রধান উদ্দেশ্য দাংন হ'ল, শ্ এক্ষণে (যশোবস্তদিং নেক দেখাইয়া) আপনারা এই নহাশারের সহিত ক্ষণেক মিন্টালাপ করেন, আমি অভি

শীক্ষ মুগায়া সোধনারের অধিকারে। উপর ব্যালিকার করে শীমার ইন্দেশ্য স বর্ম বুলি আমি। বাদের বিলক্ষ হলে এই যাত্র গোলটী এই ইন্দ্র প্রধান হলে পালামন করেছে ভাষাদেশ গরা অনের

া বিশ্ব ঘটিং শিক্ষাখনা 🕻 🦈

हेन्यू । कुमान । पाणि मचन प्यामित्वन

ं **महीशद कि** ८८ एवं स्वाप्त स

ं **घटना।** क्यांते। धेणशंबादक व

ি ইন্ট্র। কুনার । সাঁত সন্তবেশ্ব পাতিচয় আপনার নিশ্রত তিনে।

তিলাম তনিই নেই সর্বারণালয়ত কুলাল প্রতিপত্তি

কিলে, সমকুমারীর সহোপর।

ন্থে। ত্ৰম্তি। **উনি বে** কাৰ্য্যে গ্ৰন্থ কলেচন ওপ্তে তে:

বিন্তা রাজকুমারণ দে জন্ম আবনি চিনিম ক্রান বার নংগ্রাম হবার আর কিছুমাত লালা নাই ধে সবলের হতার আপনাকে পরে ব্রেরন বারে। একণে অসুতার করে হাজতুমানি লি কথোপবধন ইতির উকে ইন্থ ইরন। ধা লালীকে জন্মন করিছে দেখিয়া) রাজকুমানি মান কেন প্রংগ প্রকৌশ কজেন শিলামি ক্রানার প্রিণ বি আমার সন্ধ্র লজ্জা কি শিরাব নুম্ব বার সন্ধ্র লক্ষ্যাতি।

ৰিয়া। প্ৰাণেষয় কি হৈ অধীনি আপনার প্রিচেরনে গোপনে

- বিগাপনে জীবন দেখিন সমর্পন করেছিল, তার প্রতি

कि अल्पूत निर्मत संबद्धात कता व्यापमात के हिन्ह स्टार्ट्स

য়। ব্যক্ত নামারই আন্তংকরণ গালনার তারি ভাই-বালি হ'লে খালাতেই দক্ষ কচো, তালনি লা আনার প্রাত অনুরালিনী হবেন, ও আলার গালনার, কারণ আমি কোনকানেই লাপনার বোধা পার নাই। তবে আপনি যে ল মার্লনের প্রতি কুপা প্রবাদ হ গোন না মার্শার নিভাক্ত শুভান্তী।

ইিল্, সাজস্মটো আর নাদারকার বাবে কাজকুমারীর মতনেহে একি প্রকার কর্তনা না, মুলা করে কালাদ কারের উঁকে মুমলীবিত ক্রমা।

विभिन्न । गुरेशन मुख्य खेलान ।

ি। (ছিতাতাৰ প্ৰতি। এনামে দেশণত নগৱের জার। গাহে-ক্তিজ এ কিমের দেশোহল **হাঁচল ?**

২ণু । তাতীতা। তাবার প্রীনোধিকরও বাকোর ধর্মি শুর্মা ।

নিজ্য – চল এখানেই একবার প্রবেশ করা যাক।

বেশ, থিলেন, পাহাড়, পর্যন্ত তাঁর অ্রেন্ড। জমন

করে তো মনেক কেশ পান্তরা নাডে, যদি স্ভিত্তিক

আনাদিনের প্রতি ভ্রমানের কুপাই ২য়ে গাকে।

সমূ। ই তায় হালি কৈ **্রেল্ড তাই** মাজন হাক। উভবে দাইটো প্রেল্ডিক

্ৰু (আক্র্যানিত হইয়া 🎉 ক্রিক্টিক লোক

अन्। (यानावर िहाक प्राविशा) केहें ना कुमा वस्त्र निश्हा

ুল্ ই ই ভিনিই তোলটে । আঃ । বাঁকা পোলে বিল্লাল তিদা সিংহের জীবন স্কা হল । (ঘশোরত এই বে । নিত্র ধাইরা, করয়োতে) ইকুমার । এক নি একি মূহতেক মাত্রও মহায়াতের চফুল অন্তর্গত এক জন হলে তার জীবন সংশায় হতো, কাতে প্রাক্তির বার হ'ল বিনা কারণে তাঁকে দর্শন না দিয়ে বিশ্বতা সংস্কৃতি

শ্বিদ্ধা। দেখা। আমার অদর্শনে পিতার অন্যানন দ্ব প্রা ক্ষেত্র, তাতে আমি মহাপাপে লিখ হাজি। ক্ষিত্র ডিক্সা ওপাণে পিতার-কুশন স্থান নাল ক্ষামার ক্ষাত্রতার শ্বিক করা।

১নু : কুমার ! অধিক আর কি বল্বো, আপন্তত না দেখে মহারাজ মেরপে কাতর হলেচেন আমর^{ক্তিনি ল} এসোচ, তাতে যদি আপনি এই দণ্ডেই এখান একে ব্রুগা-নীতে যাত্রা না ক'রে তিলার্ম বিলম্ব করেন কা হলে ্যাধ কার তার জীবনের ভরসা করা প্রেব ব

সংশাদ হা পাণীয়াল বিমাতা : গ্রিতা থি এনন কচিন শাপ ত হয়েচেন যে জুমি আমাণার পংলাত এবেশ াল গ্লাঃ প্রিতাশ কট পানে অমোর হণ কির্মি হচ্চে চুক্তি ইবা (কপালে ক্রাণাত করিয়া: আ ভংগন! বেনার े भित्रमान्त्रमादत दन्ता **छःदश्**त (हो)। योज ভবে কি ও ছবভাগিনীয় কপালে ভোগ্র বিধিয় ও শ্বিষি ছ'ন গুলি বিশোষকে দিংছেৰ প্ৰতি ' লগ্ / খাপনি ওরপ কর্লে আবার ত্রী হত্তা হু,, গৈর্ঘান বলম্বন কর্মন এখনিই এখান ্তে রাজ্বানীতে চথুন ও হ'লে পিতার সকল কট দুর হবে সকল দিকু तेष्ठाष्ट्र योगाहर ।

প্রেম্ম (ইরাবটান প্রতি) দেখুন। জ্যার ইংমিড ক্র चालनाता गामक कर्षे (लटकन, चालत कारात গাঁহতনা কর্ণে ্ এফনুগ আপেন্ত্রে এখনে ধুন্ত পত ার বাদী পমন বক্তন, ভার পর পিতাকে বর্ণন করে ধত শাহাপতি আমি হাপন। দিগকে দৰ্শন কচহ। ।

देख् 🕶 र १४। 💎 एक करकेत शत ताकतूमात्री शता निधि প্রাত্তরের করা উর্নিত হার ভাপনার সঙ্গ পরিভ फराध रात्रावन कोटड कानगर हुई विधान इस ना অভ্ৰৱ চন্ত্ৰ কুমাৰ ভ্ৰাপ্ৰসিংসের সঙ্গে প্রামশ্ कोटर जानवा नकटगरे आशामात मटभ डाउनानीकि লিয়ে সিতার কউ নিধারণ করি। যশো। কুলার। এ আমার পরন সোভাগ্য যে অপনামার লিয়ে সিভার কউ নিবারণ করি।

আমান সম্ভিবটাহারিণী হবেন-ভবে চলুন 1

ইরা! 🕹 আছুন তার বিলম্ব করা উচিত নয়।

দক**েবং প্রাথমি** (





ं इंडिश्वं मर्गत शक्तराति।

िर्देश केमेंप निष्ट, भानिकों किति, यटमावस निक्ष की वर्ष है। अस्ट्रेम्द्रेश व्यक्तिको अवः क्रमती देखम्कीत के शक्तिक अल्हान

छम्यः (नव्यान्छ निश्**रह**त आङ) प्राप्ते (८००००)

চলিনা বে পুনরায় দৃষ্টিশে তর হার বা কার আনার নরণা ছিল না। তেশিগ্র এ রন্ধ পিশিকে বির্নাধ করে গিয়ে এত দিবস কেনি জালে নিশিক্ত নির্না ছিলে বাবা ? কেন স্কল্প কেই নিশানিনীকে বন না ক'রে স্থান্ত জীবন লংগে এইও ভালছিলে ?— (সরোধনে,) এস এব বার তোমানে আনিধন ক'রে আনার দল্প স্থান্ত শীতাল করি। (মানাবস্তকে আনার দল্প স্থান্ত শীতাল করি। (মানাবস্তকে

প্রি। নরনাব। কেন আর আ ানান বরাদন করেন।

- অভ্যানারার রূপায় আপ্রনাব কর রেশ বুর হলে।

উদয়। (বশোবতের প্রতি) বংধন ওরুদেবলে প্রণাম হর।

भागि । (बर्गाचरखंत क्षांचे) क्यात । ् अयन कि, चात क ভিন' থদি পাপনার ব্য স্থাতে পছছিবার কিংখ হ'ত ভাষ**েইত মহারাজ** আজ চল্যা করেন।

গ্ৰহণা । ত রাণবা **শক্ষি আপনাৰ** অদানাভা দ্যার কা**র্য্য**। ित्ता । (१९) वरुभाविषिशांक मण्डा कविता रामान्यासन लाजि । ২ৎস ' এ কুমার কুমারির। কে চ

यदास्तातः कृष्टाः जना योगांतनः धादकारन मकन मोडारशार छेना भ्राहर, আপনি কি বিবেচনা কতে পাঞ্চেন না বে কুমারের महिड (ताजकुरातीरक (मभावता) व्यव ताजवानितः পরিবয় দুর্পাদনের सम्भ मकटार पाकिसर উৎস্ক 🕄 श्राह्म । जात-द्वा अकार्य एक्स्य वार्थ कार्यन । भारत हैं हारमा केलातर कर कार्य संभागित वस्त्राह. 🛥 ই বিশিক্ষা হাধ্য গোৱেন পুৰুৰধু সম্বোধনে জীবন भक्त कक्षम को पर्य और व शहर शहर शहर शहर वामन के हैं। পর্মানতে দেশ ভ্রমটোর ইতিয়ন্ত প্রথম কর্মেন । 😓 🔅

দিয়। **ভিক্ৰদৈ**ৰ। দৰে আৰু কি ? আদালগুৰ তে। **সকলই** बन्नन, जाद कारणात्मत्र जानास्मत्र भीमा माहे ? अकार বংগরের মান্সলিক ফিয়া এই দত্তে বভাগ আলতা ্তাহতেই আমার এলম্ম সফল হয়, এবপর না হয়। ामारदार कहा स्ट ः

লি 🎉 দে আপনীর ইচ্ছা, কিন্তু ও দেই পরিণয় 🚬 अवस्थित हैं देश के किया

টার । বৈ আজা গুরুদ্ধের। (পরিগারকের প্রতি) পরিচারক_া

भूति है। करोतिका । प्रश्नेति है कि उन्हर्ण कि । किल्बे दि ६०० । विनिक्षत स्विति मनगर विनि वर्क मन्निन विद्याल का बाज भाग महास्थानिक किया लाउँ उ करा।

्याती क्षेत्राचा । इति । इति इति । तनारका नामका नामी है।

জ্ঞান (পুশোষভের ইন্যোপরি ইরণ্টার জন্ম সন্তঃ ্বৰ্ক) কা জ্বাজ্ব দেখাচ ে ভূমিই য়ু লেখ্যকে : ভেষ্য পালী, বছৰ বুৰ্মেবিজে ই মাৰ্ভ ডেম্ম । া ক্রান্ত শান্ত করেন, ব্যান্তার ও কং - अद्भार शांच मार्ग करणाम, मंद्र गौंगावें क्रमाश राज्या

क उन्हें श्राविद्याल स्था महस्रात श्राविद्य के ले ले कर

स्थित करोड भूका वर्षे । भागा स्मान क्यांतिनिका केलि । (देशन ट्रायता - नकाल मुख्य राज रहा इति। विक्रिक्नितिशास्ति १०१ श्रेक्षांतिक ।। न् गडीत रुक्त शहर भू भूगार । जार में भू मूर्ग स्वाना

भा क्षांच प्रश्नाको विकास में के एक किए में हैं है है उन्हें क्ष्याः दक्षत क्ष्मिः १६५ मः कराः शिर्धः स्टी स्टिम भी वाल अञ्चला व रिष्या । एति हे व्या विद्या नि

अकार कार्य खर्गा उत्तर अन्य श्रिय प्रते ज्ञान । अ करत मजर्ग करना करना क्षेत्रक सन्दर्भ अवस्था करिय